{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 13 मई 2026
वैशाख कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 228
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 74,559.24
निफ्टी - 23,379.55
सोना - 1,53,980
चांदी - 2,90,000
डॉलर - 95.74

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

साबरमती स्टेशन बना देश का पहला 'रैपिडो ट्रैवलर्स लाउंज' वाला स्मार्ट हब

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा को और अधिक सशक्त बनाने तथा निर्बाध फर्स्ट एवं लास्ट-माइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके तहत प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर रैपिडो एवं उबर के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से एकीकृत मोबिलिटी सेवाएं सफलतापूर्वक लागू की गई हैं। इस पहल के अंतर्गत साबरमती रेलवे स्टेशन पर देश का पहला 'रैपिडो ट्रैवलर्स लाउंज' स्थापित किया गया है, जो यात्रियों को आधुनिक, सुविधाजनक एवं सहज यात्रा अनुभव प्रदान कर रहा है। इस सुविधा के माध्यम से यात्रियों को लगभग शून्य प्रतीक्षा समय में कनेक्टिविटी, समर्पित पैसेंजर लाउंज, ऑन-ग्राउंड सहायता तथा नए उपयोगकर्ताओं के लिए पहली यात्रा निःशुल्क जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अभिषेक बनर्जी हाजिर नहीं हुए तो गिरफ्तारी वारंट- हाईकोर्ट

जबलपुर। टीएमसी सांसद और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि अगली सुनवाई में यदि उनकी ओर से बहस नहीं हुई तो गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक हटा दी जाएगी। मामला पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय द्वारा दायर मानहानि केस से जुड़ा है। आरोप है कि नवंबर 2020 में कोलकाता की एक सभा में अभिषेक बनर्जी ने आकाश विजयवर्गीय को 'गुंडा' कहा था। इसी बयान को लेकर 2021 में विशेष अदालत में परिवाद दायर किया गया था। सुनवाई के दौरान बनर्जी पक्ष ने सांसद होने और फरार होने की आशंका नहीं होने का तर्क दिया, लेकिन कोर्ट ने लगातार समय मांगने पर नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने साफ कर दिया कि अब मामले में और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तमिलनाडु में विजय की बहुमत परीक्षा आज

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों जबरदस्त उथल-पुथल मची हुई है, जिसका केंद्र मुख्यमंत्री जोसेफ विजय बने हुए हैं। उन्हें कल, 13 मई को विधानसभा में अपना बहुमत साबित करना है, लेकिन बीते 10 दिनों में राज्य ने अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम दिखाई दिए हैं। थलापति का शपथ ग्रहण समारोह भी कम नाटकीय नहीं रहा। शपथ के बाद विजय ने जब जोश में भाषण देना शुरू किया, तब राज्यपाल ने उन्हें प्रोटोकॉल की याद दिलाई। लेकिन विजय रुके नहीं, शपथ लेते ही उन्होंने मंच से ही फाइलों पर हस्ताक्षर किए और अपनी कार्यशैली का संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा, न खाऊंगा, न किसी को खाने दूंगा।

नीट यूजी 2026 परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने की रद्द

नई दिल्ली । राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी-2026 को इसका प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के मद्देनजर मंगलवार को रद्द करने की घोषणा की। केंद्र सरकार ने सीबीआई को इन अनियमितताओं की विस्तृत जांच करने का आदेश दिया। एनटीए ने कहा कि यह परीक्षा अलग से अधिसूचित तिथियों पर पुनः आयोजित की जायेगी।

- राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने क्या कहा

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने एक्स पर बयान में कहा कि यह निर्णय पारदर्शिता बनाए रखने और राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में विश्वास को बरकरार रखने के हित में लिया गया है। केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एनटीए द्वारा तथ्यों को परखे जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा की गई जांच संबंधी जानकारी के आधार पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने तीन मई 2026 को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को भारत सरकार की मंजूरी से रद्द करने और परीक्षा को अलग से अधिसूचित तिथियों पर पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्राप्त सूचनाओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा किए गए निष्कर्षों के आधार पर यह स्पष्ट हो गया है कि वर्तमान परीक्षा प्रक्रिया को जारी रखना उचित नहीं है।

उसने कहा, पुनः होने वाली परीक्षा की तिथियां और उनके लिए जारी किये जाने वाले प्रवेश पत्र की समय-सारणी अगले कुछ दिनों में एजेंसी के आधिकारिक माध्यमों से सूचित की जाएगी। एनटीए ने कहा कि सरकार ने परीक्षा से जुड़े आरोपों की व्यापक जांच के लिए मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपने का फैसला किया है। उसने कहा, एनटीए सीबीआई को पूरा सहयोग देगी और जांच के लिए आवश्यक सभी सामग्री, रिकॉर्ड और सहायता प्रदान करेगी। एनटीए ने कहा, यह निर्णय विद्यार्थियों के हित में और राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में भरोसे को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एजेंसी ने स्वीकार किया कि परीक्षा को दोबारा आयोजित करने से परीक्षार्थियों और उनके परिवारों को वाकई बड़ी असुविधा होगी। उसने कहा कि लेकिन परीक्षा प्रणाली में विश्वास को बड़ी और स्थायी क्षति से बचाने के लिए यह निर्णय आवश्यक था। एनटीए के अनुसार, मई 2026 के सत्र में पंजीकृत उम्मीदवारों की जानकारी और चुने गए परीक्षा केंद्रों को पुनः आयोजित होने वाली परीक्षा में शामिल किया जाएगा। नए पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी और कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। विद्यार्थियों द्वारा पहले से भुगतान की गई फीस वापस कर दी जाएगी और परीक्षा एनटीए के आंतरिक संसाधनों का उपयोग करके पुनः आयोजित की जाएगी। एजेंसी ने कहा कि परीक्षा की नई तारीखें और संशोधित प्रवेश पत्र की समय सारणी की सूचना आने वाले दिनों में आधिकारिक चैनलों के माध्यम से दी जायेगी तथा परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों को सलाह है कि वे केवल एजेंसी द्वारा जारी की गई सत्यापित जानकारी पर ही भरोसा करें।

दिल्ली में नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितता के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर मंगलवार को यहां शास्त्री भवन के समीप कांग्रेस से संबद्ध भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने पर प्रदर्शन किया है। नीट-यूजी परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी, जिसके बाद प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप सामने आए। इसके बाद राजस्थान विशेष अभियान दल (एसओजी) और केंद्रीय एजेंसियों ने जांच शुरू की।

सुवेंदु के पीए चंद्रनाथ की हत्या की जांच अब सीबीआई करेगी

-डीआईजी रैंक के अधिकारी की अगुवाई में स्पेशल एसआईटी गठित

कोलाकाता। पश्चिम बंगाल में सीएम सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या का मामला पश्चिम बंगाल सरकार की सिफारिश के बाद राज्य पुलिस से सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया है। औपचारिक अधिसूचना जारी होने के बाद सीबीआई इस मामले में कार्रवाई शुरू करेगी। सीबीआई के मुताबिक इस मामले को संभालने के लिए डीआईजी रैंक के एक अधिकारी की अगुवाई में एक स्पेशल एसआईटी गठित की है। यह सीबीआई, एसआईटी कोलकाता के जॉइंट डायरेक्टर की देखरेख में काम करेगी, और इसमें कोलकाता सीबीआई यूनिट के अधिकारी भी शामिल होंगे। सीबीआई की अलग-अलग यूनिट के अधिकारियों वाली सात-सदस्यीय टीम गठित की गई है, दिल्ली सीबीआई यूनिट के डीआईजी पंकज सिंह इस टीम की अगुवाई करेंगे।

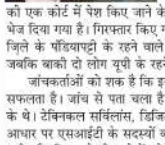

रिपोर्ट के मुताबिक यह घटनाक्रम बंगाल पुलिस द्वारा हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। तीनों आरोपियों को पश्चिम बंगाल पुलिस की एसआईटी ने गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपियों को पश्चिम बंगाल लाए जाने और उत्तरी 24 परगना जिले की एक कोर्ट में पेश किए जाने के बाद 13 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बिहार के बक्सर जिले के पँडियापट्टी के रहने वाले विशाल श्रीवास्तव के रूप में हुई है, जबकि बाकी दो लोग यूपी के रहने वाले हैं।

जांचकर्ताओं को शक है कि इनमें से एक शार्पशूटर है। यह एक बड़ी सफलता है। जांच से पता चला है कि हमलावर पश्चिम बंगाल के बाहर के थे। टेक्निकल सर्विलांस, डिजिटल ट्रैकिंग और दूसरी जानकारियों के आधार पर एसआईटी के सदस्यों को यूपी और बिहार भेजा गया। उन्होंने यूपी और बिहार से तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

जमानत मामलों को हर हफ्ते या कम से कम दो हफ्ते में एक बार जरूर लिस्ट करें

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट में लंबित जमानत मामलों को लेकर दिए निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट में लंबित जमानत मामलों को लेकर निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि हाईकोर्ट में सालों से लंबित हजारों जमानत याचिकाएं स्वतंत्रता के अमूल्य अधिकार का उल्लंघन करती हैं। जमानत से जुड़े मामलों की सुनवाई में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और इसके लिए तय सिस्टम बनाना जरूरी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट को जमानत याचिकाओं पर सबसे कम समय में फैसले लेने के लिए सराहना की। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी जमानत याचिकाओं की भारी संख्या लंबित है, पीठ ने इस तथ्य की सराहना की कि वहां लंबित मामलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि न्यायाधीशों को प्रतिदिन करीब 200 जमानत याचिकाओं की सुनवाई करनी पड़ती है।

सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने सोमवार को सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिए हैं कि जमानत याचिकाओं की सुनवाई तेजी से और नियमित तरीके से हो। जमानत के मामलों को हर हफ्ते या कम से कम दो हफ्ते में एक बार जरूर लिस्ट किया जाए। इसके लिए ऑटोमेटिक लिस्टिंग सिस्टम तैयार करने को कहा ताकि किसी मामले की सुनवाई सिर्फ तारीख पर तारीख तक सीमित न रहे। वर्तमान में अदालतों की सामान्य प्रक्रिया यह है कि वे आरोपी की जमानत याचिका पर नोटिस जारी करते हैं और संबंधित राज्य सरकार, जांच एजेंसी या अभियोजन पक्ष से जवाब मांगते हैं। जवाब कई हफ्तों बाद दाखिल होता है, जिससे आपराधिक मामलों में न्यायिक या पुलिस हिरासत से रिहाई की याचिकाओं के निपटारे में देरी होती है।

कोर्ट ने कहा कि जमानत याचिका की पहली सुनवाई से पहले ही राज्य सरकार या जांच एजेंसी को अपनी स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। इससे कोर्ट को मामले की स्थिति समझने में आसानी होगी और सुनवाई जल्द आगे बढ़ेगी। साथ ही जमानत याचिका दाखिल करने वाले वकील को उसकी कॉपी एडवोकेट जनरल या संबंधित एजेंसी को पहले से देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट से कहा कि नई जमानत याचिकाओं को हर दूसरे दिन या ज्यादा से ज्यादा एक हफ्ते के भीतर सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाए। इसके अलावा एडमिशन स्टेज पर नोटिस जारी करने की पुरानी प्रक्रिया खत्म करने की बात भी कही गई है क्योंकि इससे मामलों में देरी होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीड़ितों से जुड़े मामलों में जांच अधिकारियों को ज्यादा जिम्मेदारी से काम करना होगा। अगर जांच में ढिलाई बरती गई तो इसका फायदा आरोपी को जमानत मिलने के रूप में मिल सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट जांच एजेंसियां और सरकारें मिलकर ऐसा सिस्टम बनाएं जिससे पीड़ितों के अधिकार भी सुरक्षित रहें और जमानत मामलों का समय पर निपटारा भी हो सके।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला :

राजस्थान के स्कूलों में अब पढ़ाई जाएगी राजस्थानी भाषा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में राजस्थानी भाषा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, इसके तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में पढ़ाना अनिवार्य किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता पदम मेहता की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने राज्य की शर्मा सरकार को इस दिशा में जल्द कदम उठाने को कह दिया है। यह फैसला राजस्थानी भाषा को शैक्षणिक मान्यता देने की लंबे समय से चली आ रही मांग को बड़ी कानूनी मजबूती देता है।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में साफ किया कि बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास के लिए मातृभाषा में शिक्षा अत्यंत जरुरी है। संविधान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी शुरुआती शिक्षा लोकल भाषाओं में देने पर जोर देती है, और राजस्थान सरकार इस संवैधानिक जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस बात पर भी जोर दिया कि राजस्थानी भाषा पहले से ही कई विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है, इसकारण यह कहना गलत होगा कि इस भाषा को शैक्षणिक मान्यता नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की बीजेपी सरकार के अब तक के रवैये पर सवाल उठाकर कहा कि केवल आठवीं अनुसूची में शामिल न होने का हवाला देकर राजस्थानी भाषा को स्कूलों से दूर नहीं रखा जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में स्कूल शिक्षा और रीट परीक्षा में राजस्थानी भाषा को शामिल करने की मांग उठी थी। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि संवैधानिक अधिकार केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, और अधिकारों के हनन का मूक दर्शक नहीं बना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिया है कि वह मातृभाषा आधारित शिक्षा के लिए एक व्यापक नीति तैयार करे और चरणबद्ध तरीके से, प्राथमिक स्तर से शुरुआत करते हुए, राजस्थानी भाषा को स्कूलों में

असम में 4 विधायकों ने मंत्री और हिमंत ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

गुवाहाटी। असम की राजनीति में आज एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया जब भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। गुवाहाटी के खानापारा स्थित वेटरनरी कॉलेज मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सुबह 11:40 बजे सरमा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित देश के कई दिग्गज नेता कार्यक्रम में मौजूद रहे।

डॉ. सरमा ने इस शपथ ग्रहण के साथ ही एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह असम के इतिहास में कांग्रेस के अलावा किसी अन्य दल के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं, जिन्होंने लगातार दूसरी बार इस पद की जिम्मेदारी संभाली है। असम में यह भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की लगातार तीसरी सरकार है। गौरतलब है कि एनडीए ने पहली बार 2016 में सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में सत्ता हासिल की थी, जिसके बाद 2021 में हिमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री

बनाया गया था और अब 2026 में उन्होंने पुनः इस पद पर वापसी की है। मुख्यमंत्री के साथ चार अन्य वरिष्ठ विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली, जिनमें रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नेओग शामिल हैं। यह नई कैबिनेट राज्य के विभिन्न सहयोगी दलों और क्षेत्रीय समीकरणों का प्रतिनिधित्व करती है। शपथ ग्रहण के दौरान हिमंत बिस्वा सरमा का पूरा परिवार भी वहां मौजूद रहा। उनकी बेटी सुकन्या सरमा ने इस मौके पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि परिवार के लिए यह गर्व और हर्ष का विषय है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और डॉ. सरमा के कुशल नेतृत्व में असम विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। 2016 में भाजपा में शामिल होने के बाद से हिमंत बिस्वा सरमा ने पूर्वोत्तर में पार्टी को मजबूत करने में केंद्रीय भूमिका निभाई है। उनके इस दूसरे कार्यकाल से उम्मीद की जा रही है कि राज्य में बुनियादी ढांचे, शांति और आर्थिक प्रगति के एजेंडे को और अधिक गति मिलेगी। कार्यक्रम में उमड़ी हजारों की भीड़ और शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति ने राज्य में एनडीए के बढ़ते प्रभाव और सरमा की लोकप्रियता को एक बार फिर साबित कर दिया है।

केरल सीएम चयन पर घमासान : खरगे ने भाजपा को घेरा, कहा हमारा आंतरिक मामला

नई दिल्ली । कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने केरल के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा में हो रही देरी को लेकर भाजपा द्वारा उठाए गए सवालों को खारिज किया है। उन्होंने इस मामले को कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) का आंतरिक मामला बताया और भाजपा पर पलटवार कर कहा कि जिसने खुद कर्नाटक में मुख्यमंत्री चुनने में एक माह से अधिक का समय लिया, उन्हें इस मामले में इतनी दिलचस्पी क्यों है। यह बयान विधानसभा चुनावों में यूडीएफ की शानदार जीत के एक सप्ताह बाद भी जारी गतिरोध के बीच आया है। मंत्री खरगे ने कहा, भाजपा को इसमें इतनी दिलचस्पी क्यों है? उन्हें कर्नाटक में मुख्यमंत्री बनाने में एक महीने से ज्यादा का समय लगा। यह हमारा आंतरिक मामला है।

यह घटनाक्रम भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला द्वारा कांग्रेस पर तीखा हमला करने के बाद सामने आया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस केरल में पांच साल में पांच मुख्यमंत्री देने की योजना तैयार कर रही है। पूनावाला ने कहा कि पूर्ण बहुमत मिलने के बावजूद कांग्रेस मुख्यमंत्री का फैसला नहीं ले पा रही है। उन्होंने दावा किया कि जमात के दबाव में प्रियंका गांधी वाड्रा वी.डी.सतीशान का नाम आगे बढ़ा रही हैं, जबकि राहुल गांधी के.सी. वेणुगोपाल का नाम ले रहे हैं। कुछ लोग रमेश चेन्निथला और शशि थरूर को भी मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। पूनावाला ने कांग्रेस पर कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों में अस्थिरता का मॉडल लाने का भी आरोप लगाया।

इस बीच, केरल के अगले मुख्यमंत्री के चयन के लिए दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान की बैठकें शुरू हो गई हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई बैठकों में केरल के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। वर्तमान में, केरल में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशान, कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को मुख्यमंत्री पद के शीर्ष दावेदारों में देखा जा रहा है। कई अन्य वरिष्ठ नेता, जिसमें मुल्लापल्ली रामचंद्रन, एम.एम. हसन, के. सुधाकरन, वी.एम. सुधीरन, के.मुरलीधरन, ए.पी. अनिलकुमार, पी.सी. विष्णुनाथ और शफी परम्बिल शामिल हैं, अगले सीएम को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं।

मंदिरों और स्कूलों के आसपास शराब के ठेके बंद

तमिलनाडु के सीएम विजय का बड़ा ऐलान

चैन्नइ। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेते ही सी जोसेफ विजय पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। पदभार संभालते ही उन्होंने एक दूरगामी और कड़ा फैसला लेते हुए राज्य में शराब की बिक्री पर नकेल कसने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने आदेश जारी किया है कि राज्य में पूजा स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों (स्कूलों) और बस अड्डों के आसपास 500 मीटर के दायरे में आने वाली सभी सरकारी शराब की दुकानें तत्काल प्रभाव से बंद कर दी जाएं। इस सख्त आदेश को लागू करने के लिए प्रशासन को महज दो सप्ताह का समय दिया गया है। मुख्यमंत्री विजय की यह सक्रियता शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर ही दिखने लगी थी, जहाँ उन्होंने अपने चुनावी वादों को अमलीजामा पहनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर किए। उनके पहले फैसलों में आम जनता को राहत देते हुए 200 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करने का आदेश शामिल है। इसके अलावा, महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने एक स्पेशल टास्क फोर्स के गठन को मंजूरी दी है। तीसरा महत्वपूर्ण फैसला नशे की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए हर जिले में एक विशेष बल तैनात करने का है, जिससे राज्य के युवाओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

पोस्टल बैलेट विवाद : मद्रास हाईकोर्ट ने 1 वोट से जीते विधायक को फ्लोर टेस्ट में मतदान से रोका

चेन्नई,। मद्रास हाईकोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी कर तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के विधायक सीनिवासा सेतुपति को 13 मई को होने वाले राज्य विधानसभा के सदन परीक्षण और विश्वास प्रस्ताव में भाग लेने से रोक दिया। सेतुपति ने तिरुप्पत्तूर निर्वाचन क्षेत्र से मात्र एक वोट के अंतर से जीत दर्ज की थी, और उनके खिलाफ डाक मतपत्रों से जुड़ा विवाद चल रहा है। न्यायमूर्ति एल विक्टोरिया गौरी और एन सेंथिल कुमार की पीठ ने मामले में प्रथम दृष्टया एक मजबूत आधार सामने आने के बाद निर्देश जारी किया।

द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के नेता के.आर. पेरियाकरुप्पन ने बीते सप्ताह उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दावा किया था कि चुनाव अधिकारियों ने गलती से एक डाक मतपत्र को तिरुप्पत्तूर के बजाय शिवगंगा जिले के एक अन्य निर्वाचन क्षेत्र में भेज दिया, इसकारण वह वहां अमान्य हो गया। पेरियाकरुप्पन कुल 83,374 वोटों के साथ केवल एक वोट के अंतर से चुनाव हार गए थे। उनका तर्क है कि यदि यह मतपत्र वैध होता और उनके पक्ष में गिना जाता, तब चुनाव परिणाम बराबरी पर समाप्त होता।

कुछ ना कहना

जनसुनवाई में सुनी गई आवेदकों की समस्या

80 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 12 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, श्री एमआर कोल एवं डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 80 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत परसवाड़ा के दीपक परते कोविड 19 के दौरान की गई भोजन व्यवस्था का भुगतान दिलाने की मांग लेकर आए थे। दीपक का कहना था कि वर्ष 2022 में कोविड के समय ग्राम पंचायत परसवाडा अंतर्गत ग्राम सेरपार में अस्थाई हास्पिटल बनाया गया था जिसमें स्वास्थ्य विभाग परसवाडा बीपीएम अनिल कुकडे द्वारा भोजन व्यवस्था का कार्य सौपा गया था जिसका 92 हजार रुपए का भुगतान आज तक नही किया गया है। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

वारासिवनी तहसील के यमेंद्र गौतम अपने भाई धर्मेंद्र गौतम का प्रवेश सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में दिलाये जाने की मांग लेकर आए थे। यमेंद्र का कहना था उसके भाई धर्मेंद्र गौतम ने सरस्वती शिशु मंदिर वारासिवनी से कक्षा 10वीं 76 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण किया है और अब वह सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में अध्ययन करना चाहता है, किंतु सांदीपनि विद्यालय प्राचार्य द्वारा कहा जा रहा है कि प्राईवेट स्कूल से आए विद्यार्थियों को प्रवेश नही दिया जाएगा। इसी तरह का प्रकरण अनुज मानेश्वर लेकर आए थे, जो कि सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में कक्षा 9वीं में प्रवेश लेना चाहते है। इन प्रकरणों में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील अंतर्गत बम्हनी निवासी भूमेश्वर मरठे खाद्यान्न पर्ची बनवाने की मांग लेकर आए थे। भूमेश्वर ने बताया कि उसके परिवार की खाद्यान्न पर्ची अब तक नही बनी है, जिसकी वजह से उसे शासकीय राशन योजना का लाभ नही मिल पा रहा है। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बिरसा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत भीमलाट एवं समनापुर के ग्रामीण भीमलाट-समनापुर के बीच (सरहद) सीमा लाईन में आवागमन सुधार करवाने की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि सीमा लाइन के दोनो साईड शासन की 10-10 कड़ी भूमि है किंतु दोनो ग्रामों के किसानो ने सीमा लाइन में फेंसिंग का कार्य कर दिया है, जिससे वहां बसे 16 परिवारों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध नही हो पा रही है। अतः इसकी जांच कर शीघ्र आवागमन की सुविधा उपलब्ध करायी जाए। इस प्रकरण में तहसीलदार बिरसा को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

किरनापुर तहसील अंतर्गम ग्राम भालवा की स्वाति सोनबिरसे अपनी मानसिक विकार की बीमारी से निजात पाने के लिए शासन से आर्थिक सहायता दिलाये जाने की मांग लेकर आयी थी। स्वाति का कहना था कि उसे मेंटल डिसऑर्डर अर्थात मानसिक विकास की बीमारी है, जिसका ईलाज नागपुर में चल रहा है। स्वाति ने बताया कि वह एक गरीब परिवार की लड़की है जो पढ़ने में भी अच्छी है लेकिन उसका परिवार ईलाज व पढ़ाई का खर्च उठाने में सक्षम नही है। अतः उसे शासन से आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत छतेरा के घनश्याम गोपाले शौचालय निर्माण की राशि प्रदाय नही किये जाने की शिकायत लेकर आए थे। घनश्याम का कहना था कि उसे 02 वर्ष पहले स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय निर्माण करने के लिए राशि आवंटित की गई थी। किंतु ग्राम पंचायत द्वारा उसे वह राशि प्रदाय नही की गई है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ खैरलांजी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। जनसुनवाई में लाँजी तहसील के ग्राम टेडवा की गीता कावे शौचालय निर्माण के लिए राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थीं। गीता कावे का कहना था कि उसे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है, लेकिन अब तक उसे शौचालय की राशि नही मिली है। जिसके कारण उसके परिवार को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम गर्रा के वार्ड नं.12 के समस्त वार्डवासी बिजली व सडक की समस्या लेकर आए थे। उनका कहना था कि बिजली के पोल नही होने एवं सडक की सुविधा नही होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात की दिनों में सडक चलने लायक भी नहीं रहती है। इस प्रकरण में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। वारासिवनी की निवासी अंजलि भारद्वाज मोट्रेट ट्राईसाइकिल (ई-ट्राईसाइकिल) दिलवाने की मांग लेकर आयी थीं। अंजलि नें बताया कि वह 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता की श्रेणी में आती है, परन्तु उसे शासन द्वारा किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उसने बताया की शासन द्वारा दिव्यांगजनों ो दी जाने वाली ई-ट्राईसाइकिल भी उसे अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। जिससे उसे रोजमर्रा के कार्यों में अत्यधिक परेशानियों का सामना करना प रहा है। इस प्रकरण में सामाजिक न्याय विभाग ो आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

अंतराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

जिला अस्पताल के एआरटी सेंटर में मनाया गया अंतराष्ट्रीय नर्सिंग डे, नर्सिंग की शुरुवात करने वाली फ्लोरेंस नाइटींगेल को किया गया याद, विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला अस्पताल प्रबंधन द्वारा 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर नर्सिंग क्षेत्र के चुनौती भरे कार्यों, उनकी सेवाओं को याद कर मेडिकल क्षेत्र नर्सों द्वारा

दिए जाने वाले उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला गया। जहां नर्सिंग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम जिला अस्पताल के एआरटी सेंटर में आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, नर्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों और अन्य नर्सिंग स्टाफ ने नर्सिंग की शुरुआत करने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर, छाया चित्र समीप मोमबत्ती जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वही उद्बोधन कार्यक्रम के दौरान उनकी सेवाओं और योगदान को याद किया गया। वहीं उपस्थित जनों ने विपरीत परिस्थितियों में दी जाने वाली उनकी सेवाओं को याद कर उनकी जीवनी से प्रेरणा लेने और उनके सेवा वाले इस कार्य को बिना भेदभाव के निस्वार्थ होकर करते रहने का संकल्प लिया।वहीं कार्यक्रम के दौरान कार्य क्षेत्र में नर्सों को होने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए विपरीत परिस्थितियों में भी उनके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं का बखान किया गया। तो वही जिला अस्पताल में नर्सिंग की सेवाएं देने वाली नर्सों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।जहां कार्यक्रम के अंत मे सामुहिक भोज कार्यक्रम कर अंतराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का समापन किया गया। आपको बताएं कि नर्सिंग सेवा की शुरुआत करने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्म दिवस पर हर साल दुनिया भर में 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसके तहत जिला अस्पताल प्रबंधन द्वारा यह विशेष कार्यक्रम कर मेडिकल क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से काम कर उत्कृष्ट सेवाए देनी वाली नर्सो को सम्मानित किया गया है।

फ्लोरेंस ने बीमारों की सेवा में समर्पित की थी जिंदगी

नर्सिंग डे पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि नर्सिंग की शुरुवात करने वाली फ्लोरेंस का जन्म 12 मई सन् 1820 को हुआ था। फ्लोरेंस की याद में उनके जन्म दिन पर हर साल 12 मई को 'अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस' (वर्ल्ड नर्सिंग डे) के रूप में मनाया जाता है। जिंदगीभर बीमार और रोगियों की सेवा करने वाली फ्लोरेंस का अपना बचपन बीमारी और शारीरीक कमजोरी की चपेट में रहा।उसके बावजूद भी उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी रोगियों की सेवा में लगा दी थी,उन्होंने ही नर्सिंग एसोसिएशन के निर्माण किया था और सर्वप्रथम उन्होंने ही नर्सिंग सेवाए दी थी। जिनके जन्म पर हर साल 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस मना कर उनकी सेवाओ को याद किया जाता है।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने की थी नर्सिंग की शुरुवात

उपस्थित वक्ताओं ने बताया कि आज अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस है।नर्सिंग की शुरुवात करने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने अपने 33 साथियों के साथ नर्सिंग की स्थापना की थी। युद्ध के समय जो लोग घायल होते थे उनका उपचार करती थी। वह स्वयं संक्रमित हो गई थी फिर भी वे अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटी और बिना भेदभाव बिना धर्म जाने सभी सैनिकों का उपचार करती रही। उन्हीं के जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस मनाया जाता है जिसे आज जिला अस्पताल में मनाया जा रहा है।उन्होंने फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जीवनी से प्रेरणा लेकर उनके कार्यों की तरह हर किसी को कार्य करने की बात कही।अन्य वक्ताओं ने भी फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जीवनी का परिचय कराते हुए नर्सिंग सेवाओ के साथ साथ अन्य सेवा कार्य भी करने की हिदायत दी।जिसमे उन्होंने, मरीजो और उनके परिजनों से मुस्कुराकर बात करने, उनके साथ अच्छा व्यवहार करने, क्रोध ना करने, और मानव सेवा को अपना धर्म समझकर कार्य करने की बात कही।उन्होंने कहा कि आज के समय मे नर्सिंग का काम करना एक बड़ी चुनौती भरा कार्य है। उन्होंने इस कार्य को करने वाली सभी नर्सों को शुभकामनाएं देते

आवासीय पट्टे की मांग को लेकर टेकाड़ी के 2 दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

कहा शासकीय कार्यालयो के काट रहे चक्कर नहीं हो रही सुनवाई

50 परिवारो, को पट्टा देने की करी मांग तो पण्डार झरना में शुल्क वसूली पर भी उठाए सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक ओर शासन प्रशासन द्वारा वर्षों से सरकारी भूमि पर निवास करने वाले लोगों को पट्टे देकर प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य शासकीय योजना का लाभ दिए जाने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर जिला मुख्यालय सहित समस्त तहसील व ऐसे कई ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां अब भी शासकीय भूमि पर वर्षों से निवास करने वाले गरीबों को आवासीय पट्टे नहीं मिल पाए हैं। जिसके चलते उन्हें शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जो पट्टे की मांग को लेकर पिछले कई वर्षो से शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटते नजर आ रहे हैं लेकिन उन्हें आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिल रहा है।ताजा मामला टेकाड़ी पंचायत अंतर्गत आने वाले पीपरटोला का है।जहा शासकीय भूमि पर पिछली कई पीडियो से झोपड़ीनुमा मकान बनाकर रह रहे लोगो को अब तक आवासीय पट्टे प्रदान नही किए गए है।जिसके चलते वे उक्त भूमि पर अपने पक्के मकान नहीं बना पा रहे हैं और ना ही उन्हें पीएम आवास योजना का लाभ मिल पाया है।जिसके लिए वे शासकीय कार्यालयो के चक्कर काटने को मजबूर है लेकिन उन्हें आवासीय पट्टे जारी नही किए जा रहे है।पट्टे की इसी मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुचे 2 दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने टेकाड़ी पंचायत सरपंच प्रतिनिधि तारा कावरे के नेतृत्व में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने यथाशीघ्र आवासीय पट्टा जारी कर उन्हें पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की है।

पट्टे न मिलने से नहीं मिल रहा पीएम आवास का लाभ

उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से निवास करने के बावजूद भी हमें आज तक पट्टे प्रदान नहीं किए गए हैं। जहां पट्टे न होने के चलते हमें पीएम आवास योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। इसके लिए कई बार आवेदन निवेदन किया गया है। लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।पिछले कई वर्षों से पट्टो की मांग को लेकर शासकीय कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं।लेकिन हर बार हर जगह सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है।हमारी मांग है कि जल्द से जल्द हमें आवासीय पट्टे प्रदान कर प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।वहीं उन्होंने पण्डार झरना क्षेत्र में पर्यटकों से लिए जा रहे शुल्क के बावजूद विकास कार्य नहीं होने पर नाराजगी जताई है।

सर्वे के बावजूद भी 50 परिवारों को नही मिले पट्टे

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत टेकाड़ी अंतर्गत ग्राम पीपरटोला में लगभग 50 परिवार कई पीढ़ियों से निवास कर रहे हैं, लेकिन आज तक उनके मकानों के पट्टे नहीं बनाए गए।वर्ष 2024 में आबादी सर्वे कराया गया था, जिससे लोगों को उम्मीद जगी थी कि वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो जाएगा। हालांकि सर्वे के बाद केवल 10 से 11 लोगों के ही पट्टे बन पाए, जबकि अधिकांश परिवार अब भी पट्टे से वंचित हैं।उन्होंने बताया कि स्थानीय पटवारी द्वारा उन्हें बताया गया कि जिन घरों के पट्टे नहीं बन पाए हैं, वह भूमि घास भिड़ श्रेणी में आती है। इस कारण लंबे समय से लोग प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उलझे हुए हैं।बिना पट्टे के रहने से उन्हें शासन की कई योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पाता और भविष्य को लेकर असुरक्षा बनी रहती है।

पर्यटकों से लिया जा रहा भारी शुल्क, सुविधाए कुछ भी नही

उधर ग्रामीणों ने गांगुलपारा क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पण्डार झरना में पर्यटकों से लिए जा रहे शुल्क पर भी सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह क्षेत्र कई वर्षों से प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना चुका है।जहां मप्र सहित अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।फॉरेस्ट विभाग द्वारा पर्यटकों से प्रवेश शुल्क के रूप में प्रति व्यक्ति 12 रुपये, दोपहिया वाहन से 25 रुपये, चारपहिया वाहन से 100 रुपये, मिनी बस से 250 रुपये तथा बड़ी बस से 500 रुपये तक शुल्क लिया जाता है। शुल्क वसूली के बावजूद क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। उन्होंने बताया कि वहां न बैठने की समुचित व्यवस्था है और न ही पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध है। वहीं दूसरी ओर विभाग ने अपने उपयोग के लिए अच्छा टिकट काउंटर बना लिया है।वही पण्डार झरना तक पहुंचने वाला मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है और कच्ची सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे बरसात के दिनों में आवागमन अत्यंत कठिन हो जाता है।

पट्टे और व्यवस्थाओं के नाम पर मिल रहा सिर्फ आश्वासन- तारा कावरे

ग्राम टेकाड़ी सरपंच प्रतिनिधि तारा कावरे ने बताया कि दक्षिण वन मंडल के अधिकारियों एवं रेंजर से कई बार चर्चा की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि जिस मार्ग से पर्यटक आवाजाही करते हैं, उसी रास्ते से वन विभाग के भारी वाहन बांस एवं जलाऊ लकड़ी का परिवहन भी करते हैं, जिससे सड़क की स्थिति और खराब हो रही है।जब इस विषय पर शुल्क प्राप्तकर्ताओं और संबंधित अधिकारियों से चर्चा की जाती है, तो वे शुल्क की राशि बोर्ड में जमा होने की बात कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं।हमारी मांग है कि यदि शुल्क लिया जा रहा है तो उसका उपयोग स्थानीय विकास और सुविधाओं के विस्तार में क्यों नहीं किया जा रहा। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए शीघ्र सड़क सुधार, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक विकास कार्य कराए जाएं, ताकि पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी परेशानियों का सामना न करना पड़े।वही पीपरटोला में पिछली कई पीढ़ियों से निवास करने वाले 50 परिवारों को अब तक पट्टे आवंटित नही किए गए है।जहा पट्टे की मांग पर

मकान बेचना है

17×44 एरिया में निर्मित डबल स्टोरी सेमी फर्निश्ड बोरिंग सहित पूर्वमुखी मकान बेचना है
वार्ड नं. 6 चित्रगुप्त नगर, बालाघाट

9244108543

आवश्यकता है

होटल कान्हा में काम करने वाले लड़के की आवश्यकता है
अनुभवी को प्राथमिकता

9993282223
9425139875

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाघरेचा 9424765679

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बालाघाट में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का द्वितीय दिवस संपन्न

खेल, योग और स्वास्थ्य विषय पर विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग तथा 'उमंग'

स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सेमिनार के द्वितीय दिवस पर 12 मई 2026 को तकनीकी सत्र का शुभारंभ किया गया। सेमिनार का विषय Health, Wellness, Sports and Essential Need for Modern World रखा गया है, जिसमें देश-विदेश के विशेषज्ञ स्वास्थ्य, योग एवं खेल के महत्व पर अपने विचार साझा कर रहे हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की शुरुआत महाविद्यालय के संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, समन्वयक डॉ. पी.एस. कातुलकर, कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनिल कुमार झरबड़े, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. उषा सिंह तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं जिले के खेल अधिकारियों द्वारा मां सरस्वती पूजन एवं स्वागत गीत के साथ की गई। प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने अपने संबोधन में कहा कि योग और खेल के बिना जीवन अधूरा है। स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ समाज की रचना संभव है, इसलिए खेल और योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। समन्वयक डॉ. पी.एस. कातुलकर ने विद्यार्थी जीवन में खेल एवं योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसे नियमित दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। वहीं कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनिल कुमार झरबड़े ने शासन द्वारा संचालित खेल एवं योग शिक्षा संबंधी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ वक्ताओं ने ऑनलाइन माध्यम से अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. राकेश तोमर, डॉ. संगीत सरदार, डॉ. कृष्णकांत सिन्हा तथा डॉ. पूनम चौहान शामिल रहे। द्वितीय सत्र में डॉ. समीर ई. भागीरथी, डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. पुनीत वाजूभाई टेरिया, राहुल, शोधार्थी सुश्री थानकजाम बिदियारानी इम्फाल एवं शोधार्थी अंकुर कुमार जबलपुर द्वारा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य, खेल एवं योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, कर्मचारी, जिले के क्रीड़ा अधिकारी, विद्यार्थी एवं खेल प्रेमियों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. राकेश चौरे द्वारा किया गया।

नाम संशोधन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै रेशमा रंगलानी (RESHMA RANGLANI)पति विशाल रंगलानी निवासी वार्ड नं 21 पिंचा गली, सर्किट हाउस रोड, बालाघाट म.प्र. की निवासी हुँ।

मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम रेशमा रंगलानी दर्ज है किन्तु मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम रेशमा हिरानन्द बजाज (RESHMA HIRANAND BAJAJ) दर्ज जो कि अलग है।

अत: पासपोर्ट में मेरा नाम रेशमा हिरानन्द बजाज के स्थान पर रेशमा रंगलानी करवाना चाहती हुँ। तथा भविष्य में मुझे रेशमा रंगलानी के नाम से ही जाना पहचाना जावें।

रेशमा रंगलानी
पति विशाल रंगलानी
वार्ड नं 21 पिंचा गली सर्किट हाऊस रोड
बालाघाट(म.प्र)

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा0प्र0क0/0006 ब 0007/ब- 154/वर्ष 2026-27 साकिन: बक्कर प0ह0नं0. 37

रा0नि0मं0 माटे तहसील किरनापुर

// समाचार पत्र प्रकाशन //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोमसिंह पिता झामसिंह उर्फ झामलाल जाति पंवार निवासी ग्राम बक्कर तहसील किरनापुर द्वारा अपनी माताजी निमनबाई पटले पति झामसिंह उर्फ झामलाल की मृत्यु दिनांक 29/06/1999 को तथा अपनी बहन सेवन्तिका पति डालेंद्र राहंगडाले की मृत्यु दिनांक 23/05/1984 को ग्राम बक्कर में मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अतः उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 15/05/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।आज दिनांक 30/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

—निर्माता—

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के नौवें दिन खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का उत्साह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय कैडेट कोर के दस दिवसीय 95वें संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के नौवें दिन विभिन्न खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। शिविर का आयोजन गोंगलई में किया जा रहा है। शिविर के नौवें दिन की शुरुआत प्रात:कालीन पीटी एवं योग अभ्यास से हुई। इसके पश्चात कैडेट्स की खेल गतिविधियों के अंतर्गत रस्साकशी एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं के फाइनल मुकाबले आयोजित किए गए। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सीनियर डिवीजन/विंग वर्ग में अल्फा कंपनी तथा जूनियर डिवीजन/विंग वर्ग में डेल्टा कंपनी विजेता रही। वहीं रस्साकशी प्रतियोगिता में सीनियर डिवीजन से चार्ली कंपनी, सीनियर विंग से ब्रेवो कंपनी, जूनियर डिवीजन से ब्रेवो कंपनी तथा जूनियर विंग से अल्फा कंपनी ने जीत हासिल की। विजेता टीमों को कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया तथा कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया गया। खेल गतिविधियों का संचालन कैंप एडजुटेंट मेजर हेमंत कुमार मंडाले एवं प्रशिक्षण एवं सुरक्षा शिविर प्रभारी सुबेदार तरसेम सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसके बाद नियमित एनसीसी कक्षाओं का आयोजन किया गया, जिसमें कैडेट्स को मैप रीडिंग एवं वर्दी पहनने के सही तरीके की जानकारी एनसीसी अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों द्वारा दी गई। सांयकालीन सत्र में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के कैडेट्स ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में तृतीय स्थान उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट (78) एवं एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी को प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट (242) एवं एबी महाविद्यालय बैहर ने हासिल किया। वहीं प्रथम स्थान मॉडल स्कूल बिरसा एवं केंद्रीय विद्यालय मलाजखंड ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन द्वितीय एनसीसी अधिकारी कल्पना थोंबरे, श्रवण बोदेल एवं धीरेंद्र दत्त आर्य के मार्गदर्शन में संपन्न कराया गया।

शिक्षक ने अपने ही विभाग पर लगाए अनियमितता के आरोप, जनसुनवाई में पहुंचा मामला

खैरलांजी विकासखंड में शासकीय स्कूल के प्राचार्य पर तीन लाख रुपए तक की गड़बड़ी के आरोप, जानकारी नहीं देने का भी आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ से जुड़े खैरलांजी विकासखंड के कुछ पदाधिकारी और शिक्षकों ने शिक्षा विभाग में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जनसुनवाई में आवेदन सौंपा है। खास बात यह है कि शिकायत करने वाले भी शिक्षा विभाग के शिक्षक हैं और आरोप भी विभाग के ही वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्राचार्य पर लगाए गए हैं। जानकारी के अनुसार खैरलांजी विकासखंड के एक माध्यमिक शिक्षक ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमई के प्राचार्य पर शासन से विद्यार्थियों के लिए आने वाली राशि में अनियमितता किए जाने का आरोप लगाया है। शिकायत में करीब तीन लाख रुपए तक की वित्तीय गड़बड़ी होने की बात कही गई है। मामले को लेकर शिक्षा विभाग में भी चर्चा का माहौल बना हुआ है, क्योंकि एक शासकीय शिक्षक द्वारा अपने ही विभाग के अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं शिक्षक का कहना है कि स्कूल स्तर पर मिलने वाली राशि के उपयोग में पारदर्शिता नहीं बरती गई और जानकारी मांगने के बावजूद स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। वहीं शिकायत में खैरलांजी विकासखंड शिक्षा अधिकारी पर भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया गया है।

शिक्षा विभाग में शासन से आने वाली राशि में अनियमितताओं के मामले कोई नए नहीं हैं। इससे पहले भी बालाघाट जिले में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय और डाइट से जुड़े मामलों में लाखों रुपए की शासकीय राशि में गड़बड़ी के आरोप सामने आ चुके हैं, जिनमें संबंधित कर्मचारियों पर एफआईआर तक दर्ज हुई थी। अब एक बार फिर खैरलांजी क्षेत्र से शिक्षा विभाग में अनियमितता का मामला सामने आया है, जहां मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के खैरलांजी तहसील अध्यक्ष और माध्यमिक शिक्षक दमन कुमार ने अपने ही क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमई के प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दमन कुमार ने आरोप लगाया है कि विद्यालय में वित्तीय मामलों और दस्तावेजों के संचालन में भारी अनियमितता की गई है। उन्होंने कहा कि विद्यालय की हस्ताक्षर पंजी में गंभीर लापरवाही बरती गई है और विभाग को सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उनका आरोप है कि स्कूल में विभिन्न मदों में आने वाली राशि के उपयोग में पारदर्शिता नहीं बरती गई और कई मामलों में नियमों की अनदेखी की गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने पहले खैरलांजी विकासखंड शिक्षा अधिकारी से भी जानकारी मांगने का प्रयास किया था, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले को लेकर 12 मई को जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की है। दमन कुमार का कहना है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमई से वोकेशनल शिक्षा के तहत विद्यार्थियों को भ्रमण के लिए बाहर ले जाया गया था, जिसमें खर्च और व्यवस्थाओं को लेकर भारी अनियमितता की गई है। इसके अलावा प्रयोगशाला सामग्री खरीदी जाने के नाम पर भी गड़बड़ी किए जाने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विद्यालय में जिन कार्यों का संचालन सामूहिक रूप से प्राचार्य, शिक्षक और लिपिक के माध्यम से होना चाहिए था, उनका पूरा संचालन अकेले प्राचार्य द्वारा किया जा रहा है। उनका कहना है कि वित्तीय प्रक्रियाओं में नियमों का पालन नहीं किया गया और लगभग 3 लाख रुपए से अधिक की अनियमितता हुई है। यह मामला इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि शिकायत करने वाला कोई आम व्यक्ति नहीं, बल्कि स्वयं शिक्षा विभाग में पदस्थ एक शिक्षक और शिक्षक संघ का पदाधिकारी है। ऐसे में विभाग के अंदर से ही अनियमितता के आरोप लगने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है।

पूरे मामले में उचित संज्ञान लिया जाएगा - मुकेश कुमार तिवारी

इस पूरे मामले को लेकर जब खैरलांजी विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार तिवारी से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि एक माध्यमिक शिक्षक द्वारा जानकारी मांगी गई है और इस संबंध में उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी से मार्गदर्शन मांगा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही पूरे मामले में उचित संज्ञान लिया जाएगा। हालांकि विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने यह भी कहा कि मामला प्राचार्य और शिक्षक के बीच आपसी व्यक्तिगत मतभेद से भी जुड़ा हो सकता है। वहीं उन्होंने स्पष्ट किया कि लाखों रुपए की अनियमितता संबंधी जानकारी फिलहाल उनके संज्ञान में नहीं है, लेकिन यदि शिकायत में तथ्य पाए जाते हैं तो नियमानुसार जांच और कार्रवाई की जाएगी।

पानी की समस्या लेकर जनसुनवाई पहुंचीं महिलाएं, नल-जल योजना बंद होने का लगाया आरोप

लांजी क्षेत्र के ग्राम कालीमाटी की महिलाओं ने प्रशासन से लगाई गुहार, कहा- एक हैंडपंप पर भी बना विवाद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कालीमाटी की महिलाओं ने गांव में गहराती पेयजल समस्या को लेकर जनसुनवाई में पहुंचकर प्रशासन को आवेदन सौंपा। महिलाओं का कहना है कि गांव में लंबे समय से पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं ने बताया कि गांव में संचालित नल-जल योजना पूरी तरह बंद पड़ी हुई है, जिसके कारण लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में फिलहाल केवल एक हैंडपंप के सहारे पानी की व्यवस्था चल रही है, लेकिन उसे लेकर भी विवाद की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए उन्हें काफी दूर तक भटकना पड़ता है। गर्मी बढ़ने के साथ समस्या और गंभीर होती जा रही है। जनसुनवाई में पहुंची महिलाओं ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में बंद पड़ी नल-जल योजना को जल्द शुरू कराया जाए और स्थायी रूप से पेयजल समस्या का समाधान किया जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण आगे और बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

भीषण गर्मी के बीच जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। कई गांवों में नल-जल योजनाएं बंद पड़ी हैं तो कहीं हैंडपंप और बोरिंग भी जवाब देने लगे हैं। इसी समस्या को लेकर लांजी क्षेत्र की ग्राम पंचायत कालीमाटी के वार्ड क्रमांक 2 और 3 की महिलाएं 12 मई को जिला मुख्यालय पहुंचीं, जहां उन्होंने जनसुनवाई में आवेदन देकर पानी की गंभीर समस्या से प्रशासन को अवगत कराया। जनसुनवाई में पहुंची महिलाओं ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उनके वार्ड में लंबे समय से पानी की भारी समस्या बनी हुई है। महिला सुनीता बसोने ने बताया कि गांव में संचालित नल-जल योजना पूरी तरह बंद हो चुकी है और वर्तमान में पानी का कोई स्थायी स्रोत उपलब्ध नहीं है। स्थिति ऐसी हो गई है कि ग्रामीण महिलाओं को रोजाना लगभग एक किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है। महिलाओं ने बताया कि मोहल्ले में एक शासकीय हैंडपंप था, जिसमें पानी की कमी होने लगी थी। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने आपस में पैसे एकत्रित कर उसमें बोरिंग मशीन डलवाई थी ताकि गर्मी के समय पानी की समस्या से राहत मिल सके। लेकिन वार्ड के ही एक महिला द्वारा इस मामले की शिकायत कर दी गई कि शासकीय हैंडपंप में अवैध रूप से मोटर और बोरिंग लगाई गई है। शिकायत के बाद प्रशासनिक अमला गांव पहुंचा और हैंडपंप से बोरिंग मशीन को निकलवा दिया गया। महिलाओं का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई के बाद अब हैंडपंप से भी पानी नहीं निकल रहा है और नल-जल योजना पहले से बंद पड़ी हुई है। ऐसे में गांव के करीब 12 से 15 परिवार गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई जगह आवेदन दिए, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। महिलाओं ने नाराजगी जताते हुए कहा कि एक महिला की शिकायत के कारण पूरे मोहल्ले के लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। उनका कहना है कि पहले कम से कम बोरिंग के माध्यम से कुछ राहत मिल रही थी, लेकिन अब लोगों को पीने के पानी के लिए भी भटकना पड़ रहा है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी पानी की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे गांव में प्रदर्शन करने को मजबूर होंगी। गौरतलब है कि गर्मी बढ़ने के साथ जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। जल स्तर नीचे जाने के कारण हैंडपंप और बोरिंग भी जवाब देने लगे हैं। वहीं करोड़ों रुपए की लागत से बनाई गई नल-जल योजनाएं भी कई गांवों में बंद पड़ी हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग द्वारा योजनाओं को केवल कागजों में संचालित दिखाया जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर अधिकांश योजनाएं पूरी तरह ठप हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा गांव-गांव तक पानी पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन आज भी लोग पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन कालीमाटी गांव की इस समस्या पर क्या कदम उठाता है और प्रभावित परिवारों को कब तक राहत मिल पाती है।

प्रशासन को लालटेन भेंट कर, बहुजन मुक्ति पार्टी ने की चरणबद्ध आंदोलन की शुरूआत

स्मार्ट मीटर और ईव्हीएम को लेकर दिया धरना, की जमकर नारेबाजी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पेट्रोल डीजल और रसोई गैस के दामों में लगातार हो रही बेहताशा वृद्धि, स्मार्ट मीटर पर रोक और ईव्हीएम हटाने सहित अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत कर दी गई है। इसके पहले चरण के तहत 12 मई मंगलवार को बहुजन मुक्ति पार्टी के पदाधिकारी द्वारा नगर के अंबेडकर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।जहां उन्होंने पेट्रोल डीजल सहित रसोई का गैस के दाम को आधे करने, जीएसटी सहित अन्य लगने वाले टैक्सों को हटाने, सभी चुनाव में ईव्हीएम को बैन करने,और स्मार्ट मीटर हटाकर पूर्व की भांति पारदर्शी मीटर लगाए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है। अपनी प्रमुख 15 सूत्रीय मांगों को लेकर बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा डिप्टी कलेक्टर श्री कौरव को ज्ञापन सौंपकर, स्मार्ट मीटर के विरोध में लालटेन भेंट कर समस्त मांगे जल्द से जल्द पूरी कराए जाने की गुहार लगाई है तो वही उन्होंने तीनों चरणों के बाद भी मांग पूरी न होने प्रदेश संगठन के आह्वान पर सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

हाथों में लालटेन लेकर किया प्रदर्शन, अधिकारी को सौपी लालटेन

राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के प्रथम चरण के तहत नगर के अंबेडकर चौक में आयोजित धरना प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने ईरान और इजरायल - अमेरिका के बीच जारी जंग में भारत की विदेश नीति को गलत बताते हुए इसके खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की, तो वहीं उन्होंने अपनी इन्ही मांगो को लेकर 20 मई को रसोई गैस के दामो के खिलाफ चूल्हा जलाओ आंदोलन कर, तीसरे चरण के तहत 31 मई को पेट्रोल डीजल गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ दे धक्का आंदोलन किए जाने की बात कहीं हैं।जिन्होंने इन तीन चरणों के तहत मांग पूरी न होने पर प्रदेश संगठन के आह्वान पर आगामी आंदोलन की रणनीति बनाई जाने की चेतावनी दी है।मंगलवार को आयोजित आंदोलन के प्रथम चरण के तहत पदाधिकारियो ने हाथों में लालटेन लेकर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा है।आयोजित इस धरना प्रदर्शन में बहुजन मुक्ति पार्टी मध्य प्रदेश अध्यक्ष करण सिंह नागपुरे,जिला अध्यक्ष हीरालाल भगत ,प्रभारी अध्यक्ष सदाशिव हरिनखेडे,भारत मुक्ति मोर्चा के जिला प्रभारी एवं बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क के प्रदेश प्रभारी रामदास ठवकर राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद के जिलाध्यक्ष सुशील कुशराम, उपाध्यक्ष केवलसिंह उईके, बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क के कार्यकारी जिला अध्यक्ष विकास खांडेलकर, भारत मुक्ति मोर्चा कार्यकारी जिलाअध्यक्ष विमल कुमार, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा कार्यकारी तहसील अध्यक्ष रघुनाथ यादव, भारत मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ता सूरज बारेकर, श्री लिल्हारे व श्री पटले सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन मांगो को पूरा करने की लगाई गुहार

उक्त धरना प्रदर्शन के माध्यम से प्रदर्शनकारियो द्वारा स्मार्ट मीटर की जगह पूर्व की भाँति पारदर्शी मीटर लगाए जाने, विद्युत सप्लाई के बगैर स्मार्ट मीटर द्वारा उपभोक्ता के ऊपर जो बिजली बिल थोपा गया है उस बिल का पैसा उपभोक्ताओं को वापस करने,स्मार्ट मीटर के माध्यम से जनता का आर्थिक नुकसान व शोषण किया गया है, इसीलिए स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट को अप्रूवल करने वाले चेयरमैन एवं केबिनेट के जिम्मेदारो पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने, घरेलू गैस 400रु में और कमर्शियल गैस 700रु में उसे भुगतान को उपलब्ध कराने ,घरेलू एवं कमर्शियल गैस की कालाबाजारी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने, एजेंसी और एजेंटों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने, कमर्शियल गैस की आपूर्ति ना के कारण होटल ढाबा एवं रेस्टोरेंट बंद थे,जिससे संबंधित होटल ढाबा एंड रेस्टोरेंट मालिकों को आर्थिक नुकसान पहुंचा है उसकी भरपाई करने, वर्षों से इन जगहों पर काम करने वाले श्रमिकों व मालिको को जो नुकसान पहुँचा है उसका मुआवजा दिए जाने और लगातार बढ़ती जा रही पेट्रोल डीजल की कीमतों को आधा किए जाने, ईव्हीएम पर बैन लगाने सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है।

राष्ट्रीय स्तर पर चमका आईएमए मध्यप्रदेश

235वीं केंद्रीय कार्यकारिणी बैठक में उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिला विशेष सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ईंडियन मेडिकल एसोसिएशन की 235वीं केंद्रीय कार्यकारिणी की राष्ट्रीय बैठक में मध्य प्रदेश इकाई को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। हैदराबाद में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय बैठक के दौरान आईएमए मध्यप्रदेश को राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि को मध्यप्रदेश के चिकित्सकों और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कार्यकर्ताओं के लिए गौरवपूर्ण माना जा रहा है।राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित बैठक में देशभर से ईंडियन मेडिकल एशोसिएशन की विभिन्न राज्य इकाइयों के प्रतिनिधि, वरिष्ठ चिकित्सक और पदाधिकारी शामिल हुए।कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाली इकाइयों का मूल्यांकन कर उन्हें सम्मानित किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश इकाई ने अपनी सक्रियता, जनसेवा और संगठनात्मक कार्यों के आधार पर विशेष पहचान बनाई।बैठक के दौरान आईएमए मध्यप्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. बी.एम. शरणागत एवं उनकी पूरी टीम को सम्मानित किया गया। समारोह में संगठन की ओर से स्वास्थ्य जागरूकता, चिकित्सा सेवा विस्तार, चिकित्सकों के हितों की रक्षा तथा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में किए गए कार्यों की सराहना की गई।आईएमए मध्यप्रदेश के सचिव डॉ. दीपक साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सम्मान पूरे मध्यप्रदेश के चिकित्सक समुदाय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि संगठन के प्रत्येक सदस्य की मेहनत, समर्पण और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, जनजागरूकता अभियान चलाने तथा चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न सामाजिक कार्यों में आईएमए लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

राष्ट्रीय स्तर पर हुई टीम की सराहना

डॉ. साहू ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष डॉ. बी.एम. शरणागत के नेतृत्व में संगठन ने बीते समय में कई प्रभावी कार्य किए, जिनकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई। उन्होंने कहा कि आईएमए मध्यप्रदेश ने न केवल चिकित्सकों के हितों के लिए कार्य किया बल्कि आम जनता तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से भी कई कार्यक्रम संचालित किए।बैठक में उपस्थित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों एवं आईएमए पदाधिकारियों ने भी मध्यप्रदेश इकाई की कार्यशैली और संगठनात्मक क्षमता की प्रशंसा की। विशेष रूप से प्रदेशाध्यक्ष डॉ. बी.एम. शरणागत के नेतृत्व कौशल को सराहा गया और कहा गया कि उनके मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश इकाई ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है।इस गरिमामय कार्यक्रम में आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल नायक, राष्ट्रीय सचिव डॉ. सर्वरी दत्ता, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. दिलीप भानुशाली, वित्त सचिव डॉ. पीयूष जैन, डॉ. एम. वेंकटचेलापति एवं डॉ. जयेश लेले सहित देशभर से आए केंद्रीय कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश इकाई के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली।

आस-पास की खबरें

पनबिहरी से औल्याकन्हार पहुंच मार्ग खराब, आवागमन में हो रही परेशानी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी से पीएचई विभाग कार्यालय के सामने औल्याकन्हार पहुंच मार्ग खराब होने से आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सड़क के बीच एवं अन्य स्थानों पर बने गड्ढे व दरारों के कारण हर समय दुर्घटना घटित होने की संभावना

बनी हुई है और पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की ओर कोई ध्यान ही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपको बता दे कि ग्राम पंचायत पनबिहरी सर्राटी माइनर नहर पीएचई विभाग कार्यालय के समीप से औल्याकन्हार की ओर विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण एवं डामरीकरण सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया है। लेकिन सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण नही होने से सीमेन्टीकरण सहित डामरीकरण सड़क खराब हो चुकी है। जिसके कारण आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यह मार्ग पनबिहरी, औल्याकन्हार होते हुए हाईवे रोड़ को जोड़ता है और इस मार्ग से ग्रामीणजन एवं राहगीर भी आना-जाना करते है किन्तु सड़क खराब होने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से पनबिहरी से औल्याकन्हार पहुंच मार्ग का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

वन स्टॉप सेंटर बैहर एवं बालाघाट की पहल से दो परिवारों को मिला नया सहारा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर बैहर एवं वन स्टॉप सेंटर बालाघाट पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षा, परामर्श और पुनर्वास उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार सराहनीय कार्य कर रहे हैं। हाल ही में सेंटर की संवेदनशीलता एवं तत्परता से दो परिवारों को पुन: एकजुट करने में सफलता मिली, जो समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है। पहला मामला पश्चिम बंगाल निवासी वृद्ध महिला मानसी देवी (परिवर्तित नाम) से जुड़ा है। मानसिक तनाव के चलते वह अपनी बेटी एवं दामाद के घर जाते समय रास्ता भटक गईं और भटकते हुए बैहर क्षेत्र तक पहुंच गईं। क्षेत्रवासियों ने महिला को असहाय अवस्था में घूमते देखा और तत्काल 181 हेल्पलाइन पर सूचना दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस द्वारा महिला को सुरक्षित रूप से वन स्टॉप सेंटर बैहर पहुंचाया गया, जहां उन्हें भोजन, स्वास्थ्य सहायता, अस्थायी आश्रय एवं मनोसामाजिक परामर्श उपलब्ध कराया गया। महिला केवल बंगाली भाषा जानती थीं, जिससे उनकी पहचान और परिजनों तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद सेंटर की टीम ने गूगल ट्रांसलेट के माध्यम से संवाद स्थापित किया और प्राप्त जानकारी के आधार पर पश्चिम बंगाल के संबंधित थाने से संपर्क कर परिजनों तक सूचना पहुंचाई। सूचना मिलते ही महिला का बेटा वन स्टॉप सेंटर बैहर पहुंचा, जहां मां-बेटे का भावुक मिलन हुआ। यह पूरा घटनाक्रम वन स्टॉप सेंटर की संवेदनशील एवं मानवीय कार्यप्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया। दूसरा मामला अनुष्का (परिवर्तित नाम) से संबंधित है, जो देर रात एक सार्वजनिक पार्क में भयभीत एवं असहज अवस्था में भटकती हुई मिली।

युवती के चरित्र पर अभद्र टिप्पणी को लेकर पांढरवानी सरपंच के खिलाफ फूटा आक्रोश

सकल हिंदू समाज ने थाना घेरा, घंटों चली गहमागहमी के बाद सरपंच पर मामला दर्ज

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी सरपंच अनीस खान के द्वारा गत दिवस एक विवाह समारोह में एक युवती के चरित्र पर लांछन लगाने, गाली-गलौज करने और हिंदू समाज के प्रति अभद्र टिप्पणी करने का मामला 12 मई को बेहद गहमागहमी भरा रहा। इस घटना से आक्रोशित सर्व हिंदू समाज संगठन के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान सर्वप्रथम पवार मंगल भवन में एक विशेष बैठक आयोजित की गई जहां पर बड़ी संख्या में सकल हिन्दु समाज के पदाधिकारी एवं युवती के परिजन उपस्थित रहे। जहां पर इस गंभीर विषय पर विचार विमर्श करने के बाद सैकड़ों की संख्या में लोग रैली निकालकर थाने पहुंचे, जहां कार्यवाही नहीं होने के कारण कई घंटों तक गहमागहमी का माहौल बना रहा।

थाने में प्रदर्शन और आत्महत्या की चेतावनी

इस पूरे मामले में लालबर्रा थाने पहुंचे आक्रोशित लोगों के द्वारा सरपंच अनीस खान पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही और उन्हें तत्काल थाने बुलाने की मांग पर अड़े नजर आये। वहीं स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब पीड़िता ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि पुलिस प्रशासन एफआईआर दर्ज नहीं करता है, तो वह थाने में ही आत्महत्या कर लेगी। तब इस बढ़ते विवाद और जनसमूह के आक्रोश को देखते हुए वारासिवनी एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने प्रदर्शनकारियों को शांत करवाया। पुलिस ने अंतत: शिकायतकर्ता विनोद ठाकरे की शिकायत पर सरपंच अनीस खान के विरूध्द बीएनएस की धारा 296 बी, 351 (2) एवं 352 के तहत मामला पंजीबध्द किया गया है। वहीं पीड़िता की शिकायत पर विवेचना कर अग्रिम कार्यवाही का आश्वासन दिया गया है।

क्या है पूरा घटनाक्रम

प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 मई को ग्राम पंढरापानी रानीकुठार में आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम ग्राम पंचायत रानीकुठार के पूर्व सरपंच विनोद ठाकरे शामिल हुए थे और इसी बीच पांढरवानी सरपंच भी विवाह समारोह में पहुंचे, जिनके साथ लालबर्रा के मुकेश शर्मा भी गये थे। जहां सरपंच का उपस्थितजनों के द्वारा स्वागत भी किया गया। तत्पश्चात चर्चा के दौरान पांढरवानी सरपंच अनीस खान के द्वारा लालबर्रा निवासी मुकेश उर्फ मुक्कू शर्मा के संबंध में एक 19 वर्षीय युवती के बारे में अत्यंत आपत्तिजनक और भ्रामक बातें कही गई, जिसका पूर्व सरपंच विनोद ठाकरे के द्वारा विरोध किया गया। जिससे मौके पर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई और विवाद इतना बढ़ गया कि 12 मई को इस पूरे मामले में पूरे हिंदू समाज ने एकजुट होकर इस कृत्य की निंदा की और कार्यवाही की मांग को लेकर लालबर्रा थाने का घेराव किया। वहीं कई घंटों तक सकल हिंदू समाज के विरोध प्रदर्शन के बाद सरपंच के विरूध्द प्राथमिकी रिपोर्ट दर्ज की गई। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने उचित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पांढरवानी सरपंच पर कठोर कार्यवाही करने की उठी मांग

शिकायतकर्ता, सरपंच प्रतिनिधि विनोद ठाकरे ने बताया कि पांढरवानी सरपंच अनीस खान दो दिन पूर्व एक वैवाहिक कार्यक्रम में आये थे। जहां उन्होंने हमारे समाज की एक बेटी के खिलाफ अनर्गल और आपत्तिजनक बातें कहीं। उनका कहना था कि एक अन्य व्यक्ति का ठाकरे परिवार की लड़की से गलत संबंध है। चूंकि मैं ठाकरे परिवार से हूं, इसलिए अपनी समाज की बेटी के सम्मान में यह अपमान सहन नहीं कर सका। जब मैंने इन बातों की पुष्टि करने को कहा, तो वे आवेश में आ गये और गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी भी दी। जबकि इसी दौरान संबंधित युवक ने भी स्पष्ट किया कि उसके उस परिवार से पारिवारिक संबंध है और लड़की को बहन मानता है। आज हम सब अपनी बेटी के सम्मान और समाज की गरिमा की रक्षा के लिए एकत्रित हुए हैं और एफआईआर दर्ज करवाई है। क्षत्रिय पवार समाज अध्यक्ष चेतन पटले ने पांढरवानी सरपंच के द्वारा ठाकरे परिवार की बेटी के प्रति की गई अनर्गल बातों की निंदा करते हुए बताया कि एक प्रतिष्ठित और चुने हुए जनप्रतिनिधि को इस तरह की बयानबाजी शोभा नही देती है। जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि सरपंच के द्वारा जो कृत्य किया गया है वह निंदनीय है, एक नारी के विरूध्द इस तरह की बयानबाजी करना बेहद गलत बात है और हम इसके खिलाफ है, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, संप्रदाय की महिला हो उनके खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करना, उनके चरित्र पर सवाल उठाना गलत है। उसी के विरोध में हम सभी एकजुट हुए थे और सभी सकल हिन्दु समाज की मांग है कि पांढरवानी सरपंच पर कठोर कार्यवाही की जाये।

मामले की जांच कर की जायेगी वैधानिक कार्यवाही - अभिषेक

एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी ने बताया कि विनोद ठाकरे एवं ठाकरे परिवार के अन्य सदस्य थाने पहुंचे थे। उनका कहना है कि दो दिवस पूर्व पांढरवानी सरपंच के द्वारा शादी समारोह में गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस शिकायत पर पुलिस के द्वारा अपराध पंजीकृत किया गया है और उन्होंने शिकायत में कहा है की शादी समारोह में पांढरवानी सरपंच के द्वारा युवती के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी की गई है। युवती की शिकायत पर विवेचना की जा रही है और मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

वैनगंगा बड़ी नहर अमोली गाडर के पास नहर की पार क्षतिग्रस्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली और आमाटोला (ददिया) के बीच से गुजरी ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर इन दिनों बदहाली का शिकार है। अमोली गाडर के समीप नहर की सीमेंटेड पार (दीवार) पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे नीचे की मिट्टी लगातार धसक रही है। यदि समय रहते इसका सुधार कार्य नहीं किया गया, तो बारिश के मौसम में नहर में अधिक पानी छोड़ने पर नहर की पार फूटने से भारी तबाही मच सकती है।

सड़क और आवागमन पर मंडरा रहा खतरा

आपको बता दे कि अमोली एवं आमाटोला ददिया के बीच से गुजरी ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर गाडर के समीप नहर की सीमेन्टीकरण पार क्षतिग्रस्त हो चुकी है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा उसका मरम्मत कार्य नही करवाया जा रहा है जिसके कारण पार कमजोर होने लगी है। अगर बरसात के समय में नहर में अधिक पानी छोड़ने पर उक्त स्थान से पार फुट सकती है। जिसके साथ ही समीप से गुजरी सड़क भी कटकर बह जायेगी। ऐसी स्थिति में नहर का अत्यधिक पानी व्यर्थ में बहेगा। साथ ही नहर की पार व सड़क कटकर बह जाने से आने-जाने वाले ग्रामीणजन एवं किसानों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं किसानों के द्वारा लंबे समय से क्षतिग्रस्त पार की मरम्मत कार्य करवाने की मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे किसानों एवं ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं किसानों व ग्रामीणों का कहना है कि नहर की पार कमजोर होने के कारण स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यदि नहर में पानी का दबाव बढ़ता है, तो पार फूटने के साथ-साथ समीप से गुजरी मुख्य सड़क भी बह सकती है। इससे न केवल लाखों लीटर पानी व्यर्थ बहेगा, बल्कि क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह ठप हो जायेगा। साथ ही यह भी कहा कि लंबे समय से जल संसाधन विभाग से इस क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत की मांग कर रहे हैं। विभाग की अनदेखी के कारण स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। जल संसाधन विभाग से मांग है कि बरसात से पहले गुणवत्तापूर्ण मरम्मत, मिट्टी कटाव को रोकने के लिए ठोस पिचिंग कार्य करवाये।

अभी से हाय तौबा तो नौतपा में क्या होगा.

भीषण गर्मी से लोग हो रहे हलाकान, स्वास्थ्य पर पड़ रहा बुरा असर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित क्षेत्र में तेज धूप व उमस भरी गर्मी का असर देखा जा रहा है एवं सूर्य की आग उगलती किरणों से लोगों का दोपहर में घर से बाहर निकलना मुश्किल सा हो गया है। वहीं गर्मी से राहत पाने के लिये घरों में चलाये जा रहे कूलर व पंखे भी गर्म हवा फैंक रहे है एवं दोपहर में सड़कें भी सुनसान दिखाई दे रही है। आपको बता दे कि मई के प्रारंभिक दिनों में तापमान बढ़ते जा रहा है जिससे क्षेत्रीयजनों को असहनीय गर्मी का सामना करना पड़ा। इस भीषण गर्मी भरे दौर में सुबह 10 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक लोगों को असहनीय गर्मी व हवा के गरम थपेड़ों का सामना करना पड़ रहा है जिससे लू लगने व अन्य मौसमी बीमारियों से लोग ग्रसित हो रहे है। इस तेज गर्मी से परेशान लोगों का कहना है कि अभी से नौतपा में पड़ने वाली गर्मी का एहसास हो रहा है तो ना जाने नौतपा में पड़ने वाली तेज गर्मी में क्या हाल होगा। तीव्र गर्मी के कारण स्थानीय लोगों के द्वारा दोपहर के पूर्व ही काम निपटाकर घरों में दुबक जा रहे। इस भीषण गर्मी से बचने के लिए लोग चश्मा, टोपी व चेहरे पर गमछा सहित अन्य उपाय अपना रहे है साथ ही मौसमी फलों, गन्ना जूस की दुकानों में लोगों की भीड़ देखी जा रही। बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे ने बताया कि तेज गर्मी की वजह से शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिसमें अक्सर लू लगने से पेट दर्द, जी मचलाना, उल्टी की शिकायतें सामने आ रही है, ऐसी स्थिति में लू से बचने के लिये लोगों को तेज धूप में घर से निकलते समय मुंह पर कपड़े बांधकर निकलना तथा चश्मा, टोपी, गमछे का उपयोग करना चाहिये। डॉ. धुर्वे ने बताया कि लू से बचाव के लिये अपनी जेब में प्याज रखें तथा आम का पना, नींबू शरबत, गन्ना जूस, तरबूज, ककड़ी आदि का सेवन करें जो शरीर के लिये फायदेमंद होते है। साथ ही अधिक से अधिक पानी पी कर खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिये।

राज्य स्तरीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों मचाया धमाल

हासिल किए 38 मैडल, मप्र में पाया दूसरा स्थान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश पेंचक सिलाट एसोसिएशन द्वारा राजगढ़ (ब्यावरा) में 8 से 10 मई तक आयोजित 12वीं राज्य स्तरीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जहां बालाघाट टीम के 22 खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए कुल 38 पदक अपने नाम किए।जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन के सचिव एवं टीम कोच प्रवीण नन्हेट ने जानकारी देते हुए बताया कि बालाघाट जिले ने प्रतियोगिता में 9 स्वर्ण, 10 रजत एवं 19 कांस्य पदक अर्जित किए। शानदार प्रदर्शन के आधार पर बालाघाट जिले ने सीनियर वर्ग में पूरे मध्यप्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की।

इन खिलाड़ियों ने दिलाए पदक

प्रतियोगिता में बालाघाट के खिलाड़ियों ने टैंडिंग, तुंग्गल, सोलो, रेगु एवं गांडा जैसे विभिन्न इवेंट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।इसमे ओम सोनकर ने तुंग्गल एवं टैंडिंग में 2 स्वर्ण पदक, सोहम बीरा और यथार्थ गर्दे ने सोलो एवं टैंडिंग में 1-1 स्वर्ण पदक, ने सोलो इवेंट में स्वर्ण पदक,सलोनी पांचे,अदिति तितरमारे, और सारून सोनवाने ने टैंडिंग इवेंट में क्रमश: 3 स्वर्ण पदक, इनके अलावा हर्षवीर चौराड़िया, उर्वीजा सोलंकी, आर्या रहांगडाले, और अस्मित खोब्रागड़े ने टैंडिंग इवेंट में 1-1 रजत पदक,सोहम बेरा और विहान बिसेन ने गांडा इवेंट में रजत पदक, अर्पिता लिलहारे , वेदांत विश्वकर्मा में तुंग्गल इवेंट में 1-1 रजत पदक और निधि नन्हेट ने तुंग्गल एवं टैंडिंग इवेंट में 2 रजत पदक हासिल किए।इसी तरह आर्या रहांगडाले,विहान बिसेन, ने तुंग्गल इवेंट में 1-1 कांस्य पदक, अर्पिता लिलहारे,वेदांत विश्वकर्मा, तानी जायसवाल, सुजल चिचखेड़े,अनिका चौहान, और सम्यक रोडगे ने टैंडिंग इवेंट में 1-1 कांस्य पदक, यथार्थ गर्दे ने टैंडिंग एवं तुंग्गल इवेंट में 1 कांस्य पदक, और छाया नरवास ने तुंग्गल, रेगु, सोलो एवं गांडा इवेंट में 4 कांस्य पदक, सलोनी पांचे ने गांडा इवेंट में 1,संगीता मराठा ने सोलो, गांडा एवं टैंडिंग इवेंट में 3, निधि मैम ने रेगु इवेंट में 1, टी वही अंजली झारिया ने टैंडिंग इवेंट में 1 कांस्य पदक हासिल किए है।

25 से 28 जून तक होगी राष्ट्रीय प्रतियोगिता

बताया गया कि सब-जूनियर, प्री-टीन, सिंगल, मेकन एवं जूनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता 25 से 28 जून तक नासिक में आयोजित होगी, जबकि सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता 6 से 8 जुलाई तक शिलॉन्ग (मेघालय) में आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 10वीं सीनियर एशियन पेंचक सिलाट चैम्पियनशिप वियतनाम में आयोजित होगी, जिसके चयन हेतु बालाघाट जिले के खिलाड़ी 17 से 18 मई को श्रीनगर में चयन ट्रायल में भाग लेंगे।बालाघाट टीम लगातार मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है और इस वर्ष जिले के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराने के लिए तैयार हैं।बालाघाट टीम की इस शानदार सफलता पर जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों की उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है तथा खेल प्रेमियों ने टीम के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया।

वारासिवनी कोस्ते मार्ग पर उखड़े साइड शोल्डर बन रहे हादसों का सबब

१० फीट की सड़क पर भारी वाहनों का कब्जा, विद्यार्थी और दोपहिया चालक जान जोखिम में डाल सफर करने को मजबूर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी से कोस्ते मार्ग पर साइड सोल्डर की हालत इतनी जर्जर हो गई है कि अब यह राहगीरों के लिए सुविधा कम और मुसीबत का सबब ज्यादा बन गई है। मार्ग के दोनों ओर भरे गए साइड शोल्डर पूरी तरह उखड़ चुके हैं जिससे सड़क की ऊपरी परत खड़ी हो गई है जो आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। तकरीबन १० फीट चौड़े इस मार्ग पर तकनीकी रूप से साइड शोल्डर का मजबूत होना अनिवार्य था ताकि वाहन सुरक्षित रूप से नीचे उतर सकें। निर्माण के समय यहाँ मुरुम डाली गई थी लेकिन रखरखाव के अभाव में अब वहाँ बेतहाशा गड्ढे हो गए हैं। सड़क और जमीन के बीच काफी अंतर यानि हाइट होने के कारण जब भी कोई दोपहिया वाहन चालक भारी वाहन को साइड देने के लिए नीचे उतरता है तो उसका संतुलन बिगड़ जाता है। सड़क की खड़ी परत के कारण वाहन को वापस रोड़ पर चढ़ाना नामुमकिन सा हो जाता है जिससे टायर स्लिप होने की घटनाएं आम हो गई हैं।

महाराष्ट्र को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग फिर भी अनदेखी

यह मार्ग ना केवल स्थानीय गांवों को जोड़ता है बल्कि सीधे महाराष्ट्र की सीमा को भी स्पर्श करता है। इस वजह से यहाँ यातायात का भारी दबाव बना रहता है। मार्ग पर ट्रक, डंपर, ट्रैक्टर, यात्री बसें और स्कूल वैन चौबीसों घंटे दौड़ती हैं। सड़क की कम चौड़ाई और जर्जर किनारों की वजह से जब सामने से कोई भारी वाहन आता है तो साइकिल और मोटरसाइकिल सवारों को अपनी जान जोखिम में डालकर कच्चे में उतरना पड़ता है या फिर वाहन रोककर उसके गुजरने का इंतजार करना पड़ता है। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा के लिए वारासिवनी मुख्यालय आते हैं। सबसे ज्यादा हादसे इन्हीं विद्यार्थियों के साथ हो रहे हैं। इसके अलावा वर्तमान में विवाह समारोहों का सीजन होने के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही कई गुना बढ़ गई है, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई है। ग्रामीण पिछले एक साल से इस समस्या को झेल रहे हैं लेकिन प्रशासन और संबंधित विभाग कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है। हैरानी की बात यह है कि इस सड़क का निर्माण हुए अभी बहुत ज्यादा समय नहीं बीता है, लेकिन गुणवत्ता में कमी के कारण साइड शोल्डर बारिश और भारी यातायात का दबाव भी नहीं झेल पाए। लोगो की मांग की है कि उखड़े हुए साइड शोल्डरों की तत्काल मुरुम और हार्ड मटेरियल से फिलिंग कर सड़क की खड़ी परत को समतल किया जाए ताकि वाहन स्लिप ना हों।

सड़क पर आवागमन की भारी समस्या है इस मार्ग को चौड़ा करना चाहिए-अजय तुरकर

ग्रामीण अजय तुरकर ने बताया कि इस सड़क पर आवागमन की भारी समस्या है सबसे पहले इस मार्ग को चौड़ा करना चाहिए। परंतु वर्तमान में सड़क के साइड शोल्डर पर मुरुम डालकर उसे अच्छे से भरना चाहिए ताकि वैकल्पिक व्यवस्था बेहतर हो सके । गाड़ियां जब नीचे उतरती है तो उसे सड़क पर लाने में दिक्कत होती है लोग गिर जाते है,स्कूल के बच्चे भी दुर्घटना का शिकार होते हैं यह जो साइड शोल्डर है इसमें सुधार होना चाहिए क्योंकि यह पूरा खराब हो चुका है। १ वर्ष करीब बीत गया है ऐसी ही सड़क पर आवागमन कर रहे हैं इसे चौड़ा करना तो बात का विषय है,परंतु वैकल्पिक रूप से लोगों को दुर्घटना से बचने के लिए व्यवस्था बनानी चाहिए ताकि लोग अनावश्यक परेशान ना हो।

जिम्मेदारो को ध्यान देना चाहिए कहीं उनकी एक लापरवाही से किसी की जान ना जायें-रामू चौहान

रामू चौहान ने बताया कि सड़क की किनारी का बहुत बेहाल है तकलीफ बहुत ज्यादा है। डबल गाड़ियां एक दूसरे को क्रॉस नहीं होती है लोग रुक जाते हैं कहीं भी कभी भी दुर्घटना हो जाती है। यदि आपने गाड़ी नीचे उतरे तो चढ़ा नहीं सकते हैं इसमें कई बार एक्सीडेंट होते हैं। यह रोड़ सीधा डोंगरमाली और आगे महाराष्ट्र को जोड़ता है इसकी समस्या पर किसी का ध्यान नहीं है। दो से चार दिन में दुर्घटनाएं होती रहती है स्थिति बहुत खराब हैं बालाघाट मार्ग पर जितना ट्रैफिक है उससे ज्यादा वहां पर रहता है। डर हमेशा लगा रहता है हम गांव के लोग रोड़ पर चलने में आप संकोच करने लगे हैं। जिम्मेदार एजेंसी को इस पर ध्यान देना चाहिए कि उनकी एक लापरवाही से किसी को जान का जोखिम ना उठाना पड़े।

गोलीबारी चौक में धू-धू कर जला ट्रांसफार्मर

भीषण धमाकों से थर्राया इलाका गुल रही बिजली

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के व्यस्ततम क्षेत्रों में शुमार गोलीबारी चौक पर सोमवार की रात उस समय अफरा तफरी और दहशत का माहौल बन गया जब एक विद्युत ट्रांसफार्मर आग के गोले में तब्दील हो गया। रात के सन्नाटे को चीरते हुए हुए जोरदार धमाकों ने राहगीरों के कदम रोक दिए और लोग अनहोनी की आशंका में इधर उधर भागने लगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना सोमवार रात लगभग ११ बजे की है।

चौक पर स्थित एक पान दुकान से महज १०० मीटर की दूरी पर लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ट्रांसफार्मर से तेज धमाकों ब्लास्टिंग की आवाजें आने लगीं। धमाके इतने जोरदार थे कि आसपास के घरों में सो रहे लोग भी दहशत में बाहर निकल आए। स्थानीय सजग नागरिकों ने बिना देरी किए तत्काल दमकल विभाग को सूचित किया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। चूंकि मामला विद्युत उपकरणों का था इसलिए टीम ने तकनीकी सावधानी बरतते हुए पानी के साथ साथ रेत का उपयोग कर आग पर काबू पाया। समय रहते सक्रियता दिखाने के कारण आग को फैलने से रोक लिया गया अन्यथा घनी आबादी वाले इस इलाके में कोई बड़ी जनहानि या संपत्ति का नुकसान हो सकता था। इस अग्निकांड और ब्लास्टिंग के तुरंत बाद पूरे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप्प हो गई। एक ओर पारा ४० डिग्री के पार है वहीं दूसरी ओर रात के समय बिजली गुल होने से बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उमस और गर्मी से बेहाल लोग अपने घरों की छतों और सड़कों पर आ गए। विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। विभाग के द्वारा तुरंत सुधार कार्य शुरू कर दिया गया था ताकि बिजली आपूर्ति को यथाशीघ्र बहाल किया जा सके।

नपा परिषद में लगा जनता दरबार सुनी नगर वासियों की समस्या

जनता दरबार में बैठकीय बाजार टीम ज्यादा वसूल सहित अन्य मांगे हुई पुरी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मगंलवार को नगर पालिका परिषद में जनता दरबार के तीसरे एपीसोड में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के साथ अधिकारियों की टीम ने जनमानस की छोटी से छोटी और बडी से बडी समस्याओं का त्वरित में समाधान किया गया। जनता दरबार के प्रारंभिक फ्लो में ही सबसे पहले अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप नगपुरे, अभिषेक शुक्ला,पुष्पेन्द्र कलिहारी, अजय डहाके, मिलिंद नगपुरे आदि ने अधिवक्ता कक्ष के सामने लगभग २५ सौ स्केवर फिट जगह पर गटटू लगाने की मांग सामने रखी। जिसे स्वीकृत करते हुये प्रक्रिया में लेकर जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया। साथ ही गर्मी के मौसम में प्याउ की मांग पर त्वरित में इस मांग की पूर्ति करते हुये प्याउ की स्थापना कर दी गयी। वहीं सबसे ज्यादा शिकायत रेत की परेशानी को लेकर सामने आयी। शासकीय कार्य सहित विभिन्न निर्माण कार्यो के ठेकेदारो ने रेत नही मिलने की समस्या से पुरा कार्य प्रभावित होने की दुहाई दी। जिस पर नपा की टीम को तत्काल जिलाधीश, जिला खनिज अधिकारी के समक्ष इस विषय को बडे बडे निर्माण कार्यो के वर्क आर्डर के साथ रखने का निर्णय सुनाया गया। इसी तरह नगर के मछली मटन मार्केट से बैठकीय बाजार वसूली टीम के द्वारा ज्यादा राशि लेने व लोकल के वाहनो से राशि वसूलने की शिकायत सामने आयी। साथ ही वार्ड तीन में बाली देशपांडे, समीर बिसेन, केलू दूल्हानी, दीपक जैन आदि के घर के पीछे की नाली की समस्या का समाधान भी किया गया।

जिसमें जेसीबी से नाली के पास की झाड़ियो को काटकर नाली की स्थिती को देखकर उसने निर्माण के निर्देश प्रदान किये गये। वहीं वार्ड नं.९ में किशोर बंसोडकर की नाली की समस्या की शिकायत के साथ वार्ड तीन, वार्ड ग्यारह में अन्य नाली के विषय पर नियमानुसार निर्णय लिये गये। वहीं दादाबाडी के सामने से सेंट्रल बैंक तक सड़क किनारे के गिटटी नूमा सड़क को रिपेयर करने के आदेश संबधित कार्य एंजेसी को प्रदान किये गये। प्रधानमंत्री आवास सहित जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान के साथ कौशल्या कटरे को बिजली कनेक्शन की, राईस मिल संचालन के लिये विजय खंडेलवाल सहित अन्य निवासीयों को आवास निर्माण की एनओसी प्रदान की गयी। इस दौरान प्रवीण डोंगरे, मोनू लिमजे, पवन धुर्वे, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधी मनोज दांदरे, धर्मू जोशी, पूर्व नपा अध्यक्ष आलोक खरे, लोकेश ठाकरे, अमित येरपूडे, उपयंत्री सुमीत मोटवानी, उपयंत्री वंशिका चौहान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राजा भोज कृषि महाविद्यालय में मधुमक्खियों का आतंक

हमले में छात्र बादल घायल, उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर स्थित राजा भोज कृषि महाविद्यालय इन दिनों मधुमक्खियों के आतंक का केंद्र बना हुआ है। मंगलवार की दोपहर मधुमक्खियों के एक झुंड ने अचानक छात्रों पर हमला कर दिया जिसमें एक २० वर्षीय छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल छात्र को तत्काल उपचार हेतु सिविल अस्पताल वारासिवनी लाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरी गंगेरुवा निवासी बादल पिता अशोक पंचेश्वर २० वर्ष अपने मित्रों के साथ महाविद्यालय से घर जाने के लिए निकला था। उसके साथ भौरगढ़ निवासी आदित्य पिता रमेश भगत २० वर्ष, वारा निवासी निशांत पिता दीपांकर पाटिल १९ वर्ष और बालाघाट निवासी डिकाट पिता घनश्याम ठाकरे १९ वर्ष भी मौजूद थे। जैसे ही ये चारों छात्र महाविद्यालय परिसर के रास्ते पर पहुंचे अचानक मधुमक्खियों के एक बड़े झुंड ने उन पर धावा बोल दिया। हमले से बचने के लिए छात्र जान बचाकर भागने लगे

लेकिन मधुमक्खियों ने बादल पंचेश्वर को घेर लिया और उसे बुरी तरह काट लिया। साथी छात्रों ने तत्परता दिखाते हुए घायल बादल को सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। महाविद्यालय के छात्रों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। वर्तमान में महाविद्यालय की बिल्डिंग और आसपास के पेड़ों पर लगभग ६ स्थानों पर मधुमक्खियों के बड़े और जानलेवा छत्ते लगे हुए हैं। यह पहली घटना नहीं है इससे पूर्व भी प्रैक्टिकल परीक्षा के दौरान मधुमक्खियों ने छात्रों पर हमला किया था। विद्यार्थियों का आरोप है कि मधुमक्खियों के इन छत्तों के कारण लगातार खतरा बना हुआ है और इस संबंध में कई बार महाविद्यालय प्रबंधन को लिखित व मौखिक शिकायत भी की गई है। बावजुद इसके अब तक प्रबंधन के द्वारा इन छत्तों को हटवाने या सुरक्षा के कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है।

लामता महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय महाविद्यालय लामता में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य सुंदरलाल बिसेन के मार्गदर्शन में 11 मई 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यानमाला, प्रश्न मंच एवं तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व पर संक्षिप्त जानकारी साझा करते हुए विज्ञान एवं तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय परसवाड़ा की सहायक प्राध्यापक डॉ. जयश्री सूर्यवंशी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आधुनिक टेक्नोलॉजी ने मेडिकल, बैंकिंग एवं रिसर्च जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता दिलाई है। साथ ही उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कार्य करने की प्रक्रिया, उसके लाभ एवं संभावित हानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने क्विज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रौद्योगिकी से संबंधित विभिन्न मॉडल भी तैयार कर प्रदर्शित किए गए, जिनकी कार्यप्रणाली एवं

उपयोगिता को छात्रों ने विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार चौरे द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. चंद्रशेखर कटरे ने किया। इस अवसर पर डॉ. विजेंद्र तरुणे, निरंजन राहंगडाले, डॉ. राहुल पटले सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक हरेंद्र बघेल, नवीना मनेश्वर तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

क्या हम आर्थिक आपातकाल की दहलीज पर हैं?

पीएम मोदी ने हैदराबाद के मंच से देशवासियों के सामने सात अपीलें रखीं, जो केवल राजनीतिक भाषण नहीं था, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के बदलते मिजाज का एक बड़ा संकेत था। मोदी का यह कहना कि एक साल तक सोना खरीदने से बचें, विदेशी यात्राएं टालें और पेट्रोल-डीजल की खपत कम करें, सुनने में तो नागरिकों से किया गया एक साधारण अनुरोध लगता है, लेकिन इसके पीछे छिपे आर्थिक अर्थ बेहद गहरे और गंभीर हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का यह कहना कि ये अपीलें सरकार की नाकामियों का सबसे बड़ा कबूलनामा हैं, राहुल का यह कहना कोई छोटी बात नहीं है। क्या वाकई भारत किसी बड़े आर्थिक भंवर की ओर बढ़ रहा है या फिर यह आने वाले किसी वैश्विक तूफान से पहले की महज एक सावधानी है। पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों को 120 डॉलर प्रति बैरल के पार हैं। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 से 90 प्रतिशत तेल आयात करता है, और जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है, तो उसका सीधा असर हमारी जेब और देश के खजाने पर पड़ता है। अगर आंकड़ों की बात करें, तो मई 2026 की शुरुआत तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 690 अरब डॉलर के स्तर पर आ गया है। यह गिरावट इसलिए चिंता पैदा करती है क्योंकि महज तीन महीने पहले हम 728 अरब डॉलर पर थे। दूसरी ओर, डॉलर के मुकाबले रुपया 95 के करीब पहुंच चुका है, जिसका मतलब है कि हर वह चीज जो हम बाहर से मंगाते हैं, सब कुछ महंगा हो गया है। इसी संदर्भ में राहुल गांधी का यह तर्क वाजिब है कि 12 साल के लंबे शासन और आत्मनिर्भर भारत के ढोल पीटने के बावजूद, हम आज भी इतने कमजोर क्यों हैं कि एक बाहरी युद्ध की आहट मात्र से हमें अपनी जीवनशैली बदलने की सलाह दी जा रही है? विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने पिछले दशक में बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर उस स्तर पर काम नहीं किया कि हम ऐसे वैश्विक झटकों को मजबूती से सह सकें। जब सरकार जनता से कहती है कि वे सोना न खरीदें या अपनी गाड़ियां कम चलाएं, तो वह असल में अपनी आर्थिक नीतियों की विफलता का बोझ आम आदमी के कंधों पर डाल रही होती है। यह तर्क भी अपनी जगह सही है कि महंगाई को नियंत्रित करना और रुपये को संभालना पूरी तरह सरकार की जिम्मेदारी है, न कि नागरिकों की मजबूरी। एक आम करदाता यह पूछने का हक रखता है कि भारी-भरकम टैक्स देने के बाद भी उसे संकट के समय त्याग करने को क्यों कहा जाता है? हालाँकि नजरअंदाज करना बेमानी होगा। दुनिया के आर्थिक इतिहास को देखें तो समझ आता है कि किसी भी बड़े संकट की घड़ी में केवल सरकारी नीतियां पर्याप्त नहीं होतीं, वहां जन-भागीदारी की भी उतनी ही जरूरत पड़ती है। सरकार का तर्क यहां व्यावहारिक नजर आता है। भारत में सोना और कच्चा तेल दो ऐसी चीजें हैं, जो हमारे कीमती विदेशी मुद्रा यानी डॉलर को सबसे ज्यादा देश से बाहर भेजते हैं। अगर देश समाज एक साल के लिए सोने का मोह त्याग दे और तेल की खपत में थोड़ी भी कमी लाए, तो देश अरबों डॉलर बचा सकता है। यह बचत सीधे तौर पर रुपये को गिरने से रोकेगी। हमने अपने पड़ोसी श्रीलंका और पाकिस्तान को विदेशी मुद्रा की कमी के कारण सड़क पर आते देखा है। ऐसे में मोदी की ये अपीलें एक अर्ली वार्निंग सिस्टम की तरह हैं ताकि भारत को वैसी कंगाली का सामना न करना पड़े, लेकिन हकीकत के धरातल पर देखें तो यह स्थिति नीतिगत कमजोरी और असाधारण वैश्विक संकट का एक मिला-जुला रूप है।

युवाओं और बेरोजगारों की बढ़ती आत्महत्या

विकास के दावों के बीच गहराता मानसिक, सामाजिक और आर्थिक संकट

देश लगातार विकास, डिजिटल क्रांति और आर्थिक प्रगति की नई ऊंचाइयों की बात कर रहा है, लेकिन इसी चमक के पीछे एक ऐसा दर्दनाक सच भी छिपा है जो समाज और सरकार दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट ने इस सच्चाई को सामने ला दिया है कि देश में कुल आत्महत्या के मामलों में भले मामूली गिरावट आई हो, लेकिन छात्रों और बेरोजगार युवाओं के बीच आत्महत्या की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि यह उस टूटते विश्वास, बढ़ते तनाव और असुरक्षित भविष्य की कहानी है जिससे देश का युवा वर्ग गुजर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में देश में कुल 1,70,746 आत्महत्या के मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ा कम हैं। लेकिन छात्रों की आत्महत्या का प्रतिशत 8.1 प्रतिशत से बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो गया। संख्या के रूप में देखें तो 2023 में 13,892 छात्रों ने आत्महत्या की थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 14,488 पहुंच गया। इसी तरह बेरोजगारों में आत्महत्या की दर भी बढ़ी है। वर्ष 2023 में जहां 14,234 बेरोजगारों ने आत्महत्या की थी, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 14,778 हो गई। यह स्थिति बताती है कि देश का युवा मानसिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर कठिन दौर से गुजर रहा है।

आज का छात्र सिर्फ पढ़ाई नहीं कर रहा, बल्कि वह लगातार प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाओं और असफलता के डर से भी लड़ रहा है। स्कूलों और कॉलेजों में अंक और रैंक को सफलता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता, समाज और शिक्षा व्यवस्था की अपेक्षाएं इतनी बढ़ चुकी हैं कि कई छात्र खुद को लगातार दबाव में महसूस करते हैं। मेडिकल, इंजीनियरिंग और सरकारी नौकरी जैसी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले लाखों युवा दिन-रात संघर्ष करते हैं, लेकिन सीमित सीटों और बढ़ती प्रतियोगिता के कारण बहुत बड़ी संख्या में उन्हें असफलता का सामना करना पड़ता है। यह असफलता धीरे-धीरे मानसिक तनाव, अवसाद और निराशा में बदल जाती है।

कोटा, दिल्ली, पटना, हैदराबाद और देश के कई शिक्षा केंद्रों से लगातार छात्रों की आत्महत्या की खबरें सामने आती रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि यह उस शिक्षा व्यवस्था की विफलता है जिसने शिक्षा को सीखने की प्रक्रिया के बजाय एक अंतहीन दौड़ बना दिया है। विद्यार्थियों के पास मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने का माहौल नहीं है। अधिकतर संस्थानों में काउंसलिंग व्यवस्था केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। कई छात्र अकेलेपन, डर और असफलता के बोझ को भीतर ही भीतर झेलते रहते हैं।

बेरोजगारी की समस्या भी युवाओं को गहरे संकट में धकेल रही है। पढ़ाई पूरी करने के बाद जब युवाओं को रोजगार नहीं मिलता, तब उनके भीतर भविष्य को लेकर असुरक्षा बढ़ने लगती है। लाखों युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, पेपर लीक, सीमित अवसर और बढ़ती उम्र उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बना देती है। कई युवाओं को परिवार और समाज की उम्मीदों का दबाव भी झेलना पड़ता है। आर्थिक तंगी और लगातार असफलता का अनुभव उन्हें निराशा की ओर ले जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और अधिक गंभीर है। खेती-किसानी पर निर्भर परिवारों के युवाओं के सामने रोजगार के सीमित अवसर हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों की आत्महत्या का आंकड़ा भी चिंताजनक है। वर्ष 2024 में 10,546 लोगों ने कृषि क्षेत्र में आत्महत्या की, जिनमें 4,633 किसान और 5,913 खेतिहर मजदूर शामिल हैं। यह बताता है कि आर्थिक अस्थिरता केवल शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में भी गहरा संकट मौजूद है। खेती की बढ़ती लागत, कर्ज, प्राकृतिक आपदाएं और कम आय किसानों और मजदूरों को लगातार परेशान कर रही हैं।

समाज में तेजी से बढ़ता अकेलापन भी इस समस्या का एक बड़ा कारण बन रहा है। आधुनिक जीवनशैली में परिवारों के बीच संवाद कम हुआ है। मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में लोग एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। कई युवा अपनी परेशानियां किसी से साझा नहीं कर पाते। उन्हें डर रहता है कि लोग उनका मजाक उड़ाएंगे या उन्हें कमजोर समझेंगे। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आज भी समाज में जागरूकता की कमी है। अवसाद, चिंता और तनाव जैसी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता।

महिलाओं की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के 2,84,530 मामले दर्ज किए गए। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सबसे अधिक मामले पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के हैं। घरेलू हिंसा, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव महिलाओं को मानसिक रूप से तोड़ते हैं। कई महिलाएं अपने संघर्षों को चुपचाप सहती रहती हैं, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है।

इस समस्या का समाधान केवल संवेदना व्यक्त करने से नहीं होगा। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो युवाओं को मानसिक और आर्थिक सुरक्षा दे सकें। सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। परीक्षा आधारित दबाव को कम करना होगा और विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग तथा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में ऐसे वातावरण का निर्माण जरूरी है जहां छात्र बिना डर अपनी समस्याएं साझा कर सकें।

रोजगार के क्षेत्र में भी सरकारों को गंभीरता से काम करना होगा। युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर पैदा करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होगा ताकि युवाओं का विश्वास बना रहे। स्वरोजगार और कौशल विकास योजनाओं को केवल घोषणाओं तक सीमित रखने के बजाय जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्योगों और कृषि आधारित रोजगार को बढ़ावा देना भी जरूरी है।

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाना भी आवश्यक है। जिला स्तर पर काउंसलिंग केंद्र, हेल्पलाइन और मनोवैज्ञानिक सहायता सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर नियमित मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। परिवारों को भी अपने बच्चों और युवाओं के साथ संवाद बढ़ाना होगा। केवल सफलता की उम्मीद करने के बजाय उनकी भावनाओं और संघर्षों को समझना जरूरी है।

समाज को यह समझना होगा कि असफलता जीवन का अंत नहीं है। हर व्यक्ति की क्षमता और परिस्थिति अलग होती है। बच्चों और युवाओं पर अत्यधिक अपेक्षाओं का बोझ डालना उन्हें भीतर से कमजोर बना सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए जितनी शारीरिक स्वास्थ्य को दी जाती है।

एनसीआरबी की यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। यदि समय रहते सरकार, समाज और परिवार इस दिशा में गंभीर कदम नहीं उठाते, तो देश का युवा वर्ग निराशा और असुरक्षा के अंधेरे में और गहराई तक डूबता चला जाएगा। विकास तभी सार्थक होगा जब देश का युवा सुरक्षित, आत्मविश्वासी और आशावान महसूस करेगा। युवाओं को केवल सपने दिखाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें जीने और आगे बढ़ने के लिए मजबूत आधार भी देना होगा।

- कांतिलाल मांडोत

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि ये हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चौथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे।

आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं। यह समय आंकड़ों पर औपचारिक चिंता जताने का नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन और ठोस कार्रवाई का है। यदि हम वास्तव में 2047 तक एक आदर्श, विकसित और सभ्य भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो अपराधमुक्त समाज निर्माण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। समाज में नैतिक चेतना, संवेदनशीलता और कानून के प्रति सम्मान का वातावरण निर्मित करना होगा। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकेंगे, जहां विकास केवल इमारतों और तकनीक में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक सुरक्षा में भी दिखाई दे।

-ललित गर्ग

आओ अपनें समाज, घर, क्षेत्र में अपनी मातृभाषा में बात करें ताकि उसे हम विलुसता से बचा सके

-किशन सनमुखदास भावनानी

भारत माता की गोद में एक से बढ़कर एक अनेक ऐसी खूबसूरत उपलब्धियां, हजारों वर्ष पूर्व से उपलब्ध हैं जिनकी अणखुट संरचना, प्राकृतिक खूबसूरती, विशाल भारतीय संस्कृति, भारतीय भाषाओं के साहित्यग्रंथों सहित अनेक अपार क्षमता वाली बौद्धिक संपदा का विशाल भंडार देख संपूर्ण विश्व हैरान था जिसपर नज़र लग गई थी जिससे हजारों वर्षों की गुलामी से आजादी के बाद 1947 में भारत का विभाजन हुआ। साथियों फरि भी हम अपनी मेहनत, लगन से फिर अपनी ताकत, ज़ाज़बे और जांबाज़ी के साथ वैश्विक पटल पर प्रमुख हस्ती के रूप में अपने हर क्षेत्र की समृद्धि व ताकत के आगाज़ के साथ वैश्विक पटल पर अहम स्थान रखते हैं, जिसे देखकर विश्व की नजरें फिर भारत की ओर आकस्मिकता से देश भारत का लोहा मान रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज भारत उस स्थिति में है जहां भारत की ओर नज़र लगाने वाले को हज़ार बार सोचना पड़ेगा, यह है हमारा आज का भारत!

साथियों बात अगर हम अपनी संस्कृति, विशाल मातृभाषा और भारतीय भाषाओं के साहित्यग्रंथों की करें तो यह हमारी पहचान है। यूं तो भारत में बावीस भाषाओं को संविधान में मान्यता दी गई है परंतु पूरे भारत की बात करें तो यहां भाषाएं व उपभाषाएं हजारों की संख्या में होंगी, जिसकी रक्षा करना और विलुसता से बचाने की ज़वाबदारी हमारे आज के युवाओं के ऊपर है क्योंकि आज हमारे देश की 68 प्रतिशत आबादी युवा है और इस युवा भारत के युवाओं को ही हमारी संस्कृति, भाषाओं को जीवित रखना है। इसलिए हमें अपनी मातृभाषा को महत्व देना होगा और अपने समाज, घर, क्षेत्र में अपनी मातृभाषा में बात करना होगा ताकि उसे हम विलुसता से बचा सकें, आज इसकी ज़रूरत इसलिए पड़ गई है, क्योंकि आज के बदलते परिवेश में हमारे देश में पाश्चात्य संस्कृति का प्रचलन कुछ तेज़ी से बढ़ रहा है। खासकर के युवाओं में इसका क्रेज अधिक महसूस किया जा रहा है जो बड़े शहरों से होकर अब हमारे छोटे शहरों गांवों में भी फैलने की संभावना बढ़ गई है। जिसका संज्ञान बुजुर्गों को लेना होगा और युवाओं को अपनी मातृभाषा में बोलने, संस्कृति, साहित्यग्रंथों, भाषाओं की तरफ ध्यान आकर्षित कराकर उन्हें इसके लिए प्रोत्साहन देना होगा ताकि भारतीय धरोहर को विलुसता से बचाया जा सके। हमने इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के माध्यम से कई बार देखा, पढ़ा, वह सुना है कि हमारे माननीय उपराष्ट्रपति का संज्ञान इस भाषाई क्षेत्र की ओर बहुत अधिक है,और हर मौके पर इस दिशा में सुझाव, मार्गदर्शन, अपील, प्रोत्साहन देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते जो काबिले तारीफ है।

साथियों बात अगर हम माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति द्वारा एक विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस समारोह को संबोधन करने की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने इस संबंध में विश्वोविद्यालयों से भारतीय भाषाओं में उन्नत अनुसंधान करने तथा भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली में सुधार लाने का सुझाव लाने की अपील की, जिससे कि उनकी व्यावपक पहुंच तथा शिक्षा क्षेत्र में उपयोग को सुगम बनाया जा सके। उन्होंने ने आज विभिन्न भारतीय भाषाओं में साहित्यिक ग्रंथों के अनुवादों की संख्याप बढ़ाने के लिए सक्रिय तथा ठोस प्रयासों की अपील की। इस संबंध में उन्होंरने क्षेत्रीय भारतीय साहित् की समृद्ध धरोहर को लोगों की मातृभाषाओं में सुलभ कराने के लिए अनुवाद में प्रौद्योगिकीय उन्न ति का लाभ उठाने का सुझाव दिया। यह देखते हुए कि भूमंडलीकरण का व्यालपक प्रभाव है, उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि युवा अपनी सांस्कृोतिक विरासत से संपर्क बनाए रखे। पहचान बनाने तथा युवाओं में आत्मविश्वास को बढ़ावा देने में भाषा के महत्व को देखते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी मातृभाषा में बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। बाद में, उन्होंने भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालय में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। आगन्तुक पुस्तिका में लिखने के दौरान उन्होंने तेलंगाना और हरियाणा के जोड़ीदार राज्यों की संस्कृति को प्रदर्शित करने में आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। लोगों को प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए प्रोत्सापहित करते हुए उन्होंने लिखा कि ऐसी पहलें जोड़ीदार राज्यों की समृद्ध सांस्कृनतिक विरासत को प्रचारित करने तथा लोगों के बीच आपसी संपर्कों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का लक्ष्यो भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना तथा बच्चों की मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा को प्रोत्सानहित करना है। उन्होंने कहा कि अनिवार्य रूप से उच्चतर शिक्षा तथा तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए भी शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होनी चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से संपर्क बनाए रखना अत्यंत ज़रूरी है उनको अपनी मातृभाषा में बोलने पर गर्व का अनुभव होना चाहिए तथा भारत खूबसूरत मानवीय बोलियों, भाषाओं का विश्वप्रसिद्ध संगम है जिसे संजोकर रखने का हर भारतीय नागरिक का कर्तव्य है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आवकों के दबाव से मंगलवार को दलहनों में मूंग बाजार मंदी पर रहे। चने व तुअर में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में सौंफ-जीरे में सुस्ती रही। शकर में बाजार ठंडे-ठंडे रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में गर्मी के नये मालों की आवकें बढ़ने से दबाव है। जिसके चलते बाजार नरमी के देखे गये। चने व तुअर में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में सुस्ती देखी गयी। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन में टिकाव रहा। उधर, किराना जिंसों में सौंफ व जीरे में बाजार हल्के नरम पड़े। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4180-4240, खोपरा गोला 380-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 225-250, ऊंझा हल्का 250-280, बेस्ट 270-290, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाघान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूं आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2500-2550, (250) 2750-2800

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1620, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1465-1470, कपास्या 1435, धूलिया 1440, कड़ी 1445,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7300-7400, रायडा 6300-6400, सोयाबीन 6700-7000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5500-5600, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7600-7700, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, मीडियम 7800-7900, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6800-7000, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूं पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 256000, चाँदी (99) 255800, टंच 255000, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 151500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 43 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.71 के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। इससे पले आज सुबह रुपया 35 पैसे टूटकर 95.63 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव एवं समझौते की उम्मीदें धूमिल होने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.57 पर खुला और फिर टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 95.63 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 35 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 79 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 95.28 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 98.14 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,456.04 अंक गिरकर 74,559.24 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर बंद हुआ।

बाजार में ये गिरावट अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आ रही तेजी से आई है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी से भी बाजार टूटा है। आज सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरे जबकि केवल स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में ही तेजी रही। जानकारों के अनुसार पश्चिम एशिया में संघर्ष के बढ़ने और तेल एवं गैस आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंकाओं से बाजार धारणा प्रभावित हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को खारिज किये जाने से भी बाजार में अनिश्चितता आई है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। सुबह के कारोबार में निफ्टी 0.45 फीसदी की गिरावट के साथ 23,716.25 पर पहुंच गया, जबकि सेंसेक्स 0.53 फीसदी टूटकर 75,614.93 के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का एसएसई कम्पोजिट गिरावट में जबकि जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंग बढ़त में रहे। अमेरिकी बाजार सोमवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

भारत वैश्विक पहचान के लिए मेड इन इंडिया ब्रांडिंग योजना लॉन्च करेगा

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय उत्पादों को वैश्विक मंच पर सशक्त पहचान दिलाने के लिए सरकार जल्द ही एक व्यापक 'मेड इन इंडिया' ब्रांडिंग योजना शुरू करने जा रही है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के एक अधिकारी बताया कि स्टील क्षेत्र में प्रायोगिक परियोजना की सफलता के बाद यह पहल की जा रही है, जिसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक सम्मेलन में भाटिया ने कहा कि यह योजना लंबे समय से लंबित थी और अब इसे आखिरकार लॉन्च किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस्पात क्षेत्र में चलाई गई प्रायोगिक परियोजना के परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। सरकार अब उद्योग के साथ उन क्षेत्रों पर चर्चा करेगी जहां इसे लागू किया जा सकता है, लेकिन इसका ढांचा तैयार है। इसी कार्यक्रम में एक अलग सत्र में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने भारत की औद्योगिक नीति को व्यापार नीति का पूरक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक ऐसी औद्योगिक नीति की आवश्यकता है जो कुछ आयातों को घरेलू उत्पादों से प्रतिस्थापित करे और देश में आर्थिक विकास को गति दे। यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागरिकों से आयातित वस्तुओं की खपत कम करने के आग्रह के एक दिन बाद आई है, जिसका उद्देश्य पश्चिम एशिया युद्ध के कारण उत्पन्न व्यवधानों के बीच विदेशी मुद्रा की मांग को कम करना है।

भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के मापन पर जोर, मोस्पी लाएगा नया इंडेक्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (मोस्पी) के एक अधिकारी ने भारत की तेजी से बढ़ती रचनात्मक अर्थव्यवस्था के भविष्य के विकास को बढ़ावा देने के लिए इसके मापन और औपचारीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल और रचनात्मक क्षेत्र अब कृषि और विनिर्माण के बराबर आर्थिक वृद्धि के केंद्र में आ गए हैं। उन्होंने रचनात्मक अर्थव्यवस्था को सेवा क्षेत्र का अभिन्न अंग बताया, जिसके लिए समर्पित मापन प्रणाली जरूरी है। इस बढ़ते महत्व को देखते हुए, मंत्रालय इस महत्वपूर्ण खंड को मापने के लिए एक इंडेक्स ऑफ सर्विस प्रोडक्शन बनाने की कवायद कर रहा है। गर्ग ने स्पष्ट कहा, हमें जो हम करते हैं, उसके मापन की जरूरत है। उन्होंने रचनात्मकता को 2025 में नॉलेज इकॉनमी पर गठित विशेषज्ञों के समूह से जोड़ा, जहां अनुसंधान, विकास, सॉफ्टवेयर और कलात्मक/मनोरंजन जैसे बौद्धिक संपदा (आईपी) महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूपीओ) का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि अमूर्त वृद्धि के मामले में भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 6.6 प्रतिशत की सबसे तेज गति से बढ़ रहा है। ग्लोबल इनोवेशन रैंकिंग में भी भारत 2015 के 81वें स्थान से 2025 में 38वें स्थान पर पहुंच गया है, लेकिन इसके बावजूद आईपी फाइलिंग में अभी भी पीछे है। गर्ग ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान आंकड़े हमारी अर्थव्यवस्था के वास्तविक पैमाने से काफी कम हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज किस्मत आपके दरवाजे पर नए अवसरों की दस्तक दे सकती है। पैसों से जुड़े फैसले समझदारी से लेंगे तो लाभ की राह खुल सकती है। काम में आपका जोश लोगों को प्रभावित करेगा और प्रेम जीवन में रोमांस की मिठास दिल को खुश कर देगी। संतान की भावनाओं को समझने की कोशिश रिश्तों को और मजबूत बनाएगी। सेहत को हल्के में न लें, छोटी सावधानी बड़ा फायदा दे सकती है।

वृषभ- आज आपकी योजनाएं सफलता की सीढ़ियां बन सकती हैं। सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ने के संकेत हैं, जिससे आत्मविश्वास भी ऊंचा रहेगा। परिवार में शादी या शुभ समाचार का माहौल खुशियां ला सकता है। यात्रा से जुड़ी कोई जानकारी आपके लिए भविष्य में लाभकारी साबित हो सकती है। गुस्से और बहस से दूरी बनाकर रखें, तभी दिन और बेहतर गुजरेगा।

मिथुन- आज आप खुद को बेहतर बनाने के मूड में रहेंगे और यही सोच आपको आगे बढ़ाएगी। घर में खुशखबरी का माहौल बन सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी सलाह लोगों को प्रभावित करेगी और वरिष्ठ भी आपकी तारीफ कर सकते हैं। पिताजी की बातों में आज आपके लिए खास सीख छिपी हो सकती है। दिन सकारात्मक ऊर्जा और नई उम्मीदों से भरा रहेगा।

कर्क- आज सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं। नया वाहन या घर से जुड़ी कोई खास खरीदारी मन को खुश कर सकती है। किसी मित्र की मदद करके आपको आत्मसंतोष मिलेगा। पुराने पैसों या लेन-देन का मामला दोबारा सामने आ सकता है, जिसे समझदारी से सुलझाना बेहतर रहेगा। धैर्य बनाए रखें, क्योंकि सरकारी कामों में थोड़ी देरी संभव है।

सिंह- आज मेहनत का सुनहरा फल मिलने वाला है। व्यापार और निवेश दोनों में लाभ के अच्छे संकेत हैं। प्रेम जीवन में रोमांस और अपनापन बढ़ेगा, वहीं सिंगल लोगों की मुलाकात किसी खास इंसान से हो सकती है। आध्यात्मिकता की ओर बढ़ता झुकाव मन को शांति देगा। घर में किसी नए शुभ काम की शुरुआत का योग भी बन रहा है।

कन्या- आज आपकी लगन और मेहनत आपको भीड़ से अलग पहचान दिला सकती है। नौकरी में तारीफ मिलेगी और विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। खर्चों पर थोड़ा कंट्रोल रखना जरूरी होगा। रिश्तों में समझदारी और मीठी वाणी कई परेशानियों को दूर कर देगी। विरोधियों से सावधान रहें, लेकिन खुद पर भरोसा बनाए रखें।

तुला- आज समझदारी से लिया गया हर फैसला भविष्य को मजबूत बना सकता है। व्यवसाय में नई योजनाएँ फायदा देने लगेंगी। जीवनसाथी के साथ बिताया गया समय रिश्ते में नई ताजगी ला सकता है। गुस्से और टालमटोल से दूरी बनाकर रखें, क्योंकि यही आपकी सफलता की चाबी होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा।

वृश्चिक- आज आपको पैसों और सेहत दोनों मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। पुराने विवाद खत्म होने से मन हल्का महसूस करेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात यादों को ताज़ा कर सकती है। परिवार का माहौल धीरे-धीरे बेहतर होगा। विरोधियों से सावधान रहें और बिना सोचे किसी पर भरोसा न करें।

धनु- आज सफलता आपके कदम चूम सकती है। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें अच्छे परिणाम मिलने के योग हैं। सम्मान या पुरस्कार मिलने से मन गर्व महसूस करेगा। व्यापार की उलझनें सुलझेंगी और संपत्ति खरीदने का सपना भी पूरा हो सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के तनाव से राहत मिल सकती है।

मकर- आज हर कदम सोच-समझकर बढ़ाने की जरूरत है। मन में चल रही उलझनों को शांत दिमाग से सुलझाएं। नए काम की योजना भविष्य में बड़ा फायदा दे सकती है। विवादों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी। किसी मनोरंजन या यात्रा से मन हल्का और खुश महसूस करेगा।

कुंभ- आज छोटी चुनौतियां आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती हैं। कार्यक्षेत्र में सतर्क रहना जरूरी होगा, क्योंकि कोई आपके खिलाफ माहौल बना सकता है। खर्च बढ़ने से चिंता हो सकती है, इसलिए बजट संभालकर चलें। पुरानी गलती से मिली सीख आपको आगे मजबूत बनाएगी। सेहत पर विशेष ध्यान देना जरूरी रहेगा।

मीन- आज आपकी सकारात्मक सोच और ऊर्जा हर काम में चमक बिखेर सकती है। रुका हुआ धन वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में लंबी योजनाएं अब गति पकड़ सकती हैं। परिवार में सरप्राइज और खुशियों का माहौल रिश्तों में और अपनापन बढ़ाएगा। सरकारी कामों में भी सफलता मिलने के संकेत हैं।

शब्दजाल - 8257

प्र	क	प्र	ग	ति	शी	ल	व	ना	क	ति
ती	क	ती	प्र	ल	क	व	जी	ग	कृ	ह
क्ष	इ	प्र	प्र	न	ल	प्र	छ	प्र	आ	दि
ख	क	क	का	ज	ज	पु	का	प्र	प	ल
प	प्र	क	शि	दो	ग	ति	अ	प्र	तू	ग
झ	क	का	त	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण
घ	को	ती	श	प्र	म	प्र	जा	से	व	क
ला	प्र	क	ता	जा	ई	धा	ब	क	फ	लो
श	जा	प्र	था	हि	प्र	ई	क	प्र	ती	प
प	प	द	र	तै	प	क्रि	जी	र्त	ऐ	ता
प	ती	क	क	षी	प्र	है	या	रा	बा	प

शब्द जाल में 'प्र' से शुरु होनेवाले 10 शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रतीक्षा, प्रकाश, प्रगतिशील, प्रकाशित, प्रकृति, प्रक्रिया, प्रजापति, प्रजासेवक, प्रताप, प्रजाहितैषी.

शब्दजाल - 8256 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 मई 2026 को सुर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 133 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण
तिथि एकादशी 13.30 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 00.18 बजे रात्र

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कंगन का दान

संस्कृत के कवियों में माघ का श्रेष्ठ स्थान है। वह साधन-संपन्न तो थे ही, दान देने में भी अग्रणी थे। लोगों को विश्वास था कि उनके घर से कोई भी जरूरतमंद कभी खाली हाथ नहीं लौटता। दान देते-देते एक अवसर ऐसा भी आया कि जब वह खुद ही निर्धन हो गए। लेकिन मदद करने की उनकी भावना में कोई कमी नहीं आई। वह लोगों की सहायता के लिए पहले की तरह ही तत्पर रहते थे। एक रात किसी गरीब पुजारी ने उनका दरवाजा खटखटाया। माघ ने दरवाजा खोला तो पुजारी ने बाहर आने का निवेदन किया और कहा, 'मेरी बेटी की शादी है। कैसे विवाह कर पाऊंगा, इस बात की चिंता सताती रहती है। मैं आपसे कुछ सहायता मांगने आया हूं।' कविवर ने सोचा कि इस समय न घर में धन है, न कोई ऐसी वस्तु जो याचक को दी जा सके। कुछ देर सोचने के बाद वह अपनी सोयी हुई पत्नी के पास गए और धीरे से उसका हाथ उठाकर उससे कंगन उतारा। पत्नी की नींद खुल गई, परंतु पति को सामने देखकर उसने आंखें बंद कर लीं। माघ ने बाहर आकर वह कंगन उस पुजारी को दे दिया और उसे वहां से जल्दी भाग जाने के लिए कहा। किंतु पत्नी ने दरवाजे की दरार से सब कुछ देख लिया कि उसके पतिदेव किसको वह कंगन दे रहे हैं। उस पुजारी ने माघ से कहा, 'इस सहयोग के लिए मैं आपका आभारी हूं पर एक कंगन मेरे लिए अपर्याप्त है।' माघ ने कहा, 'अभी तुम एक ले जाओ, दूसरा मैं नहीं दे सकता।' पत्नी ने तुरंत दूसरा कंगन उतारा और बाहर आकर कविवर को देते हुए कहा, 'मुझसे क्यों छुपा रहे थे। जरूरतमंदों की मदद के लिए ही तो हमारा जीवन है। इस व्यक्ति को दूसरे कंगन की भी आवश्यकता है। इसे आप यह भी दे दीजिए।' अपनी पत्नी के व्यवहार से माघ बहुत खुश हुए और उन्होंने दूसरा कंगन भी पुजारी को देकर उसे प्रसन्नतापूर्वक विदा किया।

फिल्म वर्ग पहेली- 7201

ऊपर से नीचे:-

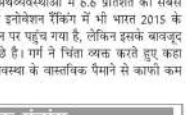

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सारी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, रंजीता की 'जो राह चुनी तूने वही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार का इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कुमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लाख लाख तोरी दुआ की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नखरा तेरे साथ' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक चर्चित फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ये मैंने के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-३
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली डकैत खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सावन लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'ये कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अमरीका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'दिल दिल को' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'मैं तब तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हम हम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7200

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7510

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7509 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8725

बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

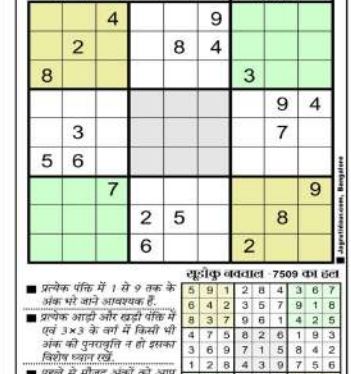

1. मदिरा, मद्य-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2,3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली - 8724 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी-बालाघाट मार्ग पर बेनेगांव में तेज रफ्तार पल्सर ने मारी डीलक्स को टक्कर

दोनों वाहन सवारों को आई चोटें, महिला के सिर में चोट, युवक का पैर फैक्चर

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट-लांजी मार्ग पर बेनेगांव पुलिया के समीप मंगलवार दोपहर करीब 1.45 बजे तेज रफ्तार पल्सर मोटरसाइकिल ने सामने चल रही डीलक्स मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डीलक्स में पीछे बैठी महिला के सिर पर गंभीर चोट आई, जबकि पल्सर सवार दोनों युवकों के पूरे शरीर में खरोंचें आई और एक युवक का पैर फैक्चर हो गया। घटना बेनेगांव निवासी संदीप बुढावने के घर हुई शादी समारोह के बाद की बताई जा रही है। कलपाथरी निवासी उषाबाई धनोले (40 वर्ष) पति नितिन धनोले के साथ अपने 11 वर्षीय पुत्र समीर को लेकर शादी में आई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद संदीप बुढावने अपनी डीलक्स मोटरसाइकिल से उषाबाई और समीर को कलपाथरी छोड़ने जा रहे थे। घर से कुछ ही दूर पहुंचे थे कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रही बालाघाट निवासी सदाब खान और पिंटु बिसेन की पल्सर मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, पल्सर की तेज रफ्तार के कारण टक्कर इतनी भीषण थी कि पल्सर सवार दोनों युवक दूर तक सड़क पर घिसटते चले गए। सदाब खान का एक पैर फैक्चर हो गया, जबकि दोनों युवकों को पूरे शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। डीलक्स मोटरसाइकिल सवार संदीप बुढावने और समीर को कोई चोट नहीं आई, लेकिन पीछे बैठी उषाबाई धनोले के सिर पर गंभीर चोट आई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उषाबाई का सीटी स्कैन के लिए रेफर किया गया, जबकि सदाब खान के पैर के फैक्चर को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने तेज रफ्तार वाहनों को लांजी-बालाघाट मार्ग पर लगातार हादसों का जिम्मेदार बताया है। उन्होंने प्रशासन से इस मार्ग पर गति नियंत्रण के सख्त उपाय करने की मांग की है।

बोलेगांव दुर्गा मंदिर में चोरी - पुलिस ने किया मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोलेगांव स्थित प्रगतिशील दुर्गा मंदिर में चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर माता रानी के चांदी के मुकुट एवं चांदी के छत्र पर हाथ साफ कर दिया। धार्मिक स्थल में हुई इस घटना से गांव में रोष और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंदिर समिति द्वारा 10 मई की रात लगभग 9 बजे मंदिर में पूजा-अर्चना के पश्चात ताला लगाकर मंदिर बंद किया गया था। इसके बाद 11 मई की रात करीब 12.15 बजे समिति अध्यक्ष जब मंदिर के पास टहलने पहुंचे तो मंदिर का दरवाजा खुला दिखाई दिया। अंदर जाकर देखने पर मंदिर का ताला टूटा दिखाई दिया और देखा तो माता रानी का चांदी का मुकुट तथा चांदी का छत्र गायब था। वहीं मंदिर के भीतर पूजा सामग्री भी बिखरी हुई पाई गई। शिकायतकर्ता के मुताबिक चोरी गए चांदी के आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही गांव के सरपंच पति अनिल भारद्वाज एवं उपसरपंच सुनील कालबेले मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आसपास काफी तलाश कीए लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका। मामले में लांजी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 331(4) एवं 305(डी) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

कुलपा चौक पर दो पल्सर बाइक की जोरदार टक्कर, 5 गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। मंगलवार शाम 4.15 बजे कुलपा चौक के सामने दशरथ नगपुरे के घर के ठीक आगे दो पल्सर मोटरसाइकिलों के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, खुर्शीपार (महाराष्ट्र) निवासी योगेश पिता गोपाल अपनी पल्सर बाइक क्रमांक CG 07 AT 3366 पर सवार होकर ग्राम मनेरी में वैवाहिक कार्यक्रम से अपने गांव लौट रहे थे। उनके पीछे बाइक पर वर्षा पति श्यामु और 12 वर्षीय आदित्य पुत्र प्रकाश वल्थरे बैठे थे। इसी दौरान आमगांव की ओर से धरम नगपुरे (35) पिता निर्मलदास, कुलपा निवासी अपनी पल्सर बाइक क्रमांक MP 50 MV 8764 पर सुनील पुत्र सालिकराम (28), हल्बीटोला निवासी के साथ कुलपा आ रहे थे। चौक पहुंचने से ठीक पहले दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

घायलों को निजी वाहन से पहुंचाया अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने डायल 112 और 108 एंबुलेंस सेवा को फोन किया, लेकिन काफी देर तक कोई वाहन नहीं पहुंचा। आखिरकार ग्रामीणों ने घायलों को निजी वाहनों से उपस्वास्थ्य केंद्र करंजा पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी पांचों को उच्च उपचार के लिए रेफर कर दिया। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील इलाकों में 108 सेवा को और चुस्त-दुरुस्त किया जाना चाहिए, ताकि समय पर मदद पहुंच सके।

पुरानी रंजिश में जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में छोटी-छोटी बातों पर हिंसा की घटनाएं अब चिंता का विषय बनती जा रही हैं। कोई व्यक्ति यदि किसी के यहां काम करता है और बाद में अपनी इच्छा से वह काम छोड़ देता है, तो यह उसका व्यक्तिगत अधिकार है। हर व्यक्ति को अपने भविष्य, सम्मान और जीवन के लिए बेहतर विकल्प चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। लेकिन जब इसी बात को कुछ लोग अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर दुश्मनी में बदल दें और किसी की जान लेने तक पर उतारू हो जाएं, तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं बल्कि समाज की बदलती सोच का खतरनाक संकेत बन जाता है। क्षेत्र में सामने आई हालिया घटना ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम और हमारा समाज किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जहां रोजगार बदलने जैसी सामान्य बात भी खून-खराबे का कारण बन रही है। पुलिस जानकारी अनुसार लांजी थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर धारदार हथियार और डंडे से जानलेवा हमला करने वाले दो सगे भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर बड़ी कार्यवाई की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू और लकड़ी का डंडा भी बरामद कर लिया है।फ रियादी प्रदीप उर्फ छोटू ठाकरे (21 वर्ष), निवासी टेकरीटोला भानेगांव, पहले आरोपी बालू ठाकरे के पास पानी सप्लाई का कार्य करता था। करीब एक वर्ष पूर्व उसने वह काम छोड़ दिया था। इसी बात को लेकर आरोपी बालू ठाकरे उसके प्रति रंजिश रखने लगा था। बताया गया कि विगत 1 मई 2026 की रात लगभग डेढ़ बजे प्रदीप ठाकरे एक शादी समारोह से वापस लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में आरोपी बालू ठाकरे और उसका भाई शुभम ठाकरे उसे अकेला पाकर रोक लिया। दोनों ने पहले गाली-गलौज की और फिर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। आरोपी बालू ने धारदार चाकू से वार किया, जिससे प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि शुभम ने लकड़ी के डंडे से मारपीट की। घटना के बाद दोनों आरोपी जान से खत्म करने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

मुखबिर की सूचना पर लांजी पुलिस ने पकड़े आरोपी

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) श्री ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहे थे, लेकिन मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने बस स्टैंड लांजी के पास घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में बालू उर्फ शिवप्रकाश ठाकरे (26 वर्ष), पिता गोवर्धन ठाकरे निवासी भानेगांव, शुभम ठाकरे (24 वर्ष) पिता गोवर्धन ठाकरे निवासी भानेगांव शामिल हैं। लांजी पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 146/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(2), 115(2), 351(3), 118(1), 3(5) एवं 109(1) के अंतर्गत मामला दर्ज कर उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है।

नगर की सड़कों पर आवारा पशु बन रहें दुर्घटना का कारण

नगर प्रशासन से शख्त कार्यवाही की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर क्षेत्र में इन दिनों सड़कों पर खुले घूमते और बैठे मवेशी लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। खासकर रात के समय सड़क पर बैठे काले रंग के मवेशी वाहन चालकों को आसानी से दिखाई नहीं देते, जिसके चलते आये दिन हादसे सामने आ रहे हैं। बावजूद इसके मवेशी मालिक अपने पशुओं को घरों में सुरक्षित बांधकर रखने के बजाय खुले में छोड़ रहे हैं, जिससे आम नागरिकों और वाहन चालकों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। इसी क्रम में 12 मई को नगर परिषद कार्यालय के सामने एक चौपहिया वाहन की ठोकर से एक मवेशी घायल हो गया। हालांकि घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता हो जाने से मामला अधिक तूल नहीं पकड़ सका, लेकिन इस घटना ने नगर में एक बार फिर आवारा मवेशियों की समस्या को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। नगर क्षेत्र में यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि कुछ मवेशी मालिक जानबूझकर अपने पशुओं को खुला छोड़ देते हैं ताकि दुर्घटना होने की स्थिति में उन्हें अधिक से अधिक हर्जाना मिल सके। लोगों का कहना है कि यह लापरवाही अब आमजन की जान पर भारी पड़ने लगी है और प्रशासन को इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। नगरवासियों ने नगर परिषद से मांग की है कि खुले में घूमने वाले मवेशियों को तत्काल पकड़कर कॉंजी हाऊस भेजा जाए तथा संबंधित मवेशी मालिकों पर जुर्माना लगाया जाए। साथ ही चेतावनी एवं हिदायत के बाद ही पशुओं को वापस सौंपा जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो किसी दिन बड़ा हादसा भी हो सकता है।

कन्या महाविद्यालय बालाघाट में बौद्धिक संपदा अधिकार और विकसित भारत @2047 विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में 12 मई 2026 को बौद्धिक संपदा अधिकार और विकसित भारत @2047 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा के अनुसार मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य विषय विशेषज्ञों एवं मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। संगोष्ठी के मुख्य मार्गदर्शक एवं राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. इंद्र प्रसाद त्रिपाठी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं उद्बोधन से शोधार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार का उत्साहवर्धन किया। वहीं उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. पी.आर. चंदेलकर ने ऑनलाइन माध्यम से अपना संरक्षक उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अशोक कुमार मराठे भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में CSIR-NEERI के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुशांत बी. वाथ ने Intellectual Property Rights (IPR) & Viksit Bharat@w®y| विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान देते हुए पेटेंट एवं नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानिक डॉ. अमित दुबे ने Basics of Intellectual Property Rights विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उनके व्याख्यान में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रश्न पूछे और बौद्धिक संपदा अधिकारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने छात्राओं को शोध एवं मौलिकता के प्रति प्रेरित करते हुए नवाचार आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं संगोष्ठी के उद्देश्यों का वाचन समन्वयक डॉ. सुनील कुमार मासुलकर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में IQAC प्रभारी डॉ. स्वाति खोब्रागड़े ने सेमिनार का परिचय प्रस्तुत किया। वहीं सह-समन्वयक प्रीति उइके के सहयोग से प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव जीवन मसराम ने आभार प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी को सफल बनाने में तकनीकी सत्र समिति, शैक्षणिक एवं कार्यालयीन स्टॉफ

बालाघाट में महिलाओं एवं बालकों की सुरक्षा संबंधी कानूनों पर जिला स्तरीय कार्यशाला 14 मई को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में महिलाओं एवं बालकों की सुरक्षा तथा संबंधित कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 14 मई 2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक कलेक्टर कार्यालय बालाघाट के प्रथम तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित होगी। कार्यशाला में ж्रकार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (POCSO Act) 2012 तथा पूर्व गर्भाधान एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम 1994 (PCPNDT Act) के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रत्येक कार्यालय एवं संस्थान में आंतरिक परिवाद समिति (Internal Committee) के गठन की अनिवार्यता, POCSO अधिनियम की धारा-19 के अंतर्गत नियोजकों के दायित्व, अपराध की अनिवार्य सूचना देने संबंधी प्रावधान तथा SHe-Bo& Portal पर समितियों की जानकारी अपलोड करने की प्रक्रिया पर चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त PCPNDT अधिनियम के तहत भ्रूण लिंग परीक्षण एवं लिंग चयन पर प्रतिबंध संबंधी कानूनी प्रावधानों तथा उल्लंघन की स्थिति में दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी भी विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी विभागों, कार्यालयों एवं संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे स्वयं अथवा अपने संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके और उनका प्रभावी पालन सुनिश्चित हो सके।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं से कृषि उत्पादन में हुई वृद्धि

गेंहू उत्पादन पहुंचा 365.11 लाख मीट्रिक टन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं के परिणामस्वरूप इस साल गेंहू उत्पादन 365.11 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। उत्पादकता बढ़कर 3780 किलो प्रति हेक्टेयर हो गई है। मध्यप्रदेश "गेंहूं प्रदेश" बन गया है। देश के कुल गेंहू उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान 18 प्रतिशत है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मध्यप्रदेश के गेंहू की मांग लगातार बनी हुई है। प्राकृतिक मिठास के कारण शरबती और डयूरम गेंहू की मांग जर्मनी, अमेरिका, इटली, यूके, दुबई, साउथ अफ्रीका जैसे देशों में बनी हुई है।

भारत से विदेशों को निर्यात किये जाने वाले गेहूँ में मध्यप्रदेश का योगदान 35 से 40 प्रतिशत होता है। प्रदेश के गेहूँ को ओमान, यमन, यूएई, साउथ कोरिया, कतर, बांग्लादेश, सउदी अरब, मलेशिया, साउथ अफ्रीका और इंडोनेशिया में पसंद किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का गेहूं ब्रेड, बिस्किट और पास्ता के लिये सर्वाधिक उपयुक्त है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गेंहू उत्पादक किसानों के हित में नई योजनाएं

बनाने और समय पर मदद करने की रणनीति के फलस्वरूप मध्यप्रदेश ने परंपरागत गेंहू उत्पादक राज्यों की बराबरी कर ली है। वर्ष 2004-05 में सिर्फ 42 लाख हेक्टेयर में गेंहू होता था। जो आज बढकर 96.58 लाख हेक्टेयर हो गया है।

क्या है मध्यप्रदेश के गेंहूं में

भारत सरकार के गेहूँ अनुसंधान निदेशालय ने अपने अनुसंधान में दो हजार सेम्पल का परीक्षण करने के बाद उच्च स्तर की गुणवत्ता का दाना पाया। प्रदेश के सामान्य से सामान्य किस्म के गेहूँ में भी औसत रूप से 12.6 प्रतिशत प्रोटीन, 43.6 पीपीएम (पार्टस पर मिलियन) आयरन तथा 38.2 पीपीएम जिंक पाया गया है। कठिया प्रजाति के गेहूँ में भरपूर प्रोटीन, आयरन, मैग्नीज और जिंक है। इन्हीं विशेषताओं से मध्यप्रदेश के गेहूँ को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अच्छी कीमत मिलती है।

प्रदेश में गेंहू की जो किस्में उगाई जाती हैं उनकी अपनी विशेषताएं हैं, जैसे जे.डब्ल्यू.एस.17, जे.डब्ल्यू. 3020 और जे.डब्ल्यू. 321 नामक गेहूँ की किस्में - एक सिंचाई में 35 क्विंटल तक उत्पादन देती हैं। जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 3288 तथा जे.डब्ल्यू. 1203 किस्मों से अधिक तापमान में भी बेहतर उत्पादन मिलता है। जे.डब्ल्यू. 1202 और जे.डब्ल्यू. 3288 तथा जे.डब्ल्यू. 1106 किस्में प्रोटीन से भरपूर हैं। एमपीआर 1215 और जे.डब्ल्यू. 3211 किस्में निर्यात के लिये बेहतर है।

गेहूँ की 51 किस्मों का विकास

पौष्टिक आहार बनाने के लिये गेहूँ वर्ष 2026 में की जो पाँच किस्में उपयोग में आ रही हैं उनमें से चार मध्यप्रदेश में विकसित की गई हैं। इनमें एम.पी.ओ. 1215, एम.पी. 3211, एम.पी. 1202 एवं एम.पी. 4010 शामिल हैं। मध्यप्रदेश में अब तक गेहूँ की 51 किस्मों का विकास हुआ है। इनमें से 12 किस्मों का विकास सिर्फ एक दशक की अल्प अवधि में हुआ है।

100 लाख मीट्रिक टन उपार्जन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आग्रह पर गेंहू खरीदी का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 100 लाख मीट्रिक टन हो गया है। प्रदेश में गेंहू का उपार्जन जारी है। किसानों के लिए उपार्जन केन्द्रों में पूरे इंतजाम किए गये हैं। गेहूँ उपार्जन 23 मई तक चलेगा। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रामाणिक बीज उत्पादक राज्य भी है। सहकारी क्षेत्र में बीज उत्पादन में पूरी तरह आत्मनिर्भर हो गया है। बीज उत्पादन कंपनियों से तीन लाख से ज्यादा किसान जुडे हैं। ये कंपनियां अब भंडारण विपणन और खादय प्रसंस्करण से भी जुड़ रही हैं। फार्मर प्रोडयूसर कंपनियों को और ज्यादा मजबूत बनाया जा रहा है। इन सभी गतिविधियों से मध्यप्रदेश न केवल गेहूँ बल्कि अन्य फसलों के उत्पादन में राष्ट्र में अग्रणी बना हुआ है।

नीट-यूजी परीक्षा रद्द करना सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय, अभ्यर्थियों को न्याय मिले- अभाविप

परीक्षा की पारदर्शिता तथा शुचिता भंग कर रहे शिक्षा माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित हो

भोपाल । नीट-यूजी 2026 परीक्षा में सामने आए कथित पेपर लीक एवं अनियमितताओं के प्रकरण की जांच केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई को सौंपना एक उचित एवं आवश्यक कदम है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रारंभ से ही इस पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रही थी। सीबीआई जांच के दौरान जो भी साक्ष्य, नेटवर्क एवं दोषी व्यक्ति सामने आएं, उनकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि वर्षों से राष्ट्रीय परीक्षाओं में सक्रिय शिक्षा-माफिया एवं भ्रष्ट तंत्र का पूर्ण रूप से भंडाफोड़ हो सके। देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी स्तर पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए तथा सभी दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

लगातार विभिन्न राष्ट्रीय परीक्षाओं में सामने आ रही गड़बड़ियां राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। वर्षभर कठिन परिश्रम करने वाले विद्यार्थियों के साथ बार-बार इस प्रकार की घटनाएं होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं विश्वासघातपूर्ण है। नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए एनटीए के महानिदेशक को तत्काल अपने पद से त्यागपत्र देना चाहिए। साथ ही, ऐसी संस्थागत विफलताओं को देखते हुए एनटीए की भूमिका एवं संरचना की व्यापक समीक्षा आवश्यक है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद स्पष्ट रूप से मानती है कि विद्यार्थियों के हित, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था एवं दोषियों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई हेतु इस पूरे नेक्सस को ध्वस्त करना अनिवार्य है, विद्यार्थी परिषद इस संघर्ष में देशभर के विद्यार्थियों के साथ निरंतर खड़ी रहेगी।

पीएम और सीएम के निर्देश के बाद भी वन विभाग के शीर्ष अफसर लाखों ख़र्च कर कार्यशाला पर अड़े

इंदौर के पांच सितारा होटल में कार्यशाला बनाम फेयरवेल पर उठ रहें हैं सवाल

भोपाल। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश दिया कि वर्क फॉम होम को प्राथमिकता दें और पेट्रोल-डीज़ल की खपत कम करें। इसी कड़ी में मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी राजनेताओं और नौकरशाहों को ईंधन की खपत कम करने के निर्देश दिए हैं। बावजूद इसके, फारेस्ट के शीर्ष अफसर इंदौर के पांच सितारा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में 15 मई को कार्यशाला आयोजित की है। इस कार्यशाला को पीसीसीएफ विकास पुरुषोतम धीमान फेयरवेल पार्टी से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि धीमान इसी माह सेवानिवृत होने जा रहें हैं। इसके पहले एक कार्यशाला पेंच के आलीशान तथास्तु होटल में आयोजित किया गया था।

15 मई को इंदौर के पांच सितारा ब्रिलयंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में आयोजित कार्यशाला में वन भवन में पदस्थ पीसीसीएफ और एपीसीसीएफ सहित एक दर्जन से अधिक अफसर अपने-अपने लक्ज़री वाहन परिवार के साथ शामिल होने जा रहें हैं। इसके अलावा खंडवा, उज्जैन और इंदौर के करीब 18 डीएफओ अपनेअपने वाहनों से इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुंचेंगे। इसके अलावा अफसरों की खुशामदीद और व्यवस्था के लिए अलग से दर्जनों वाहनों का इंतजाम किया जा रहा है। यानि एक दिन की कार्यशाला में हजारों लीटर पेट्रोल को व्यर्थ में फूंकने और अफसरों के स्वागत-सत्कार में लाखों पर खर्च करने के औचित्य पर सवाल उठ खड़े हो रहें हैं।

- कार्यशाला के बारे में धीमान से पूछो - सेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक राष्ट्र संकट के प्रति आगाह करते हुए वर्क फॉम होम को प्राथमिकता देने की बात कही है। यानि पीएम मोदी की सलाह पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यशाला आयोजित कर सकते हैं। इससे करीब लाखों रुपए के राजस्व बचत होगी। जब वन बल प्रमुख शुभ रंजन सेन का ध्यान पीएम के संदेश की ओर आकृष्ट कराया तब उनका जवाब था कि हम उनके पास जा रहें है। सेन ने आगे बताया कि कार्यशाला आयोजन के बारे में धीमान से पूछो। उल्लेखनीय है कि कार्यशाला का आयोजन पीसीसीएफ विकास पुरुषोत्तम धीमान ने आयोजित किया है।

-असीम श्रीवास्तव के कार्यकाल में हुई थी परिपाटी

1988 बैच के आईएफएस असीम श्रीवास्तव फरवरी 2024 में वन बल प्रमुख बने। तब 1992 बैच के आईएफएस अफसर पीसीसीएफ विकास यूके सुबुद्धि ने क्षेत्रीय कार्यशाला के बहाने पूर्व रिटायर्डमेंट फेयरवेल पार्टी का आयोजित करवाया। सुबुद्धि नवंबर 24 में रिटायर्ड हुए और तब लोगों को समझ में नहीं आया। इस आयोजन का असल मकसद तब समझ आया जब जून 25 तत्कालीन पीसीसीएफ विकास सुदीप सिंह ने अपने रिटायर मंथ में पांच सितारा होटलों में क्षेत्रीय कार्यशाला के आयोजन करवाया। इंदौर और ओरछा की होटलों से तस्वीरें मीडिया में आई, उससे कार्यशाला का असल मकसद सार्वजनिक हो गया इंदौर में गेट-टू-गेदर यानि कार्यशाला बनाम मौज-मस्ती की पाठशाला में क्या-क्या हुआ, यह किसी से छुपा नहीं है। गिफ्ट से लेकर सूटरूम तक को लेकर सबसे अधिक विवाद हुआ। तब भी सेवानिवृत आईएफएस डबास ने इसे मस्ती की पाठशाला की संज्ञा देते मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखा था।

आदिवासियों के लिए असुरक्षित क्यों बन गया मध्यप्रदेश ? - उमंग सिंघार

भोपाल। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट में मध्यप्रदेश में आदिवासियों के साथ हो रहे अत्याचार को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने चिंता व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार के सुशासन, सुरक्षा और संवेदनशील प्रशासन के दावों की पोल खुलने की बात भी कही है।

सिंघार ने कहा है कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) 2024 की रिपोर्ट ने एक बार फिर मध्य प्रदेश सरकार के उन दावों की पोल खोल दी है, जिनमें सुशासन, सुरक्षा और संवेदनशील प्रशासन की बातें की जाती हैं। देशभर में आदिवासियों के खिलाफ दर्ज कुल अपराधों में से 31.75 प्रतिशत मामले अकेले मध्य प्रदेश में दर्ज होना बेहद गंभीर और शर्मनाक स्थिति है। मध्य प्रदेश पिछले 3-4 सालो से इस भयावह अपराध की श्रेणी में शीर्ष राज्यों में से एक रहा है।

यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि उस असफल व्यवस्था का आईना है, जिसमें आदिवासी समाज खुद को सबसे ज्यादा असुरक्षित महसूस कर रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? मध्य प्रदेश आदिवासी बहुल राज्य है। यहां आदिवासी समाज ने हमेशा जल, जंगल और जमीन की रक्षा की है। लेकिन भाजपा सरकार के लंबे शासनकाल में यही समाज सबसे ज्यादा शोषण, हिंसा और अन्याय का शिकार बन गया है। सरकार के मंचों पर आदिवासी सम्मान की बातें होती हैं, लेकिन जमीन पर उनकी सुरक्षा और अधिकार दोनों लगातार कमजोर हो रहें हैं।

एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि आदिवासी महिलाओं के खिलाफ अपराधों की स्थिति और भी भयावह है।

2024 में आदिवासी महिलाएं और बच्चों से रेप के 358 मामले दर्ज हुए, जो पूरे देश के कुल मामलों का 28.23 प्रतिशत है। यह केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। जब एक राज्य की बेटियां, वह भी समाज के सबसे कमजोर वर्ग से आने वाली महिलाएं, सबसे ज्यादा हिंसा का सामना कर रही हों, तो सरकार के सारे दावे खोखले साबित हो जाते हैं।

आदिवासी बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी हुई है। पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों का बढ़ना इस बात का संकेत है कि बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं। अपहरण, जबरन शादी और यौन अपराधों की घटनाएं यह साबित करती हैं कि अपराधियों के मन में कानून का कोई भय नहीं बचा है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

सबसे दुखद बात यह है कि इन आंकड़ों के पीछे दर्दनाक मानवीय कहानियां छिपी हैं। इंदौर में एक आदिवासी युवक से सार्वजनिक रूप से जूते के फीते बंधवाना केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं था, बल्कि पूरे आदिवासी समाज की गरिमा पर हमला था। सिंगरौली में अवैध रेत उत्खनन का विरोध करने वाले आदिवासी किसान इंद्रपाल अगरिया को ट्रैक्टर से कुचल दिया गया। यह घटना बताती है कि प्रदेश में माफिया और अपराधियों का हौसला कितना बढ़ चुका है। जो आदिवासी अपनी जमीन और अधिकार बचाने की कोशिश करता है, उसे कुचल दिया जाता है।

हैरानी की बात यह है कि जातीय हिंसा से जूझ रहे मणिपुर जैसे राज्य के बराबर मध्य प्रदेश में आदिवासियों पर अपराध हो रहे हैं, जबकि यहां कोई बड़ा दंगा या संघर्ष नहीं है। फिर भी मध्य प्रदेश अपराध के आंकड़ों में उसी स्तर पर पहुंच गया है। इसका मतलब साफ है कि राज्य में व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास गृह विभाग भी है। वे लगातार विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठकों में दिखाई देते हैं। कभी स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा, कभी शिक्षा विभाग की समीक्षा, कभी नगरीय प्रशासन की समीक्षा। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि गृह विभाग की समीक्षा कौन करेगा? जब आदिवासियों पर अत्याचार के मामलों में मध्य प्रदेश देश में नंबर-1 बन चुका है, तब मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए कि आखिर उनकी सरकार अपराध रोकने में क्यों असफल रही?

सरकार अक्सर यह कहकर बचने की कोशिश करती है कि मामले दर्ज होना जागरूकता का संकेत है। लेकिन यदि जागरूकता ही कारण होती, तो अपराधों में लगातार बढ़ोतरी क्यों होती? क्यों आदिवासी महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित महसूस कर रही हैं? क्यों आदिवासी किसानों को अपनी जमीन बचाने के लिए जान गंवानी पड़ रही है? क्यों आदिवासी युवाओं को सार्वजनिक अपमान झेलना पड़ रहा है? आज जरूरत केवल आंकड़ों पर चर्चा करने की नहीं, बल्कि ठोस राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। आदिवासी समाज को सुरक्षा, सम्मान और न्याय चाहिए। उनकी जमीन, जंगल और अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। अपराधियों और माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण मिलना बंद होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि भाजपा सरकार इन मूल मुद्दों पर गंभीर दिखाई नहीं देती। कांग्रेस लगातार आदिवासी समाज की आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। नेता प्रतिपक्ष के रूप में मेरी जिम्मेदारी है कि आदिवासियों के सम्मान और सुरक्षा के सवाल को मजबूती से विधानसभा और जनता के बीच रखूं।

एनसीआरबी की यह रिपोर्ट केवल सरकार की विफलता का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह चेतावनी भी है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं बदली गई, तो मध्य प्रदेश में सामाजिक न्याय और कानून व्यवस्था दोनों गंभीर संकट में पड़ जाएंगे। मध्य प्रदेश को आदिवासियों पर अत्याचार में नंबर-1 नहीं, बल्कि आदिवासी सम्मान और सुरक्षा में नंबर-1 बनना चाहिए। यही लोकतंत्र और संविधान की असली भावना है।

पंजीकृत श्रमिकों के लिए संजीवनी बनीं शासकीय योजनाएं

भोपाल। प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक कल्याणकारी कदम उठाए जा रहे हैं। श्रम विभाग और विभिन्न बोर्ड्स के माध्यम से अब श्रमिकों को जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक हर कदम पर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। इनमें प्रसुति सहायता ?16 हजार, बेटियों के विवाह के लिये अनुदान 49 हजार रूपये और 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क चिकित्सा लाभ (आयुष्मान भारत) शामिल है।

इसके अतिरिक्त श्रमिकों के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा देने के लिए विदेश अध्ययन योजना के तहत 40 हज़ार डॉलर तक की सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही अधिकतम 10 हजार यू.एस. डॉलर प्रतिवर्ष बतौर वार्षिक निर्वाह भत्?ता भी प्रदान किया जाता है। राज्?य एवं संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 50 हज़ार रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। श्रमिकों के आवास निर्माण के लिए एक लाख रूपये तक, ई-स्कूटर खरीदी के लिए 40 हजार रूपये तक और औजार अनुदान भी सीधे उनके बैंक खातों ([illegible]) में भेजा जा रहा है। पात्र श्रमिक निर्धारित समय-सीमा के भीतर श्रम सेवा पोर्टल या लोक सेवा केंद्र के माध्यम से इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं।

नीट परीक्षा रद्द होने पर कमलनाथ ने उठाए सवाल

भोपाल । देश में मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए हो वाली परीक्षा नीट 2026 को रद्द करने पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा है कि मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली अखिल भारतीय नीट परीक्षा 2026 को पेपर लीक होने के कारण रद्द कर दिया गया है। यह पहला मौका नहीं है जब केंद्र की भाजपा सरकार के दौरान नीट परीक्षा में पेपर लीक होने के मामला सामने आया हो। 2015 में भी नीट परीक्षा रद्द की गई थी। 2016 और 2021 में भी नीट परीक्षा में पेपर लीक के आरोप लगे और कई जगहों पर गिरफ्तारियां हुई। वर्ष 2024 में भी परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपर लीक के आरोप लगे थे और लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में इस विषय पर सुनवाई हुई थी। तकरीबन हर साल ही नीट परीक्षा के पेपर लीक होने के समाचार कहीं ना कहीं आते रहे हैं। पेपर लीक होना बताता है कि प्रवेश परीक्षा प्रणाली सुरक्षित नहीं है। कोई संगठित रैकेट है जो पीछे से काम कर रहा है और बड़े-बड़े दावों के बावजूद हर बार परीक्षा में सेंधमारी करता है।

हिंदू युवती के साथ होटल में पकड़ाये मुस्लिम युवक का मामला

- बेअदब अल्फाज से गुस्साया मुस्लिम समाज उतरा सड़क पर - शहर भर में फैला आक्रोश, सैकड़ो लोगो पहुचें पुलिस कमिश्नर कार्यालय
- शहर काजी ने मुलाकात कर की सख्त कार्यवाही की मांग - विधायक मसूद और आतिफ ने भी जताया कड़ा विरोध
- सख्त कार्यवाही न होने पर दी भोपाल बंद और विधानसभा घेराव की चेतावनी

भोपाल। राजधानी भोपाल में दो दिन पहले हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा एक होटल में ठहरे युवक और युवती को पकड़ने के बाद युवक के साथ मारपीट के दौरान प्रयोग किये गये अपशब्दो को लेकर शहर के मुस्लिम समाज में जर्बदस्त आक्रोश फैल गया है। इसे लेकर मंगलवार को मुस्लिम समाज सड़क पर उतर आया। आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग करने पर आक्रोशित मुस्लिमो ने दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की। साथ ही कड़ी कार्यवाही नहीं होने पर चेतावनी भोपाल बंद करने और विधानसभा घेराव की चेतावनी दी है। जानकारी के मुताबिक रविवार को हिंदू संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने होटल से पकड़े गये युवक को अर्धनग्न कर कर उसका क्षेत्र में जूलूस निकालते हुए जमकर मारपीट की। इसके साथ ही उसके चेहरे पर गोबर और स्याही पोती गई। बाद में युवक को गोविंदपुरा पुलिस के हवाले कर दिया गया था। यह मामला गौतम नगर इलाके स्थित प्राइड होटल का है।

- मारपीट के दौरान किया अपशब्दो का प्रयोग

मारपीट के दौरान संगठन के लोगो ने धर्म से संबधित अपशब्दो का प्रयोग किया। इसे लकर मंगलवार को गुस्साये मुस्लिम समाज के हजारो लोग पुराने शहर में रॉयल मार्केट के पास स्थित काजियात में जमा हुए। उनका आरोप था कि युवक के साथ मारपीट के दौरान आपत्तिजनक भाषा का उपयोग किया गया, जो कि गलत है। शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने आक्रोशित लोगो को संबोधित कर कहा की वह पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर आरोपियो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग करेंगे।

- पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाहर मचा हुजूम, हुई नारेबाजी

इसके बाद हजारो की संख्या में समाजजन शहर काजी के साथ पुलिस कंट्रोल रूम के बाहर पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी कर उनका जुलूस निकालने की मांग की। शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने प्रतिनिधिमंडल के साथ पुलिस कमिश्नर संजय कुमार को ज्ञापन दिया। इसमें उन्होंने दोषियां पर सख्त कार्रवाई करने और पुलिस की देखरेख में पूरी घटना होने के बावजूद भी कार्रवाई नहीं करने को लेकर पुलिस कर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग की।

- विधायक रहे मौजूद, गुस्साये लोगो से धिर गया कमिश्नर ऑफिस

उनका कहना था कि आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करके उनकी भावना को ठेस पहुंचाई गई है। इस दौरान विधायक आरिफ मसूद, आतिफ अकील, एआईएमआईएम के मोहसिन अली भी मौजूद थे। गुस्साये लोगो ने आरोपियों की 24 घंटे में गिरफ्तारी न होने पर बंद की चेतावनी भी दी है। बड़ी संख्या में लोगो के पहुचनें को लेकर कमिश्नर कार्यालय में अनेक अफसर भी मौजूद रहे वहीं पुलिस बल भी तैनात किया गया।

- युवती ने कानूनी कार्यवाही से किया था इंकार

वहीं थाने में हुई पूछताछ के दौरान मुस्लिम युवक के साथ मिली युवती ने पुलिस को बताया कि वह बीते करीब पांच साल से युवक खान के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही है। और उसने उसके साथ कोई जबरदस्ती या गलत व्यवहार नहीं किया है। वह अपनी मर्जी से होटल में उसके साथ आई थी, वह उसके खिलाफ किसी तरह की कानूनी कार्रवाई नहीं चाहती। युवती ने यह भी बताया की बीते दिनो दिनों युवक जेल चला गया था। वह इन दिनों जिस रूम में रह रही है, वहां बाहरी युवकों की एंट्री नहीं है। लिहाजा दोनों होटल के रूम में मिलने पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट में आज होगी शिक्षक पात्रता परीक्षा पर सुनवाई

भोपाल । मध्यप्रदेश में शिक्षकों की पात्रता परीक्षा का विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिकाओं (रिव्यू पिटीशन) पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को ओपन कोर्ट में सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार की रिव्यू याचिका स्वीकार करते हुए मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

मामले की सुनवाई जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ दोपहर 2 बजे करेगी। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न शिक्षक संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं पर भी एक साथ सुनवाई होने की संभावना है।

1998 से 2009 के बीच नियुक्त शिक्षकों को देनी हैं परीक्षा

स्कूल शिक्षा विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के आदेश के आधार पर उन शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा आयोजित करने के निर्देश जारी किए थे, जिनकी नियुक्ति वर्ष 1998 से 2009 के बीच हुई थी। ये वे शिक्षक हैं जिन्हें राज्य सरकार की मेरिट प्रक्रिया के तहत नियुक्ति मिली थी और जिन्होंने शिक्षक पात्रता परीक्षा नहीं दी थी।

प्रदेश में ऐसे शिक्षकों की संख्या करीब डेढ़ लाख बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा था कि यदि कोई शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफल नहीं होता है तो उसे सेवा से पृथक किया जाए। इसके बाद आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय द्वारा आदेश जारी किए जाने पर प्रदेशभर में शिक्षकों और कर्मचारी संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया था।

शिक्षक संगठनों ने मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों के माध्यम से केंद्र सरकार से भी हस्तक्षेप की मांग की थी। वहीं पिछले महीने शासकीय शिक्षक संगठन, राज्य कर्मचारी संघ समेत कई संगठनों और मध्यप्रदेश सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गई थीं।

जानकारी के मुताबिक सभी रिव्यू पिटीशन को एक साथ सूचीबद्ध किया गया है। खास बात यह है कि सामान्यतः रिव्यू पिटीशन जजों के चेंबर में सुनी जाती हैं, लेकिन इस मामले में सुनवाई ओपन कोर्ट में होगी। इससे शिक्षक संगठनों के वकीलों को सीधे बहस करने का अवसर मिलेगा, जिस पर प्रदेशभर के शिक्षकों की नजर टिकी हुई है।

आज होगा आरसीबी और केकेआर का मुकाबला

रायपुर । आईपीएल में बुधवारा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। अंक तालिका में आरसीबी 14 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर है। वहीं केकेआर 9 अंक लेकर काफी पीछे हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इस मैच में अगर केकेआर हारी तो प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। दोनो ही टीमों की तुलना करें तो आरसीबी का इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वहीं केकेआर के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। आरसीबी के पास बल्लेबाजी में कप्तान रजत पाटीदार के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार, जैस हेजलवुड और रोमारियो शेफर्ड हैं। टीम के पास क्रुणाल पांड्या जैसा ऑलराउंडर है। क्रुणाल ने इस सत्र में गेंद और बल्ले से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं आर्जिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर के पास अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, सुनील नरेन के अलावा , कैमरन ग्रीन जैसा ऑलराउंडर है। उसकी गेंदबाजी की कमान स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, कार्तिक त्यागी के पास रहेगी। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर सुनील नरेन और रोवमैन पॉवेल जैसे खिलाड़ी हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 36 मुकाबले हुए हैं। इसमें से केकेआर ने 20 जबकि आरसीबी ने 15 जीते हैं। वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू-

विराट कोहली, जैकब बैथल/फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा, रसिख सलाम डार।

इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

कोलकाता नाइट राइडर्स

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयर- फिन एलन

कुश्ती महासंघ पर भड़की विनेश, मुझे खेल छोड़ने मजबूर किया जा रहा

गोंडा । ओलंपियन महिला पहलवाल विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर आरोप लगाये हैं कि उन्हें खेल से बाहर करने के प्रयास चल रहे हैं। विनेश ने कहा है कि कुश्ती महासंघ उन्हें जानबूझकर परेशान कर रहा है ताकि वह खेल छोड़ दें। विनेश ने कहा है कि वह इसके बाद भी खेल नहीं छोड़ेगी और अपनी ओर से संघर्ष करती रहेंगी। विनेश का प्रयास गोंडा में आयोजित राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट से वापसी का था पर कुश्ती महासंघ ने उन्हें अयोग्य घोषित कर रोग दिया। महासंघ ने डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य छह महीने के नोटिस समय की बात कहते हुए उन्हें 26 जून 2026 तक के लिए अयोग्य ठहराया है।

विनेश प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचीं और दावा किया कि वह मुकाबले में वापसी के योग्य हैं पर महासंघ के अधिकारियों ने उनको अवसर देने से साफ इंकार कर दिया। महासंघ के अधिकारियों से मुलाकात के बाद विनेश ने कहा, आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वे चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं।

उन्होंने कहा कि महासंघ के कारण बताओ नोटिस पर उन्होंने अपना जवाब भी दे दिया है। साथ ही कहा कि इससे पहले मुझे किस आधार पर दोषी माना जा रहा है। विनेश ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन नहीं किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी के लिए उन्हें विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से अनुमति मिल गयी।

विनेश ने कहा कि उन्होंने पिछले साल जून में ही खेल में वापसी की सूचना दे दी थी और यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग को भी संन्यास के बाद दोबारा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया था।

मिचेल मार्श की कप्तानी में पाकिस्तान और बांग्लादेश का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम मिचेल मार्श की कप्तानी में पाकिस्तान और बांग्लादेश का दौरा करेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अब तक टी20 टीम की कप्तानी कर रहे मार्श को अब एकदिवसीय की भी कमान सौंपी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस माह पाकिस्तान में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसके बाद उसे बांग्लादेश में तीन एकदिवीसय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कई खिलाड़ी अभी आईपीएल खेलने में व्यस्त हैं। ऐसे में मार्श को अवसर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज जबकि बांग्लादेश में 3-3 मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी।

मार्श की टीम लखनऊ सुपरजायंटस आईपीएल से पहले ही बाहर हो गयी है। ऐसे में मिचेल पूरे समय के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे और इस कारण से भी उन्हें कप्तानी मिली है। वहीं, नियमित कप्तान पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क जैसे कई प्रमुख खिलाड़ी आईपीएल की व्यस्तताओं के चलते इन दौरों से बाहर रहेंगे। ये खिलाड़ी 31 मई तक आईपीएल में व्यस्त रह सकते हैं। मार्श के अलावा जोश इंग्लिस भी तीनों दौरों के लिए उपलब्ध हैं, क्योंकि उनकी आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स भी प्लेऑफ से बाहर हो गई है। हालांकि, कैमरून ग्रीन, जिनकी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में है चयन समिति ने उन्हें टीम में जगह दी है।

वहीं युवा प्रतिभाओं को अवसर देते हुए, अंडर-19 टीम के कप्तान ओली पीक को पाकिस्तान दौरे के लिए वनडे टीम में शामिल किया गया है। वह बांग्लादेश दौरे का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि आईपीएल में शामिल अन्य खिलाड़ी तब तक टीम से जुड़ जाएंगे। ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस, जो एकदिवसीय क्रिकेट से अलविदा कह चुके हैं, को टी20 टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा अनुभवी स्टीव स्मिथ भी इस बार टीम से बाहर हैं। वहीं, ट्रैविस हेड, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट आईपीएल प्ले ऑफ मैचों के कारण पाकिस्तान दौरे के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। हालांकि, वे 9 जून से शुरू होने वाली बांग्लादेश सीरीज के लिए एकदिवसीय टीम से वापस जुड़ जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने खिलाड़ियों की उपलब्धता और सीरीज के प्रारुप के अनुसार दोनों दौरों के लिए अलग-अलग टीमें घोषित की हैं। पाकिस्तान में एकदिवसीय सीरीज के लिए मिचेल मार्श की कप्तानी में एलेक्स कैरी, मार्नस लाबुशेन, मैथ्यू रेनशॉ और एडम जैम्पा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ नाथन एलिस और ओली पीक जैसे युवा चेहरों को शामिल किया गया है। वहीं बांग्लादेश में एकदिवसीय सीरीज के लिए ज़ेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली और ट्रैविस हेड जैसे खिलाड़ी टीम से जुड़ेंगे, जिससे टीम और बेहतर होगी। बांग्लादेश में होने वाली टी20 सीरीज के लिए भी मिचेल मार्श की अगुवाई में टिम डेविड, जोएल डेविस और स्पेंसर जॉनसन जैसे खिलाड़ियों को मौका दिया गया है, जो टीम में अनुभव और युवा जोश का संतुलन बनाते हैं। यह दौरे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के नए खिलाड़ियों के लिए अपने को साबित करने का अवसर होगा।

विश्वकप 2027 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं क्रुणाल

मुम्बई । आईपीएल के 19 सत्र से सबसे पहले बाहर हुई लखनऊ सुपरजायंट्स को अभी भी आईपीएल में तीन मुकाबले खेलने हैं। जिसमें अगर वह हारती है तो उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा पर अगर वह जीतती है तो अन्य टीमों के प्लेऑफ की संभावनाओं को झटका लगेगा। लखनऊ सुपरजायंट्स अब तक खेले गए 11 मैचों में से केवल तीन ही जीतने में सफल रही है जबकि अन्य मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसे अभी तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में वह टूर्नामेंट से बाहर होकर भी अन्य टीमों की प्लेऑफ की संभावनाओं को समापत कर सकती है।

लखनऊ को इस सत्र में अब चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके), राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स से खेलना है। ये तीनों टीमें अभी अंक तालिका में प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं, पर पिछले कुछ मैचों से इनका प्रदर्शन भी खराब हुआ है। ऐसे में लखनऊ के खिलाफ होने वाले ये मैच इन टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। अगर ये टीमें लखनऊ से हारीं तो प्लेऑफ का पूरा समीकरण ही बिगड़ सकता है।

अंक तालिका पर नजर डालें तो अभी जाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है, जबकि चेन्नई सुपरकिंग्स 12 अंकों के साथ पांचवें और राजस्थान रॉयल्स भी 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। सबसे पहले बात पंजाब किंग्स की। पंजाब के इस सत्र में अभी तीन मैच शेष

हैं। लखनऊ के खिलाफ भिड़ने से पहले उसे मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मुकाबला करना है। अगर पंजाब इन दोनों मैचों में जीत हासिल कर लेती है, तब तो उसे कोई खास परेशानी नहीं होगी, लेकिन यदि वह इनमें से एक भी मैच हारती है, तो लखनऊ के खिलाफ उसका मुकाबला इस पार या उस पार वाला हो जाएगा। ऐसे में लखनऊ की एक जीत पंजाब के प्लेऑफ के रास्ते को मुश्किल बना सकती है।

दूसरी तरफ, चेन्नई सुपरकिंग्स के पास भी तीन मैच बचे हुए हैं। टीम अगर लखनऊ समेत अपने बचे हुए सभी मैच जीत लेती है, तो उसके पास 18 अंक होंगे और वह आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। लेकिन अगर सीएसके एक भी मैच हारत है, तो उसके बचे हुए सभी मैच फिर करो या मरो की स्थिति में आ जाएंगे, जहां दबाव का सामना करना मुश्किल हो सकता है। ठीक ऐसी ही स्थिति राजस्थान रॉयल्स की भी बन रही है, जिसे इस सीज़न में अब सिर्फ तीन मैच खेलने हैं और वह भी 12 अंकों पर अटकी हुई है। उसके लिए भी लखनऊ के खिलाफ मैच में हार का मतलब प्लेऑफ की राह में बड़ी बाधा साबित हो सकता है। वहीं यदि लखनऊ की टीम पर प्लेऑफ में पहुंचने का कोई दबाव नहीं होने के कारण वह खुलकर और आक्रामक तरीके से खेलेगी जिससे इन टीमों की परेशानी बढ़ सकती है।

दिल्ली कैपिटल्स धर्मशाला में 200 से अधिक लक्ष्य हासिल करने वाली पहुली टीम बनी

धर्मशाला। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स यहां हुए आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। इस जीत के साथ ही जहां दिल्ली के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं बनी हुई हैं। वहीं धर्मशाला के मैदान पर 200 से अधिक रनों का लक्ष्य हासिल करने वाली वह पहली टीम भी बन गयी है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स को इस हार से करारा झटका लगा है और उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह भी बाधित हुई है। धर्मशाला के एचपीसीए मैदान में 211 रनों के विशाल लक्ष्य को दिल्ली ने सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में दिल्ली ने दबाव के हालातों का बेहतर तरीके से सामना किया।

यह जीत दिल्ली कैपिटल्स के लिए काफी अहम है। आईपीएल इतिहास में धर्मशाला में इस मैदान पर पहली बार किसी ने 200 से अधिक रन बनाये हैं।

पंड्या की जगह पर बुमराह को कप्तान बनाये मुम्बई - मांजरेकर

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के आईपीएल के 19 सत्र से बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए हार्दिक को कप्तानी से हटाने की मांगे की है। इस सत्र में मुम्बई इंडियंस केवल तीन ही मैच जीती है। पूर्व क्रिकेटर ओर कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने कि है कि हार्दिक की जगह पर जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाया जाना चाहिये। मांजरेकर ने

कहा कि फ्रेंचाइजी को अपने नेतृत्व पर पुनर्विचार करते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज बुमराह को टीम की कप्तानी संभालने का अवसर देना चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि मैं बुमराह को भारत की कप्तानी करते देखना चाहता हूं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि कोई भी खेल को उनके जितना बेहतर समझता है, उनकी गेंदबाजी में केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि पूर्वानुमान, बल्लेबाज को पढ़ना, स्थिति को समझना और पिच को जानना भी शामिल है। उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी तो नहीं मिली पर आईपीएल में जरूर मिलनी चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि जब मुम्बई ने हार्दिक को शामिल किया था, तभी उन्हें कोच आशीष नेहरा को भी ले लेना चाहिये था। हार्दिक और नेहरा ने गुजरात टाइटंस में एक सफल साझेदारी बनाई थी। मांजरेकर के अनुसार उन्हें हार्दिक पांड्या के अलावा किसी और विकल्प पर भी विचार करना होगा क्योंकि उनकी कप्तानी सफल नहीं रही है। मांजरेकर के अनुसार टेस्ट कप्तान की तुलना में आईपीएल में कप्तानी करना बुमराह के लिए अपेक्षाकृत आसान होगा। इसका कारण है कि इसमें अधिक दबाव नहीं रहता है।

ईशान के धमाकेदार प्रदर्शन को देखकर डरे हुए थे सैमसन

अपनी जगह खोने का डर सता रहा था

मुम्बई । आजकल आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि टी20 विश्वकप के पहले ईशान किशन की बेहतरीन बल्लेबाजी देखकर वह काफी डर गये थे और उन्हें लगता था कि अब ईशान उनकी जगह ले लेगा। सैमसन के अनुसार विश्वकप के शुरुआती मैचों में अंतिम ग्यारह से

बाहर होने और उनकी जगह ईशान किशन को मौका दिए जाने के फैसले से भी वह डरे हुए थे। सैमसन ने ये भी कहा कि उस प्रकार की स्थिति में उनकी जगह कोई और होता तो उसे भी डर लगता। सैमसन को टी20 विश्व कप टीम के अंतिम सदस्य के रूप में शामिल किया गया था, पर अंतिम ग्यारह में उनकी जगह को लेकर संदेह बना हुआ था।वहीं शुभमन गिल की जगह पर ईशान को घरेलू टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन के कारण शामिल किया गया था। विश्वकप की घोषणा से लगभग तीन महीने पहले सैमसन ने टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में वापसी के बाद भी उन्हें लगातार फ्लॉप होने के कारण फिर से अवसर नहीं मिले। दूसरी ओर ईशान को वापसी का अवसर मिल गया था। सैमसन ने कहा , सच कहूं तो, ईशान किशन अचानक ही टीम में आ गए। उन्होंने मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया, झारखंड के लिए चैंपियनशिप जीती और उनकी वापसी हो गई। सैमसन ने साथ ही कि कि शुरुआत में वे सिर्फ अपने को देखते थे, लेकिन बाद में उन्हें महसूस हुआ कि ईशान ने भी उतनी ही मेहनत की थी। उन्होंने कहा, पिछले दो सालों में जो उनके साथ हुआ था, वह सिस्टम से बाहर थे, उन्होंने घरेलू क्रिकेट में कड़ी मेहनत की और वापसी की। रन बनाना शुरू कर दिया था और मैं कैमरे पर स्वीकार कर सकता हूं कि मुझे लग रहा था कि वह मेरी जगह लेने आ रहे थे।

सैमसन ने बताया कि त्रिवेंद्रम में जब ईशान ने शतक लगाया, तो उनका सोचने का तरीका पूरी तरह बदल गया। संजू ने कहा, त्रिवेंद्रम में जब उसने शतक लगाया, तो मैं सोच रहा था, संजू, अब इसे उसे दे दो, बॉस। वह तुमसे ज्यादा इसका अधिकारी है। तुम्हें मौके मिले, तुम रन नहीं बना सके। कोई है जो जबरदस्त फॉर्म में है। वह मुश्ताक अली ट्रॉफी से आया, वहां सब कुछ सही किया और फिर विश्वकप से ठीक पहले शतक लगाया। मुझे लगा जगह छोड़ना बेहतर है।

पंजाब किंग्स को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे बचे हुए मैच

मुम्बई । आईपीएल के 19 सत्र की धमाकेदार शुरुआत करनी वाली पंजाब किंग्स टीम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुरुआती छह मैच लगातार जीतने वाली पंजाब को सातवें मैच से लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। जिसके कारण उसके प्लेऑफ की संभावनाएं कमजोर हुई हैं। ऐसे में अब उसे प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए तीनों मैचों में से कम से कम दो जीतने होंगे। उन्हें मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। अगर पंजाब की टीम ये तीनों मैच जीतने में सफल रहती है, तो उनके कुल 19 अंक हो जाएंगे और वह आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएगी पर अगर वे तीन में से एक मैच भी हारते हैं, तो उनके अधिकतम 17 अंक होंगे और उसे अन्य टीमों के परिणामें पर भी निर्भर रहना होगा। पंजाब किंग्स के अब तक 13 अंक हैं। उसे शुरुआती जीत के बाद सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स से हार झेलनी पड़ी है।

न्यूजीलैंड की टी20 क्रिकेट लीग अब 2027-28 में शुरु होगी

ऑकलैंड। भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सफलता से उत्साहित होकर न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने भी साल 2027 से एक टी20 लीग शुरु करने की योजना बनायी थी जो अब टालने पड़ी है। न्यूजीलैंड बोर्ड के अनुसार अब ये लीग साल 2027-28 की गर्मियों में शुरू होगा। बोर्ड ने देरी का कारण बताते हुए कहा है कि संभावित निवेशकों और हितधारकों के साथ चल रही बातचीत को अंतिम रूप देने और लीग को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए अधिक समय की जरुरत महसूस हुई।

बोर्ड ने हालांकि कहा कि निवेशकों के साथ उसकी चर्चाएं रचनात्मक रही हैं। जनवरी 2027 में प्रस्तावित लॉन्च को देखते हुए कई तरह के कामों में काफी विकास भी हुआ पर बोर्ड को लगा कि लीग शुरु करने के लिए अभी और काम होने हैं जिसके लिए अतिरिक्त समय की जरुरत है। । लॉन्च में देरी का एक मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर भी है। जनवरी और फरवरी में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ अहम टेस्ट सीरीज तय होने के कारण, लीग के लिए पर्याप्त विंडो मिलना कठिन हो रहा था। यह मामला हितधारकों के साथ चर्चा के दौरान सामने आया, जिसके चलते लॉन्च को आगे बढ़ाया गया है। बोर्ड की चेयरपर्सन, डायना पुकेटापु-लिंडन ने इस बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, हमारा प्राथमिक ध्यान यह तय करना है कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहतर, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक खेल के साथ जुड़ा हो। हम न्यूजीलैंड 20 के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और अब तक हुई प्रगति से उत्साहित हैं। अभी और समय लेने से यह तय करने में सहायता मिलेगी कि यह प्रतिस्पर्धा लंबे समय तक सफल रहे।

वहीं मैकिनॉन ने कहा कि इस संशोधित लॉन्च विंडो से अंतत: प्रशंसकों को ही लाभ होगा। उन्होंने कहा, दिसंबर 2027 में लॉन्च करके, हम यह पक्का कर सकते हैं कि यह प्रतिस्पर्धा पहली ही गेंद से उम्मीदों पर सही साबित उतरे और प्रशंसकों, खिलाड़ियों और साझेदारों को वह अनुभव प्रदान करे जिसके वे अधिकारी हैं।

आईपीएल के बचे हुए मैचों में इन तीन टीमों के लिए खतरा बना सकती है सुपरजायंट्स

मुम्बई । आईपीएल के 19 सत्र से सबसे पहले बाहर हुई लखनऊ सुपरजायंट्स को अभी भी आईपीएल में तीन मुकाबले खेलने हैं। जिसमें अगर वह हारती है तो उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा पर अगर वह जीतती है तो अन्य टीमों के प्लेऑफ की संभावनाओं को झटका लगेगा। लखनऊ सुपरजायंट्स अब तक खेले गए 11 मैचों में से केवल तीन ही जीतने में सफल रही है जबकि अन्य मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसे अभी तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में वह टूर्नामेंट से बाहर होकर भी अन्य टीमों की प्लेऑफ की संभावनाओं को समाप्त कर सकती है।

लखनऊ को इस सत्र में अब चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके), राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स से खेलना है। ये तीनों टीमें अभी अंक तालिका में प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं, पर पिछले कुछ मैचों से इनका प्रदर्शन भी खराब हुआ है। ऐसे में लखनऊ के खिलाफ होने वाले ये मैच इन टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। अगर ये टीमें लखनऊ से हारीं तो प्लेऑफ का पूरा समीकरण ही बिगड़ सकता है।

अंक तालिका पर नजर डालें तो अभी जाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है, जबकि चेन्नई सुपरकिंग्स 12 अंकों के साथ पांचवें और राजस्थान रॉयल्स भी 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। सबसे पहले बात पंजाब किंग्स की। पंजाब के इस सत्र में अभी तीन मैच शेष हैं। लखनऊ के खिलाफ भिड़ने से पहले उसे मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मुकाबला करना है। अगर पंजाब इन दोनों मैचों में जीत हासिल कर लेती है, तब तो उसे कोई खास परेशानी नहीं होगी, लेकिन यदि वह इनमें से एक भी मैच हारती है, तो लखनऊ के खिलाफ

उसका मुकाबला इस पार या उस पार वाला हो जाएगा। ऐसे में लखनऊ की एक जीत पंजाब के प्लेऑफ के रास्ते को मुश्किल बना सकती है।

दूसरी तरफ, चेन्नई सुपरकिंग्स के पास भी तीन मैच बचे हुए हैं। टीम अगर लखनऊ समेत अपने बचे हुए सभी मैच जीत लेती है, तो उसके पास 18 अंक होंगे और वह आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। लेकिन अगर सीएसके एक भी मैच हारत है, तो उसके बचे हुए सभी मैच फिर करो या मरो की स्थिति में आ जाएंगे, जहां दबाव का सामना करना मुश्किल हो सकता है। ठीक ऐसी ही स्थिति राजस्थान रॉयल्स की भी बन रही है, जिसे इस सीज़न में अब सिर्फ तीन मैच खेलने हैं और वह भी 12 अंकों पर अटकी हुई है। उसके लिए भी लखनऊ के खिलाफ मैच में हार का मतलब प्लेऑफ की राह में बड़ी बाधा साबित हो सकता है। वहीं यदि लखनऊ की टीम पर प्लेऑफ में पहुंचने का कोई दबाव नहीं होने के कारण वह खुलकर और आक्रामक तरीके से खेलेगी जिससे इन टीमों की परेशानी बढ़ सकती है।

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल- ce.tender.wrdmp@gmail.com
फोन- 0755-2767635 फैक्स-0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक -1221/2026-27/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक 08.05.2026

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 08.06.2026 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2026_WRD_505550	टर्न की पद्धति पर :- बगलीघाट परियोजना अंतर्गत बांध/ बियर एवं 2 नं. बेलेंसिंग रिजर्वायर सहित 5600 हेक्टेयर खरीफ एवं 6400 हेक्टेयर रबी सिंचाई हेतु 8000 हेक्टेयर सी.सी.ए. में सूक्ष्म सिंचाई (होज) प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	बालाघाट	24883.00

जी-12735/26

मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

उदयनिधि ने सनातन विरोधी रुख दोहराया, अब की खत्म करने की मांग

कहा- सीएम और मैं एक ही कॉलेज पढ़े, हम अपने अनुभव को करेंगे साझा

चेन्नई,। तमिलनाडु की राजनीति में सनातन धर्म का विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। मंगलवार को विधानसभा सत्र में विपक्षी दल डीएमके के विधायक और कद्दावर नेता उदयनिधि स्टालिन ने अपने संबोधन में सनातन विरोधी रुख को दोहराया। उन्होंने सदन में साफ कहा कि समाज में भेदभाव पैदा करने वाली व्यवस्थाओं को खत्म किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता और डीएमके विधायक उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को तमिलनाडु विधानसभा को संबोधित किया और सदन में सनातन विरोधी मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि सनातन, जिसने लोगों को बांटा है, उसे खत्म कर देना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उदयनिधि ने कहा कि कल, मुख्यमंत्री को हमारे नेता और कई अन्य नेताओं से शुभकामनाएं मिलीं थी। यह राजनीतिक शिष्टाचार इस सदन में भी जारी रहना चाहिए। भले ही हम सत्ता पक्ष और विपक्ष के तौर पर अलग-अलग कतारों में बैठते हों, लेकिन हम सभी को तमिलनाडु के विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए। विपक्षी दलों ने इस बात पर चिंता जताई है कि वंदे मातरम के बाद तमिलनाडु का राज्य गीत बजाया गया, लेकिन पश्चिम बंगाल की सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम नहीं बजाया गया था, जबकि यहां इसे बजाया गया। आप सभी जानते हैं कि वहां के राज्यपाल कौन हैं। सरकार को दोबारा ऐसा नहीं होने देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे तमिलनाडु के राज्य गीत को कभी भी दूसरे स्थान पर नहीं धकेला जाना चाहिए। सीएम और मैंने एक ही कॉलेज में पढ़ाई की है। हम अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करना चाहेंगे। सीएम को भी हमारे सुझावों को स्वीकार करना चाहिए। डीएमके की व्यापक प्रशासनिक विरासत का हवाला देते हुए, उदयनिधि ने सीएम जोसेफ विजय से आग्रह किया कि वे शासन से जुड़े मामलों पर डीएमके की सलाह पर विचार करें। उदयनिधि का यह संबोधन बताया है कि आगामी दिनों में तमिलनाडु की राजनीति वैचारिक और भाषाई गौरव के इर्द-गिर्द सिमटी रहेगी। एक तरफ जहां उन्होंने सीएम को सहयोग और राजनीतिक शिष्टाचार का प्रस्ताव दिया, वहीं दूसरी ओर सनातन और तमिल पहचान जैसे मुद्दों पर अपना सख्त रुख बरकरार रखा।

बता दें यह पूरा मामला 2 सितंबर, 2023 को शुरू हुआ था, जब उदयनिधि स्टालिन ने चेन्नई में आयोजित सनातन उन्मूलन सम्मेलन में एक विवादास्पद भाषण दिया था। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना जैसी बीमारियों से की थी और कहा था कि ऐसी चीजों का केवल विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने इस मामले की सुनवाई के दौरान बेहद सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि आप एक सामान्य नागरिक नहीं, बल्कि एक मंत्री हैं, आपको अपने बयानों के परिणामों के बारे में पता होना चाहिए।

इस विवाद के सामने महाभारत का युद्ध भी छोटा

-कपूर परिवार की संपत्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कपूर परिवार की 30,000 करोड़ रुपए की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद की तुलना महाभारत से की है। न्यायमूर्ति जे बी परदीवाला ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इस विवाद के सामने महाभारत का युद्ध भी छोटा लगता है। यह तीखी टिप्पणी तब आई जब सुप्रीम कोर्ट दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की माता रानी कपूर की एक नई याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें विवादित आरके फैमिली ट्रस्ट से जुड़े कार्यों को रोकने की मांग की गई थी।

इस बीच पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में मध्यस्थता की कार्यवाही जारी है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति जे बी परदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने 12 मई को संजय कपूर की 80 साल की माता रानी कपूर द्वारा आरके फैमिली ट्रस्ट और परिवार के अन्य सदस्यों से जुड़े विवाद में दायर एक नई याचिका की सुनवाई के दौरान की। न्यायपालकों द्वारा फैमिली ट्रस्ट के कामकाज और प्रस्तावित कंपनी बोर्ड की बैठक से जुड़े नए आरोपों को पेश करने के दौरान न्यायमूर्ति परदीवाला ने टिप्पणी की, ॠहम एक ऐसे क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं जहां महाभारत भी छोटा लगेगा। हम इसकी जांच करेंगे।

कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 14 मई को तय की है। यह नया मुकदमा तब सामने आया जब कुछ ही दिन पहले, 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने रानी कपूर और दिवंगत संजय की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव कपूर के बीच बढ़ते जटिल विवाद को सुलझाने में मदद के लिए भारत के पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया था। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी नई याचिका में रानी कपूर ने मध्यस्थता की कार्यवाही समाप्त होने तक प्रिया सचदेव कपूर और कुछ अन्य प्रतिवादियों को आरके फैमिली ट्रस्ट के कामकाज में हस्तक्षेप करने से रोकने के निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने रघुवंशी इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी नोटिस के मद्देनजर 18 मई को बोर्ड बैठक पर रोक लगाने की भी मांग की, जिस पर विवादित संपत्ति के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण है। याचिका के मुताबिक प्रस्तावित बैठक का उद्देश्य बोर्ड में अतिरिक्त निदेशकों की नियुक्ति करना था। रानी कपूर की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि मध्यस्थता की कार्यवाही जारी रहने के बावजूद, इन घटनाक्रमों से परिवार से जुड़ी संस्थाओं के नियंत्रण संतुलन में बदलाव आ सकता है।

पुंछ में घुसपैठ की बड़ी साजिश नाकाम, नियंत्रण रेखा पर सेना ने घुसपैठिया मार गिराया

पुंछ। जम्मू और कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना ने एक बड़ी घुसपैठ की कोशिश को विफल कर दिया। सेना की सतर्क निगरानी और त्वरित कार्रवाई के दौरान 1 घुसपैठिया मार गिराया गया, जबकि पूरे इलाके में तलाशी और निगरानी अभियान लगातार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार पुंछ के कृष्णा घाटी क्षेत्र में मंगलवार शाम करीब 4 बजे संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। सेना के जवान लगातार सीमा क्षेत्र पर नजर बनाए हुए थे। इसी दौरान भारतीय सीमा के भीतर लगभग 300 मीटर अंदर कुछ संदिग्ध हलचल दिखाई दी। सूचना मिलते ही जवान तुरंत सक्रिय हुए और पूरे क्षेत्र को घेर लिया। सेना ने संदिग्धों को रुकने की चेतावनी दी, लेकिन दूसरी ओर से जवाब नहीं मिलने पर मुठभेड़ शुरू हो गई। कुछ देर चली गोलीबारी के बाद 1 घुसपैठिया ढेर हो गया। सेना ने यह भी सुनिश्चित किया कि सीमा सुरक्षा में किसी प्रकार की सेंध न लग सके।

देश में ईंधन को लेकर लगाई जा रहीं अटकलें खारिज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में दो दिनों के भीतर दो बार ईंधन बचाने की अपील किए जाने के बाद देश में तेल संकट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री ने न केवल ऊर्जा संरक्षण पर जोर दिया, बल्कि ईंधन की खपत कम करने के लिए वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन क्लासेज शुरू करने तक की सलाह दी है। कई केंद्रीय मंत्रियों द्वारा भी इसी तरह की अपील दोहराए जाने के बाद जनता के बीच फ्यूल राशनिंग यानी तेल के कोटे को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थीं। हालांकि, सरकार ने अब स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे दुनिया भर में चिंता का माहौल है। इसी संदर्भ में भारत सरकार ने साफ किया है कि देश के पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम सचिव ने एक आधिकारिक कार्यक्रम में कहा कि भारत में ईंधन की राशनिंग लागू करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार ने अतिरिक्त ऊर्जा कार्गो सुरक्षित किए हैं और मौजूदा आपूर्तिकर्ताओं से खरीद बढ़ाई गई है। वर्तमान में भारत के पास लगभग 60 दिनों का ईंधन भंडार और 45 दिनों का एलपीजी भंडार सुरक्षित है। ईंधन की राशनिंग का अर्थ सरकार द्वारा पेट्रोल, डीजल या गैस की बिक्री पर एक निश्चित सीमा तय करना होता है। जब देश में तेल की कमी होती है या कीमतें बहुत बढ़ जाती हैं, तो सरकार नियम बनाती है कि एक व्यक्ति या गाड़ी को एक निश्चित समय में कितना ईंधन मिलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य फिजूलखर्ची रोकना और यह सुनिश्चित करना होता है कि सभी को जरूरत भर का तेल मिल सके और बाजार में अफरा-तफरी न मचे।

भारत-नेपाल सीमा पर थाई देह व्यापार रैकेट का खुलासा, दो विदेशी महिलाएं गिरफ्तार

कोलकाता। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। तीसरे देशों के नागरिकों की संदिग्ध आवाजाही के संबंध में मिली खुफिया सूचना के आधार पर, एसएसबी की 41वीं बटालियन की टीम ने एक विशेष अभियान चलाया। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत रतखोला इलाके में भारतीय सीमा स्तंभ संख्या 88/08 के पास एक संदिग्ध गाड़ी को रोका गया। तलाशी के दौरान, एक अंतरराष्ट्रीय देह व्यापार रैकेट का खुलासा हुआ। एसएसबी ने दो थाई नागरिकों, एक नेपाली नागरिक और एक भारतीय नागरिक सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई थाई महिलाओं की पहचान 43 वर्षीय नुसरा किंगवान और 33 वर्षीय सावनी चलासाई के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये महिलाएं थाई मसाज की आड़ में देह व्यापार के नेटवर्क से जुड़ी थीं और अनधिकृत जमीनी रास्ते से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रही थीं।

मुंबई में गहराया जल संकट : बीएमसी ने 10 प्रतिशत पानी कटौती की घोषणा की

मुंबई। मुंबई में गहराते जल संकट के बीच, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने 15 मई से शहर भर में पानी की आपूर्ति में 10 प्रतिशत कटौती की घोषणा की है। यह निर्णय मुंबई को पानी पिलाने वाली झीलों में जल स्तर में भारी गिरावट और इस साल कमजोर मानसून की मौसम विशेषज्ञों की चेतावनी को देखकर लिया गया है। हालांकि, बीएमसी के अधिकारियों ने नागरिकों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील कर आश्वासन दिया है कि आने वाले समय में बड़े संकट से बचने के लिए पानी का वितरण सावधानीपूर्वक किया जा रहा है। बीएमसी के अनुसार, वर्तमान में मुंबई के जलाशयों में उपलब्ध जल भंडार शहर की वार्षिक आवश्यकता का केवल 23.5 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, करीब 340,399 मिलियन लीटर पानी बचा है, जबकि शहर को सालाना 14 लाख मिलियन लीटर से अधिक की आवश्यकता होती है। निगम स्थिति पर प्रतिदिन बारीकी से नजर रख रहा है ताकि भविष्य में शहर को गंभीर जल संकट का सामना न करना पड़े।

न्यूज गैलरी

जनजातीय कार्य विभाग ने जारी की शिक्षकों की अनंतिम वरिष्ठता सूची

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट अंतर्गत संचालित विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत प्रधान पाठक, उच्च श्रेणी शिक्षक, सहायक शिक्षक, व्यायाम अनुदेशक, प्राथमिक शिक्षक एवं खेलकूद शिक्षक (श्रेणी-अ) की दिनांक 01 अप्रैल 2026 की स्थिति में अनंतिम (प्रोविजनल) वरिष्ठता सूची जारी कर दी गई है। विभाग द्वारा यह सूची जिले के समस्त संकुल प्राचार्यों को उपलब्ध करा दी गई है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि संबंधित शिक्षक अपने-अपने संकुल प्राचार्य कार्यालय में पहुंचकर वरिष्ठता सूची का अवलोकन कर सकते हैं। यदि किसी शिक्षक को सूची में दर्ज जानकारी पर आपत्ति हो, किसी शिक्षक का नाम छूट गया हो अथवा किसी प्रकार की प्रविष्टि दर्ज नहीं की गई हो, तो संबंधित शिक्षक निर्धारित प्रक्रिया के तहत लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। शिक्षकों को अपनी आपत्ति का स्पष्ट कारण एवं पुष्टि के लिए आवश्यक अभिलेखों की अभिप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करते हुए वरिष्ठता सूची प्रकाशित होने की तिथि से 15 दिवस के भीतर अपना अभ्यावेदन संकुल प्राचार्य के माध्यम से कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट में प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त होने वाले अथवा संकुल प्राचार्य के माध्यम से प्रस्तुत नहीं किए गए अभ्यावेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे और उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सम्मान और हटाने के फैसले पर उठे सवाल, बी.डी. कतरोलिया फिर चर्चा में

पीएम स्वनिधि योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए हुए सम्मानित, सेवानिवृत्ति से पहले नपा. से हटाए जाने पर छिड़ी बहस

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट नगर पालिका के पूर्व मुख्य नगरपालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया एक बार फिर चर्चा का विषय बने हुए हैं। हाल ही में उन्हें प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि 2.0 (पीएम स्वनिधि योजना) में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 11 मई को प्रदान किया गया, लेकिन इसके बाद नगर पालिका और राजनीतिक गलियारों में नई बहस शुरू हो गई है। बी.डी. कतरोलिया को उनकी सेवानिवृत्ति से लगभग दो महीने पहले ही बालाघाट नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी पद से हटाकर कलेक्टर कार्यालय के डूडा विभाग में अटैच कर दिया गया था। उस समय यह फैसला प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा में रहा था। अब उसी अधिकारी को नगरीय निकाय विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किए जाने के बाद कई सवाल खड़े होने लगे हैं।

नगर पालिका में इन दिनों पार्षदों और अधिकारियों के बीच यह चर्चा बनी हुई है कि यदि बी.डी. कतरोलिया का कार्य इतना उत्कृष्ट था कि उन्हें पीएम स्वनिधि योजना में बेहतर प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, तो फिर उन्हें सेवानिवृत्ति से पहले अचानक पद से क्यों हटाया गया। वहीं दूसरी ओर यदि प्रशासनिक स्तर पर उनके कार्यों को लेकर सवाल थे, तो फिर उन्हें सम्मानित किया जाना भी लोगों को समझ से परे लग रहा है। जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में नगरीय निकाय बालाघाट को उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के आधार पर एक लाख से कम जनसंख्या वाली निकायों की श्रेणी में देशभर में पांचवां स्थान प्राप्त हुआ है। इसी उपलब्धि के लिए विभाग द्वारा सम्मान प्रदान किया गया। ऐसे में यह सवाल और गहरा हो गया है कि जिस अधिकारी के कार्यकाल में निकाय को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि मिली, उसी अधिकारी को कार्यकाल समाप्त होने से पहले हटाने की आवश्यकता क्यों पड़ी। नगर पालिका से जुड़े कई लोगों का कहना है कि यह मामला प्रशासनिक निर्णयों को लेकर विरोधाभास की स्थिति पैदा कर रहा है। पार्षद सुधीर चिले ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विभाग स्वयं यह तय नहीं कर पा रहा है कि बी.डी. कतरोलिया को किस श्रेणी में रखा जाए। उनका कहना था कि यदि अधिकारी का कार्य अच्छा था तो उन्हें हटाना गलत है और यदि कार्य में कमी थी तो फिर सम्मानित करना भी उचित नहीं कहा जा सकता। नगर पालिका के अंदर भी यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। कई कर्मचारी और अधिकारी अनौपचारिक रूप से यह सवाल उठा रहे हैं कि एक ही समय में किसी अधिकारी को प्रशासनिक रूप से हटाया जाना और फिर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाना आखिर किस प्रकार का संदेश देता है। वहीं इस पूरे मामले को लेकर जब बी.डी. कतरोलिया से अनौपचारिक चर्चा की गई तो उन्होंने इसे पूरी तरह प्रशासनिक प्रक्रिया बताया और इस विषय पर अधिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने केवल इतना कहा कि जो भी निर्णय हुए हैं, वे विभागीय प्रक्रिया के तहत लिए गए हैं। फिलहाल यह मामला नगर पालिका और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब लोग यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रशासनिक कार्रवाई और विभागीय सम्मान के बीच इस विरोधाभास की वास्तविक वजह क्या है।

तेंदूपत्ता तोड़ने गए मजदूर पर 2 मादा रीछ ने किया हमला

रीछ के प्राणघातक हमले से मजदूर घायल, कटंगी के अम्बेझरी जंगल का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अम्बेझरी जंगल में मंगलवार को तेंदूपत्ता तोड़ने गए एक मजदूर युवक पर, दो मादा रीछ ने प्राण घातक हमला कर दिया।जहां रीछ के इस हमले से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का नाम थाना कटंगी ग्राम अम्बेझरी निवासी 27 वर्षीय वीर सिंह पिता अर्जुन कोकोड़े बताया गया है। जिसका गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में उपचार जारी है।उधर तेंदूपत्ता तोड़ते समय रीछ के हमले से गम्भीर रूप से घायल मजदूर को उपचार कराने के लिए वन विभाग से किसी प्रकार की आर्थिक मदद न मिलने पर, घायल के परिजनों द्वारा नाराजगी जताई गई है।जिन्होंने विभाग से युवक के उपचार के लिए नियमो के तहत आर्थिक मदद दिए जाने की मांग की है।

रीछ का हमला होते देख भागे साथी मजदूर

प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बेझरी निवासी वीर सिंह खेती बाड़ी व मजदूरी का कार्य करता है जो पिछले दो दिनों से तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए अपने अन्य साथियों के साथ गांव के ही अम्बेझरी जंगल में जा रहा था। वन विभाग द्वारा कराए जा रहे तेंदूपत्ता तोड़ने के इस कार्य के दौरान मंगलवार की सुबह करीब 9:30 बजे अचानक पीछे से आई एक मादा रीछ और उसके बच्चे ने वीर सिंह पर अचानक प्राणघातक हमला बोल दिया। जहां रीछ का हमला होता देख वीर सिंह के साथ मौजूद 8 से 10 साथी मजदूर भाग गए और दूर से शोर मचाने लगे, इसी दरमियान वीर सिंह ने भी शोर मचाते हुए रीछ को पैरों से मार कर भगा दिया और लड़खड़ाते हुए अपने साथियों के पास आ गया। हालांकि इस हमले में वीर के हाथ पैर कमर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई है।

विभाग ने नहीं की आर्थिक मदद

उधर रीछ के हमले से घायल होने की जानकारी साथी मजदूरों द्वारा वन विभाग कर्मचारी को दी गई और युवक को उठाकर उपचार के लिए कटंगी के अस्पताल लाया गया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद, वहां के चिकित्सकों ने उन्हें

जिला अस्पताल रिफर कर दिया। जिनके परिजन मंगलवार के शाम वीर को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए, जहां वीर का उपचार जारी है। घायल के परिजनों की माने तो वन्य प्राणियों के हमले से घायल होने पर अक्सर वन विभाग द्वारा उपचार के लिए आर्थिक सहायता की जाती है,लेकिन मामले की जानकारी होने के बाद भी विभाग द्वारा अब तक आर्थिक मदद नहीं पहुंचाई गई है। उन्होंने बताया कि विभाग के कर्मचारियों द्वारा कहा गया था कि घायल के उपचार के लिए विभाग द्वारा आर्थिक मदद की जाएगी। लेकिन शाम होने को आई है अब तक कोई भी वन विभाग का अधिकारी या कर्मचारी देखने तक नहीं आया है।

महज 2 दिन के बुखार ने छीन ली मासूम बच्ची की जिंदगी

उपचार के दौरान हुई मौत, पीएम के बाद सौपा गया शव, बैहर थाना क्षेत्र के राजमाटोला का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महज 2 दिन के बुखार ने एक मासूम बच्ची की जिंदगी छीन ली, मामला बैहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम राजमाटोला का है।जहां जिला अस्पताल में देर रात भर्ती मासूम की उपचार के दौरान मौत होने पर मंगलवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर,अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।उधर महज 4 वर्षीय मासूम बच्ची की अचानक मौत की खबर से पुरे गांव में शोक का माहौल है।मृतक बालिका का नाम राधिका पिता राजेन्द्र राठौर 4 वर्ष है।जिसकी मंगलवार की अल सुबह जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

2 दिनों से आ रहा था बुखार

प्राप्त जानकारी के अनुसार बैहर थाना क्षेत्र अंतर्गत राजमाटोला निवासी राजेन्द्र राठौर की 4वर्षीय मासुम बिटिया राधिका को 2 दिन पूर्व बुखार आ गया था। जिसके बाद परिजन, उसे लेकर बैहर अस्पताल गए थे। जहां सोमवार तक चले उपचार के बाद उसके स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं होने पर, उसे बेहतर उपचार के लिए बैहर से जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया गया था। परिजन, देर रात्रि करीब 12 बजे उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे। यहां उसे भर्ती कर, उसका ईलाज किया जा रहा था, लेकिन ईलाज के दौरान, मासुम ने मंगलवार की अल सुबह करीब 3 को दम तोड़ दिया।बालिका की मौत की तहरीर मिलने के बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने शव बरामद कर परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कार्यवाही के उपरांत शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

चिकित्सकों का उपचार भी नही आया काम

दो दिनों तक मासुम बुखार और उल्टी के कारण स्वास्थ्य समस्या से जूझती रही लेकिन डॉक्टर, उसकी बीमारी को ठीक नहीं कर सके और अंततः उसने विशेषज्ञ डॉक्टरो के ईलाज के बाद दम तोड़ दिया। बताया गया कि परिजन, बुखार और उल्टी की शिकायत के बाद रिफर पर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां ईलाज के दौरान राधिका की मौत हो गई।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढ़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट